खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 29 नवंबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-326

आएगा तो फिर बंग ही

महेश बैंक चुनाव 2025 में भी बाजी श्री रमेश कुमार बंग के हाथों में ही जाती दिख रही है। संस्थापक पैनल यदि 14-0 या 12-2 से जीत जाए तो कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी। बंग से लोगों का न तो पूरी तरह मोहभंग हुआ है और न ही उनसे किसी को कोई बड़ी शिकायत है। रही बात विपक्ष की, तो उसे पहले भी उनके उल्लेखनीय कार्य दिखाई नहीं देते थे और आज भी, चुनाव न लड़ने के बावजूद, उन्हें ही टारगेट किया जा रहा है। समाज के एक बड़े तबके का मानना है कि यदि बंग नहीं होते तो बैंक कब का गैर-हाथों में जा चुका होता। बंग ने ही इस धरोहर को न केवल सुरक्षित रखा, बल्कि हर उस साजिश को नाकाम करने की भरसक कोशिश की, जिसने बैंक की साख मिटाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी। कोर्ट के ज़रिये पहले नीतिगत निर्णय लेने से रोका गया, फिर रिजर्व बैंक के अधिकारी को छाती पर बैठा दिया गया, अब पूछा जा रहा है - आपने किया ही क्या?

खैर, अब बात करते हैं चुनावी गणित की। बंग समर्थित पैनल के सभी प्रत्याशियों के परिवार तो बड़े हैं ही, उनका फ्रेंड सर्किल (अन्य समाजों में भी) काफी बड़ा है। इस बात का इस बार विशेष ध्यान रखा गया, जबकि विपक्ष ने संभवतः अनुभव, शिक्षा और युवाओं पर ज्यादा गौर किया। स्वाभाविक है कि ये सभी योग्यताएँ तभी काम आएंगी, जब ये उम्मीदवार चुने जाएंगे। गौरतलब है कि कुल मतदाताओं (36,219 - बैंक की वेबसाइट के अनुसार) की संख्या में से करीब 50-60 प्रतिशत गैर-समाज के अंशधारक हैं। समाज के अंशधारकों की संख्या महज़ 10 से 12 हजार के आसपास ही है, जिनमें भी मतदान में केवल 50 प्रतिशत ही बमुश्किल भाग लेते हैं। पिछली बार मात्र 13,700 की ही पोलिंग हुई थी। ऐसे में यदि विपक्षी फाउंडर पैनल समाज के लगभग 60-70 प्रतिशत वोट भी अपने पक्ष में कर लेता है, तब भी उसके खाते में सिर्फ करीब पाँच-साढ़े पाँच हजार वोट ही आ पाएंगे। उधर, संस्थापक पैनल का हर प्रत्याशी

महेश बैंक चुनाव 2025

5,000-5,500 का वोट बैंक लेकर चल रहा है और उनका दावा है कि समाज के भी अधिकतर वोट उन्हें ही मिलेंगे। देखा जाए तो महेश बैंक के भाग्य का निर्धारण अब इतर समाज के लोगों के हाथों में है।

पिछले चुनाव 2020 में श्री रमेश कुमार बंग को सर्वाधिक 7,852 मत प्राप्त हुए थे, जबकि श्रीमती भगवती देवी बल्दवा को 7,575 वोट मिले थे। अन्य परिणामों पर नज़र डालें तो फाउंडर पैनल के कैलाश नारायण जी भांगड़िया को 7,170, श्री अरुण कुमार भांगड़िया को 6,689, श्री भगवान पंसारी को 6,736 और श्रीमती अनिता सोनी को 7,021 मत मिले थे, और ये सभी प्रत्याशी 6,500-7,500 के बीच वोट पाकर विजयी रहे। फाउंडर पैनल के सिर्फ तीन प्रत्याशी ही 7,000 से अधिक वोट हासिल कर पाए थे। उधर, संस्थापक पैनल के पाँच प्रत्याशियों को 7,000 से अधिक वोट मिले थे, जिनमें मुरली मनोहर जी पलोड (7,273), श्री लक्ष्मीनारायण राठी (7,195), श्री गोविन्द नारायण राठी (7,053) और श्री पुरुषोत्तम दास मानधना (7,148) प्रमुख हैं। 6,500-7,000 के बीच प्राप्त मतों को जोड़ने पर 10-5 का आँकड़ा संस्थापक पैनल के पक्ष में साफ दिखा था। दिलचस्प बात यह है कि फाउंडर पैनल के इस बार के चेयरमैन पद के प्रत्याशी श्री कैलाश नारायण जी भांगड़िया से संस्थापक पैनल के चेयरमैन प्रत्याशी मुरली मनोहर जी पलोड को 2020 में भी अधिक वोट मिले थे। फाउंडर पैनल के अधिकांश उम्मीदवार पिछले चुनाव में 6,000 का आँकड़ा भी नहीं छू पाए थे और इस बार भी कमोबेश वही स्थिति नज़र आ रही है। पिछली बार साफ-सुथरी छवि वाली सफल उद्यमी श्रीमती भगवती देवी बल्दवा खुद मैदान में थीं, जिससे फाउंडर पैनल को अतिरिक्त सहानुभूति और समर्थन मिला था, लेकिन इस बार फाउंडर खेमे की स्थिति राम भरोसे जैसी मानी जा रही है।

इन सारे समीकरणों और पिछले चुनावी आँकड़ों को देखें तो यह धारणा मज़बूत होती दिख रही है कि आएगा तो फिर बंग ही - यानी महेश बैंक के संचालन और नेतृत्व पर समाज का भरोसा अब भी बड़े पैमाने पर रमेश कुमार बंग और उनके समर्थित संस्थापक पैनल पर टिका हुआ है।

मानवता, कर्तव्यों और संकल्पों का बोध कराती है गीता : मोदी

उडुपी,(कर्नाटक), 28 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि पवित्र गीता का मानव कल्याण का संदेश हर युग में प्रासंगिक है और वह मानवता, कर्तव्यों के पालन तथा जीवन में सिद्धि के लिए संकल्पों का बोध कराती है।

श्री मोदी ने आज उडुपी के श्रीकृष्ण मठ में शुक्रवार को मलक्ष कंठ गीता पारायणफ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए

कहा कि भगवान ने गीता का संदेश युद्ध भूमि में दिया था इसलिए राष्ट्र की सुरक्षा नीति का मूल भाव गीता में समाहित है। गीता के शब्द व्यक्ति ही नहीं, राष्ट्र की नीति को भी दिशा देते हैं और बताते हैं कि शांति और सत्य की स्थापना के लिए अत्याचारियों का अंत भी आवश्यक है। उनकी सरकार का सबका साथ, सबका विकास का सिद्धांत सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की नीतियां गीता में समाहित भगवान श्री कृष्ण के श्लोकों की प्रेरणा से ओतप्रोत है। उन्होंने कहा कि भगवान श्री कृष्ण के उपदेश और उनकी शिक्षा, हर युग में व्यवहारिक हैं। भगवदगीता में, श्री कृष्ण ने सर्वभूतहिते रता: ये बात कही है। गीता में ही कहा गया है- लोक संग्रहम् एवापि, सम् पश्यन् कर्तुम् अर्हसि ! इन दोनों श्लोकों का अर्थ यही है कि हम लोक कल्याण के लिए काम करें। जीवन में, जगद्गुरु मध्वाचार्य जी ने इन्हीं भावों को लेकर भारत की एकता को सशक्त किया। राष्ट्र की सुरक्षा नीति का मूल भाव गीता के संदेश है। उन्होंने कहा हम वसुधैव कुटुंबकम भी कहते हैं और धर्मो रक्षति रक्षित: का मंत्र भी दो-हराते हैं। हम लालकिले से श्री कृष्ण की करुणा का संदेश भी देते हैं और उसी प्राचीर से मिशन सुदर्शन चक्र की उद्घोषणा भी करते हैं। आज सबका साथ, सबका विकास, सर्वजन हिताय, सर्वजन ▶10पर

देश में सांस्कृतिक पुनर्जागरण का अद्भुत दौर नई पीढ़ियों को मिलेगी प्रेरणा: प्रधानमंत्री

पणजी, 28 नवंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को कहा कि देश आज एक अद्भुत सांस्कृतिक पुनर्जागरण के दौर से गुजर रहा है और यह जागृति आने वाली पीढ़ियों को अपनी जड़ों से जुड़ने के लिए प्रेरित करेगी।

प्रधानमंत्री ने समाज में एकता की भावना को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि विकसित भारत का रास्ता एकता की राह से ही आगे बढ़ेगा। वह दक्षिण गोवा में पर्तगाली में श्री संस्थान गोकर्ण पर्तगाली जीवोत्तम मठ की स्थापना के के 550 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। श्री मोदी ने द्वैत दर्शन के इस मठ द्वारा वहां स्थापित भगवान श्रीराम की 77 फुट ऊंची भव्य कांस्य प्रतिमा का अनावरण भी किया। श्री मोदी ने तीन दिन पहले अयोध्या में राम मंदिर पर धर्मध्वजा के प्रतिष्ठापन के बाद अपने लिए यहां मप्रभु श्रीराम की भव्य मूर्ति और रामायण पर आधारित थीम पार्क के अनावरण और उद्घाटन का सु-अवसर प्राप्त होने का उल्लेख करते हुए कहा, म आज भारत एक अद्भुत सांस्कृतिक पुनर्जागरण का साक्षी बन रहा है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर का पुनर्स्थापन, काशी विश्वनाथ धाम का भव्य पुनरुद्धार, और उज्जैन में महाकाल महालोक का विस्तार, यह सब हमारे राष्ट्र की उस जागरूकता को प्रकट करते हैं जो अपनी आध्यात्मिक धर-ोहर को नई शक्ति के साथ उभार रही है। रामायण सर्किट, कृष्ण सर्किट, गया जी के विकास कार्य, और कुंभ मेले का अभूतपूर्व प्रबंधन, ये सभी उदाहरण बताते हैं कि आज का भारत, अपनी सांस्कृतिक पहचान को नए संकल्पों और नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ा रहा है। प्रधामंत्री ने यह भी कहा कि , म यह जागृति भविष्य की पीढ़ियों को अपनी जड़ों से जुड़े रहने की प्रेरणा देती है। ▶10पर

पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल का निधन

कानपुर, 28 नवंबर (एजेंसियां)।

पूर्व केंद्रीय गृह राज्य मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेसी नेता श्रीप्रकाश जायसवाल का शुक्रवार को निधन हो गया। वे पिछले काफी समय से बीमार चल रहे थे। शुक्रवार दोपहर अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें कानपुर के कार्डियोलॉजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद बताया कि अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनका निधन हो चुका था। अस्पताल के निदेशक डॉ. राकेश वर्मा ने भी उनकी मृत्यु की पुष्टि की। जायसवाल के निधन की खबर से राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर दौड़ गई। कांग्रेस, भाजपा सहित अन्य दलों के नेताओं ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक्स पर संवेदना व्यक्त करते हुए लिखा पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं ▶10पर

भारत-अमेरिका ने एमएच 60 रोमियो हेलीकॉप्टरों के रखरखाव के लिए 7,995 करोड़ के समझौते पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका के बीच रक्षा सहयोग को और अधिक प्रगाढ बनाने की दिशा में कदम उठाते हुए रक्षा मंत्रालय ने भारतीय नौसेना के एमएच 60 रोमियो बहुउद्देशीय हेलीकॉप्टरों के रखरखाव के लिए 7995 करोड़ रुपये के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस समझौता पत्र पर अमेरिका के सैन्य बिक्री कार्यक्रम के तहत रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में शुक्रवार को हस्ताक्षर किये गये। रक्षा मंत्रालय ने एक वक्तव्य जारी कर कहा कि पांच वर्ष के लिए हुए इस समझौते में कलपुर्जे, प्रशिक्षण, तकनीकी सहायता और आवश्यक घटकों की मरम्मत एवं आपूर्ति शामिल है। इसके अलावा भारत में इंटरमीडिएट स्तर की मरम्मत और आवधिक रखरखाव निरीक्षण सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी।

इन घरेलू सुविधाओं से न केवल भारत की क्षमता-वृद्धि होगी, बल्कि अमेरिका से आपूर्ति पर निर्भरता में कमी आएगी। यह पहल आत्मनिर्भर भारत अभियान के अनुरूप मानी जा रही है और इसमें देश की छोटे और मझौले उद्योगों को भी नए अवसर मिलेंगे।

वक्तव्य में कहा गया है कि यह पैकेज भारतीय नौसेना के अत्याधुनिक, सभी मौसमों में संचालन में सक्षम पनडुब्बी रोधी रोमियो हेलीकॉप्टरों की संचालन दक्षता को बढ़ाएगा। इससे इन हेलीकॉप्टरों को जहाजों और तट-आधारित विभिन्न स्थानों से सुचारू रूप से संचालित किया जा सकेगा, जिससे उनके सभी प्राथमिक और द्वितीय मिशनों के दौरान बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित होगा।

इस समझौते को भारत-अमेरिका रक्षा साझेदारी में एक और महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है जो हिन्द प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा सहयोग को भी मजबूती प्रदान करेगा।

जीडीपी वृद्धि दर दूसरी तिमाही में 8.2 प्रतिशत सेवा और विनिर्माण का जोरदार प्रदर्शन

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। सभी अनुमानों को पीछे छोड़ते हुए चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर 2025) के दौरान सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में सालाना आधार पर 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी।

इसमें सेवा क्षेत्र और विनिर्माण की वृद्धि दर नौ प्रतिशत से अधिक रही। इस दौरान निजी खपत में तेजी दर्ज की गयी जबकि सरकारी खपत में एक साल पहले की इसी अवधि की तुलना में हल्की गिरावट रही।

केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, दूसरी तिमाही में स्थिर मूल्य पर आधारित जीडीपी 48.63 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है जो पिछले साल की समान तिमाही के 44.94 लाख करोड़ रुपये की तुलना में 8.2 प्रतिशत अधिक है। यह जनवरी-मार्च 2024 तिमाही के बाद सबसे तेज बढ़ोतरी है।

इससे पहले, चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही -अप्रैल-जून 2025 के दौरान जीडीपी 7.8 प्रतिशत और पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 5.6 प्रतिशत की दर से बढ़ा था।

आलोच्य तिमाही में सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर 9.2 प्रतिशत और विनिर्माण क्षेत्र की 9.1 प्रतिशत दर्ज की गयी। वित्तीय, रियल एस्टेट और पेशेवर सेवा क्षेत्र में 10.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी।

चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में अप्रैल-सितंबर 2025 के दौरान जीडीपी वृद्धि दर आठ प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गयी। पिछले वित्त वर्ष की पहली छमाही में यह 6.1 प्रतिशत और दूसरी छमाही में 6.9 प्रतिशत रही थी।

विशेषज्ञों ने बताया कि पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत और दूसरी तिमाही में 8.2 प्रतिशत की विकास दर देश की अर्थव्यवस्था की अंतर्निहित मजबूती को दिखाती है। उन्होंने कहा कि मांग की स्थिति मजबूत बनी हुई है।

जीडीपी में तेज वृद्धि को पीछे सबसे महत्वपूर्ण कारक द्वितीयक क्षेत्र का प्रदर्शन है जिसमें विनिर्माण भी शामिल है। इस क्षेत्र में 8.1 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गयी जो पहली तिमाही में 7.0 प्रतिशत रही थी। इसमें विनिर्माण की वृद्धि दर 7.7 प्रतिशत से बढ़कर 9.1 प्रतिशत; बिजली, गैस, जलापूर्ति एवं अन्य यूटिलिटी सेवाओं की 0.5 से बढ़कर 4.4 प्रतिशत; और निर्माण की 7.6 से घटकर 7.2 प्रतिशत रह गयी।

प्राथमिक क्षेत्र की वृद्धि दर पहली तिमाही के 2.8 फीसदी की तुलना में दूसरी तिमाही में 3.1 प्रतिशत दर्ज की गयी। इसमें कृषि, पशुधन, वानिकी और मत्स्यपालन में 3.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है जबकि पहली तिमाही में यह 3.7 प्रतिशत बढ़ा था।

चक्रवाती तूफान दितवा चेन्नई के निकट पहुंचा, तमिलनाडु हाई अलर्ट पर

चेन्नई, 28 नवंबर (एजेंसियां)। बंगाल की खाड़ी से उठे चक्रवाती तूफान मदितवाफ ने शुक्रवार को चेन्नई तट की ओर बढ़ना शुरू कर दिया है। मौसम विभाग ने इस तूफान के कारण तमिलनाडु में अगले तीन दिनों के लिए बहुत भारी बारिश का पूर्वानुमान लगाया है।

तूफान को देखते हुए राज्य सरकार ने कई ज़िला प्रशासन को हाई अलर्ट पर रखा है। मौसम विभाग ने कई ज़िलों के लिए रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी कर दिया है।

दितवा के कारण अत्यधिक से बहुत भारी बारिश का पूर्वानुमान जताने के कारण, राज्य सरकार ने बचाव और राहत कार्यों के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीमों को तैनात कर दिया है।

एनडीआरएफ की टीमों ने संभावित जलभराव वाले क्षेत्रों से लोगों को बचाकर सुरक्षित स्थानों पर ले जाने के लिए रबड़ की नावें, पेड़ काटने वाली मशीनों सहित सभी आवश्यक उपकरण अपने साथ रखे हैं।

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने ज़िलाधिकारियों के साथ स्थिति की समीक्षा की और उन्हें निचले इलाकों तथा नदी के किनारे वाले क्षेत्रों के लोगों को ठहराने के लिए राहत केंद्र तैयार रखने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि इन केंद्रों में पीने का पानी, भोजन और चिकित्सा सुविधाओं जैसी सभी बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं।

मौसम विभाग ने ताजा जानकारी में बताया कि चक्रवाती तूफान मदितवाफ तटीय श्रीलंका और सटे हुए दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी पर बना हुआ है। यह पिछले छह घंटों के दौरान सात किलोमीटर प्रति घंटे की गति से उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ा है।

यह तूफान पुडुचेरी से 440 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण-पूर्व और चेन्नई से 540 किलोमीटर दक्षिण में है।

इसके श्रीलंका तट और सटे हुए दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी से होते हुए 30 नवंबर की सुबह तक उत्तर तमिलनाडु, पुडुचेरी और सटे हुए दक्षिण आंध्र प्रदेश तटों के पास दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी तक पहुंचने की संभावना है।

इसके कारण तमिलनाडु और पुडुचेरी पर अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा, कई स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा और अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (20 सेंटीमीटर से अधिक) होने की संभावना है। इसके बाद, एक दिसंबर को वर्षा के धीरे-धीरे कम होकर कई स्थानों पर हल्की से मध्यम और अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। एक दिसंबर की सुबह तक हवा की रफ्तार 55-65 किलोमीटर प्रति घंटे और झोंकों के साथ 75 किलोमीटर प्रति घंटे तक होने की संभावना है। समुद्र की स्थितियाँ खराब से बहुत खराब रहेंगी, और एक दिसंबर की सुबह से सुधार होने की संभावना है।

कार्टून कॉर्नर

पचास देश के साथ एफटीए पर बात कर रहा है भारत : गोयल

नयी दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत मौजूदा समय में 14 देशों और देश के समूह के साथ मुक्त व्यापार संधि (एफटीए) पर बात कर रहा है जिसमें कुल 50 देश शामिल हैं।श्री गोयल ने यहां उद्योग मंडल फिक्की के वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले कुछ समय में हमने देखा है कि किस तरह से व्यापार को हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया गया है। इस दौरान हमने दुनिया में विश्वसनीय सहयोगियों की जरूरत को भी महसूस किया है और यह समझा है कि हमें उन देशों के साथ मिलकर काम करना चाहिए जो निष्पक्ष व्यापार और समान अवसर में विश्वास करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने ऑस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात, मॉरीशस, ब्रिटेन और चार देशों के यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) समूह के साथ पहले ही एफटीए को मूर्त रूप दे दिया है। भारत इस समय 14 देशों या देशों के समूहों के साथ वार्ता कर रहा है जिसमें कुल 50 देश शामिल हैं। ▶10पर

ग्लो योगा कार्यक्रम में स्वास्थ्य एवं पोषण परियोजना पर चर्चा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ ने जीतो कार्यालय चामराजपेट में ग्लो योगा कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम स्वास्थ्य एवं पोषण परियोजना के अंतर्गत आयोजित किया गया, कार्यक्रम में 120 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया। सेशन को दो बैचों में रखा गया ताकि अधिक से अधिक सदस्यों को भाग लेने का अवसर मिल सके। चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने इस अद्भुत प्रतिक्रिया पर हर्ष व्यक्त किया और बताया कि विवाह सीजन में महिलाओं पर कई जिम्मेदारियां होती हैं, फिर भी यह वही समय है जब हर महिला सबसे खूबसूरत और आत्मविश्वासी दिखना चाहती है। उन्होंने कहा ग्लैम योगा का उद्देश्य यही था कि हमारी सभी सदस्याएं इस व्यस्त मौसम में भी प्राकृतिक चमक और आत्मविश्वास के साथ उदित हों। वाइस चेयरपर्सन नीलम शांड ने कार्यक्रम की शुरुआत नवकार मंत्र से की और उसके बाद बेहद प्रेरणादायक शब्दों में सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि एक महिला का चेहरा केवल उसकी सुंदरता नहीं, बल्कि उसकी भावनाओं का दर्पण होता है, और जब हम इसे सही देखभाल देते हैं तो उसका आत्मविश्वास और आभा दोनों बढ़ जाते हैं। उनकी यह बात सभी के मन को छू गई और पूरे कार्यक्रम के लिए एक सकारात्मक और आत्मीय वातावरण बन गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण ट्रेनर मीनाक्षी सोलंकी थी, जिनकी फेस योगा पर पकड़ और सरल शैली ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने समझाया कि किस प्रकार फेस योगा से चेहरे की मांसपेशियों में टोनिंग आती है, त्वचा में इलास्टिसिटी बढ़ती है, पफीनेस कम होती है, रक्त संचार सुधरता है और नियमित अभ्यास से चेहरे को प्राकृतिक लिफ्ट मिलता है। उनकी हर एक बात समझने में आसान और विज्ञान आधारित थी। प्रतिभागियों ने ग्लो, पिगमेंटेशन, जॉलाइन, अंडर आई इश्यूज और एंटी एजिंग से जुड़े कई सवाल पूछे, जिनका मीनाक्षी ने अत्यंत धैर्य और कुशलता से उत्तर दिया। सेशन के बाद मिला फीडबैक बेहद उत्कृष्ट था। सभी ने बताया कि सेशन न केवल सीखने योग्य था बल्कि बहुत ही सुकून देने वाला और ऊर्जा बढ़ाने वाला भी था। प्रतिभागियों ने महसूस किया कि उनके चेहरे हल्के, रिलैक्स्ड और अधिक जागरूक लगे और कई सदस्यों ने भविष्य में ऐसे और कार्यक्रमों की इच्छा भी जताई। फ्लोर एंड फैन्सी की रुत्वी शाह ने सभी प्रतिभागियों को हेल्दी क्विनोआ चॉकलेट केक उपहार में दिया। मुख्य सचिव निधि पालरेचा ने कार्यक्रम के लिए अपनी शुभकामनाएं भेजीं, सह सचिव साक्षी नाहर और मैनेजिंग कमेटी की सदस्यों, अस्मिता चौहान, वनिता बचावत, तरुणा मेहता और निशा कोठारी ने पूरे आयोजन में महत्वपूर्ण सहयोग देकर इसे और भी सुचारु और सफल बनाया। संयोजक सोमना सिसोदिया ने कार्यक्रम का संचालन किया और सह संयोजक हेमा सोलंकी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया और सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

अन्तर्राष्ट्रीय वैश फेडरेशन बेंगलूरु चैप्टर की कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अन्तर्राष्ट्रीय वैश फेडरेशन बेंगलूरु चैप्टर की नवीन कार्यकारिणी की प्रथम बैठक सम्पन्न हुई। अध्यक्ष ललित डाकलिया ने सभी नए कार्यकारिणी सदस्यों के साथ सभी का स्वागत करते हुए आगामी कार्यक्रमों की रुपरेखा रखी जिसमें सभी को सदस्यों के बीच व्यवसाय बढ़ाने की बात कही। चेयरमैन बाबूभाई मेहता ने थोड़े थोड़े अन्तराल में व्यावसायिक बैठक एक सफल बिजनेसमैन के साथ रखने की बात रखी। महामंत्री प्रशांत सिंघी ने कहा कि आइ वी एफ द्वारा सभी मेंबर्स की सभी जानकारी बिजनेस, फैमिली डिटेल्स इकट्ठा करने की जिम्मेदारी नलिन चोरडिया और सूरज जैन द्वारा इकट्ठा की जा रही है। जिसे बुकलेट का रूप दिया जाएगा। कोषाध्यक्ष प्रतीक गादिया ने सदस्यों के लिए फाइनेंशियल प्रोग्राम करने के लिए कहा। टैक्स रिफॉर्म सुझाव भी सीए रूप चंद कुमट और सीए ललित धारीवाल द्वारा इकट्ठा किए जाएंगे और आईवीएफ द्वारा सभी रिफॉर्म सुझाव नेशनल और स्टेट फाइनेंस डिपार्टमेंट को भेजे जाएंगे। बैठक में चेयरमैन बाबू भाई मेहता, अध्यक्ष ललित डाकलिया, उपाध्यक्ष डॉ. वासु सारडा, रूपचंद कुमट, महामंत्री प्रशांत सिंघी, कोषाध्यक्ष प्रतीक गादिया के साथ सागर बाफना, दुष्यन्त जैन, सुरेश जैन, कपीश लाहोटी, मनीष जैन, सुनील बंका, अरविन्द लोया उपस्थित थे।

नि:शुल्क कृत्रिम पैर जड़ने का शिविर आयोजित

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। इनर व्हील क्लब ऑफ हुब्बल्ली एवं ऑल इंडिया जैन यूथ फेडरेशन महावीर लिम्ब सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में निशुल्क कृत्रिम पैर जड़ने का शिविर किम्स परिसर स्थित महावीर लिम्ब सेंटर में आयोजित किया गया। दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर एवं आत्मविश्वासी बनाने के उद्देश्य से आयोजित इस शिविर में राज्य के अलग अलग जिलों से आए 20 दिव्यांगजन लाभान्वित हुए। शिविर का शुभारंभ इनर व्हील क्लब ऑफ हुब्बल्ली की अध्यक्षा सुषमा हिरेमठ, सचिव रेखा बी. पाटिल, शिविर की संयोजक रेश्मा भागवत, महावीर लिम्ब सेंटर के संस्थापक अध्यक्ष महेंद्र सिंघी तथा कार्यदर्शी प्रकाश कटारिया द्वारा कृत्रिम पैर जोड़कर किया गया। क्लब ने लगातार 10वीं बार यह शिविर आयोजित कर सामाजिक सेवा के क्षेत्र में अपनी उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। क्लब ने आगे भी महावीर लिम्ब सेंटर के सहयोग से ऐसे और शिविर आयोजित करने की घोषणा की। ऑल इंडिया जैन युथ फेडरेशन महावीर लिंब सेंटर के संस्थापक अध्यक्ष महेंद्र सिंघी ने सेंटर की कार्यप्रणाली पर प्रकाश डालते हुए इनर व्हील क्लब ऑफ हुब्बल्ली के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि क्लब पिछले कई वर्षों से इस शिविर के माध्यम से दिव्यांग सेवा में लिंब सेंटर को निरंतर सहयोग प्रदान कर रहा है तथा आगे भी इसी निष्ठा के साथ सेवा कार्य जारी रखने का संकल्प दोहराया। महावीर लिंब सेंटर के सचिव प्रकाश कटारिया ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कृत्रिम पैर प्राप्त करने वाले सभी लाभार्थियों ने अत्यंत हर्ष के साथ क्लब पदाधिकारियों एवं सेंटर के पदाधिकारियों तथा स्टाफ के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर क्लब की अन्य सदस्याएं उपस्थित रहीं।

तेममं विजयनगर ने जिला जज से की भेंट वार्ता

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित आचार्य श्री तुलसी के 100 वें दीक्षा वर्ष के परिसंपन्नता पर तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर ने श्रद्धासिक्त अभ्यर्थना हेतु एडिशनल जिला एंड सेशन जज बेंगलूरु के सरस्वती से सिविल कोर्ट में मुलाकात कर आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी द्वारा रचित पुस्तक धर्म चक्र का प्रवर्तन भेंट की। के.एन. सरस्वती ने कहा आप तेरापंथ धर्म संघ के प्रचार के लिए बहुत अच्छा कार्य कर रहे हैं तथा यह पुस्तक मैं अवश्य पढ़ूंगी और अपनी प्रतिक्रिया आपको अवश्य दूंगी। आचार्य श्री तुलसी एक महान व्यक्तित्व, कृतित्व के धनी थे। इसके साथ ही बहनों ने एडवोकेट एम.एस. प्रशांत एवं एडवोकेट कुमार स्वामी से भी मुलाकात की। मंडल द्वारा सभी का सम्मान किया गया। इस भेंट वार्ता में मंडल की सह मंत्री अनीता जीरावाला एवं एडवोकेट एम .एस प्रशांत का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। इस अवसर पर अध्यक्ष महिमा पटावरी, मंत्री सरिता छाजेड़ एवं उपाध्यक्ष सुमित्रा बरडिया की उपस्थिति रही।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी के जन्मदिन पर गौशाला में गौ सेवा

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी के जन्मदिन के अवसर पर अभिनव नगर स्थित विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) द्वारा संचालित गौशाला में भारतीय खाद्य निगम बोर्ड के सदस्य एवं कनकदास शिक्षण संस्था के अध्यक्ष रविंद्र नाथ डंडिन द्वारा विशेष गौ-सेवा एवं पूजा-अर्चना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में रविंद्र नाथ डंडिन ने गौशाला परिसर स्थित कष्टभंजन हनुमान मंदिर में विधि-विधान से पूजा-पाठ किया। इसके पश्चात उन्होंने गौशाला में मौजूद गायों की गौ-पूजा की और स्वयं गायों को हरा चारा एवं दाना खिलाया। गौ-सेवा को बढ़ावा देने और गौशाला की आवश्यकताओं की पूर्ति के उद्देश्य से डंडिन ने गौशाला को चारे से भरी दो ट्रॉली भेंट की। गौशाला प्रबंधन एवं विश्व हिन्दू परिषद पदाधिकारियों ने उनके इस सेवा-भाव और दान की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित विहिप कार्यकर्ताओं, गौशाला समिति, स्थानीय नागरिकों एवं श्रद्धालुओं ने केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं तथा उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और सफल सार्वजनिक जीवन की कामना की। कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में बताते हुए विहिप के सुभाष चन्द ने बताया कि केंद्रीय मंत्री के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित यह गौ-सेवा कार्यक्रम भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण, सेवा-भाव, सद्भाव और सामाजिक एकता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। पूरे कार्यक्रम में श्रद्धा, सादगी और सेवा भावना का उत्कृष्ट वातावरण देखने को मिला। इस दौरान संदीप बुद्धिहाल, टोटाप्पा नीड़गुंडी, उमेश दोषी, विहिप के विनायक तलगेरी, केशव बी, सुभाष डंक, सुनील तथा कनकदास शिक्षण संस्था के स्टाफ सहित अनेक कार्यकर्ता एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** दारा बेंद्रे गेलेयारा बलेगा द्वारा चामराजपेट में बंडिमहाकालि देवी उत्सव का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। बलेगा के अनिल पोखरणा एवं अन्य सदस्यों ने मुणोत को सम्मानित किया।*

मैत्री भाव ही जीवन का असली सौंदर्य: साध्वी आगमश्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजाजीनगर स्थानक में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए साध्वी आगमश्री ने अपने मंगल संदेश में कहा कि परमात्मा महावीर ने विश्व को जिस सर्वव्यापी करुणा और मैत्रीभाव का संदेश दिया, वही जीवन की वास्तविक दिशा है। उन्होंने कहा कि संसार में वैर-विरोध, मतभेद और द्वेष तभी मिट सकते हैं, जब हम अपने शत्रुओं को भी मित्र बनाने की भावना रखें। किसी भी संबंध की नींव वाणी और विचारों की पवित्रता पर टिकी होती है। यदि वाणी संयमित हो और विचार निर्मल हों, तो जीवन के सभी आयाम सुंदर और सफल बन जाते हैं।

साध्वीश्री ने आगे बताया कि जीवन-सुधार के प्रथम तीन स्तंभ हैं। हर शब्द का चयन सोच-समझकर करना चाहिए। वाणी वह साधन है जो हृदय जोड़ भी सकती है और तोड़ भी सकती है। समझ और विवेक जीवन को सही दिशा देते हैं। विवेकयुक्त सोच मनुष्य को शांत व स्थिर बनाती है। मनुष्य का स्वभाव ही उसके व्यवहार का आधार है। स्वभाव को मधुर, विनम्र और शांत बनाने से जीवन में स्वतः ही सुधार आने लगता है।

उन्होंने कहा कि हमारा स्वभाव और हमारा आचरण ही हमारे जीवन का वास्तविक प्रतिबिंब है। धर्म को केवल जानें नहीं, बल्कि जीवन में उतारें, तभी जीवन सफल ओर सार्थक बन पाएगा। साध्वी समृद्धि ने कहा कि अनन्तकाल से यह जीव संसार में भटकता आया है। यह अनमोल मनुष्य भव हमें अत्यंत दुर्लभ साधना और मोक्षमार्ग की संभावनाएं प्रदान करता है। लेकिन जब तक हम इस जीवन को सफल, संयमित और धर्मनिष्ठ नहीं बनाते, तब तक यह चक्रव्यूह चलता ही रहता है। उन्होंने कहा जीवन को किस दिशा में ले जाना है यह पूर्णतः हमारे विवेक और जागृति पर निर्भर है। देव-गुरु-धर्म के प्रति श्रद्धा जितनी सुदृढ़ होगी, जीवन उतना ही सार्थक बनेगा। प्रत्येक जीव के प्रति करुणा, अहिंसा और संवेदना रखना ही मनुष्य जीवन का वास्तविक सौंदर्य है। साध्वी समृद्धि ने कहा कि मनुष्य स्वयं अपने जीवन का कलाकार है, स्वयं ही शिल्पकार है। यदि मनुष्य जागरुक न रहे, तो यह दुर्लभ जीवन भी व्यर्थ चला जाता है। जीवन में जागृति लाना सबसे बड़ा तप है। धर्म में चित्त लगाना, सद्भाव रखना और आत्मा के लक्ष्य को समझना ही सच्चा जागरण है। साध्वीश्री ने स्पष्ट किया कि मेकअप का अर्थ तन का श्रृंगार नहीं बल्कि आत्मा का सौंदर्य बढ़ाना है। यह सौंदर्य तप, त्याग, साधना, स्वाध्याय और संयम से ही निखरता है। नित्य आत्म-परीक्षण करना, अपने दोषों को पहचानना, कषायों का त्याग करना और अपनी प्रवृत्तियों का निरीक्षण करना ही आत्म-चेकअप है। इससे मनुष्य अज्ञान, अहंकार और अवगुणों से ऊपर उठ सकता है। यदि ये तीन सूत्र अपनाए जाएं तो जीवन स्वतः ही पवित्र, सफल और प्रेरणादायक बन जाता है। इस अवसर पर संघ द्वारा आगामी रविवार को आयोजित होने वाले विशेष कार्यक्रमों की जानकारी भी दी गई। साध्वी मंडल के सानिध्य में आचार्य आनंदऋषि एवं कर्नाटक गज केसरी गणेशीलाल महाराज का दीक्षा दिवस और जैन दिवाकर चौथमल महाराज का पुण्य स्मृति दिवस तप त्याग एवं धर्म आराधना के माध्यम से मनाया जाएगा। धर्मसभा में अनेक श्रद्धालु, वरिष्ठ पदाधिकारी, युवक मंडल, महिला मंडल तथा संघ के सदस्यों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। धर्मसभा का आभार ज्ञापन संघ के कोषाध्यक्ष प्रसन भलगट ने किया और संचालन मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

आईमाता वडेर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की पत्रिका लेखन में दिखा उत्साह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सीरवी समाज ट्रस्ट जिगणी की ओर से आगामी 3 से 6 फरवरी 2026 तक आयोजित होने वाले नवनिर्मित आईमाता वडेर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की आमंत्रण पत्रिका लेखन कार्य बुधवार को सीरवी समाज जिगणी वडेर भवन में संपन्न हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ आईमाता वंदना एवं स्तुति के साथ हुआ। इसके बाद शुभ मुहूर्त में पत्रिका लेखन प्रारंभ किया गया। पंडित भानुप्रकाश के नेतृत्व में समाज के पदाधिकारियों ने कंकु से स्वस्तिक बनाकर और अक्षत से बधावणा कर आराध्य देवी-देवताओं के नाम पत्रिका लिखी। संस्था के सचिव चम्पालाल परिहार ने बताया कि लेखन पूरा होते ही पूरा भवन आईमाता के जयकारों से गूंज उठा। ढोल-थाली की मधुर ध्वनियों के बीच उपस्थित सैकड़ों समाज बंधुओं ने जयघोष कर प्रतिष्ठा की खुशिया व्यक्त की। अध्यक्ष मांगीलाल राठौड़ ने स्वागत करते हुए प्रतिष्ठा महोत्सव को सफल बनाने के लिए अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष कानाराम बर्फा, पूर्व सचिव जोगाराम परिहार, सीरवी समाज कर्नाटक, एच.एस.आर लेआउट, होसारोड, चन्दापुरा, हतिब्बले, अनेक्ल, होसूर, बन्नेरघट्टा, इलेक्ट्रॉनिक सिटी सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय वडेरों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कुर्सी की लड़ाई के बीच मुख्यमंत्री-उपमुख्यमंत्री ने मंच शेयर कर अजनबियों जैसा बर्ताव किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के बीच खींचतान की वजह से अनबन गंभीर हो गई है, जिसका खुलासा शुक्रवार को हुआ। महिला और बाल कल्याण विभाग द्वारा शहर के पैलेस ग्राउंड्स में आयोजित कर्नाटक कॉम्प्रिहेंसिव चाइल्ड डेवलपमेंट स्कीम की गोल्डन जुबली का उद्घाटन बाल दिवस, विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस, अक्का पाडे की शुरुआत और आंगनवाड़ी केंद्रों में प्री-प्राइमरी शिक्षा शुरू करने सहित कई कामों से हुआ। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया इसमें हिस्सा लेने के लिए जल्दी पहुंच गए थे। जब मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने अपना भाषण शुरू किया, तो देर से पहुंचे उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने दर्शकों की ओर मुड़कर सभी से एक साथ हाथ मिलाया। मंच पर मौजूद मंत्री एच.सी. महादेवप्पा ने उनसे और अन्य महिला गणमान्य लोगों से हाथ मिलाया। इस समय सिद्धरामैया डी.के. शिवकुमार को देख रहे थे, लेकिन डी.के. शिवकुमार ने ऐसा दिखाया जैसे उन्होंने देखा ही न हो। एक समय, कुर्सी पर बैठे हुए, डी.के. शिवकुमार ने आधे मन से मुख्यमंत्री की तरफ देखने का मन बनाया, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया और बैठ गए। यह देखकर कि डी.के. शिवकुमार ने कोई जवाब नहीं दिया, सिद्धरामैया ने आमंत्रण पत्र और उसमें दी गई जानकारी को अपनी तरफ से पढ़ना शुरू कर दिया। इससे यह साफ हो गया कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के बीच अनबन हो गई है। मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के शुरुआती भाषण खत्म करने के बाद, इस बात पर भ्रम था कि अगले स्पीकर के तौर पर किसे बुलाया जाए। मंत्री ने इस पर सिद्धरामैया से सुझाव मांगा। तब सिद्धरामैया ने सुझाव दिया कि उद्घाटन के बाद, वह वरिष्ठ नेताओं को बुलाएं। आगे बढ़ते हुए, दीप जलाते और प्रोग्राम का उद्घाटन करते समय, यह देखा गया कि सीएम और डीसीएम के बीच कोई करीबी नहीं थी। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के साथ दीया जलाया। फिर डी.के. शिवकुमार ने अपने सामने खड़े बच्चों का हाथ पकड़कर दीया जलाने में मदद की। इस समय, सिद्धरामैया ने अपना चेहरा घुमाया और अपनी सीट की ओर चले गए। जब फोटोग्राफरों ने साथ खड़े होकर पोज देने पर जोर दिया, तो आगे बढ़े सिद्धरामैया को वापस बुलाया गया। उस समय, डी.के. शिवकुमार ने उन्हें आगे आने और खड़े होने का इशारा करने के अलावा कुछ नहीं कहा। यह साफ था कि पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी की तस्वीरों पर फूल चढ़ाने के बाद भी दोनों के बीच कोई तालमेल नहीं था। इससे पहले गुरुवार को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने राज्य सरकार की तरफ से उन किसानों को अतिरिक्त मुआवजा देने की घोषणा की जिनकी फसलें राज्य में मॉनसून की बारिश से खराब हो गई थीं। बेंगलूरु में मौजूद डी.के. शिवकुमार इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए। गुरुवार को संविधान दिवस के मौके पर हुए कार्यक्रम में डी.के. शिवकुमार और सिद्धरामैया ने अलग-अलग हिस्सा लेकर एक दूसरे को जवाब नहीं दिया। मंगलवार को वर्ल्ड फिश डे के मौके पर दोनों ने मिलकर हिस्सा लिया था। उस समय दोनों के बीच स्वाभाविक बातचीत हुई। लेकिन बाद में ऐसा लगा जैसे एक का चेहरा एक तरफ और दूसरे का चेहरा दूसरी तरफ हो। अब शुक्रवार को एक ही मंच पर होने के बावजूद उन्होंने एक-दूसरे से बात नहीं की और गुस्से में दिखे। दोनों के बीच पहले कभी इतनी नाराजगी और अनबन नहीं देखी गई थी। विधानसभा चुनाव के दौरान कहा गया था कि पार्टी अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार और सिद्धरामैया के बीच अलग-अलग गुटबाजी चल रही है। उस समय डी.के. शिवकुमार ने खुद सिद्धरामैया से मिलकर भाईचारा बनाए रखा था। लेकिन अब दोनों के चेहरों पर अलग ही भाव दिख रहे थे।

परप्पना अग्रहारा जेल में मस्ती जारी: गृह मंत्री की चेतावनी के बावजूद हालात नहीं सुधरे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

यह एक बार फिर साबित हो गया है कि अगर भगवान शिव खुद भी धरती पर आ जाएं, तो भी परप्पना अग्रहारा की अव्यवस्था ठीक नहीं हो सकती। पहले भी कई बड़ी जेलों में मोबाइल चार्जर, बीड़ी सिगरेट और दूसरी चीजें मिली थीं, इसलिए खुद गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने चेतावनी दी थी कि अगर किसी भी वजह से जेलों में कोई भी बैन चीजें मिलीं तो दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अब उनकी बात भी नहीं मानी गई। जब वरिष्ठ अधिकारियों की एक टीम ने गुरुवार और बुधवार को परप्पना अग्रहारा जेल की बैरकों में छापा मारा, तो मोबाइल फोन, सिम कार्ड और दूसरी बैन चीजें मिलने के बाद दो अलग अलग केस दर्ज किए गए। सरकार ने आईपीएस अधिकारी अंशु कुमार को जेल में गैर-कानूनी कामों को रोकने और सुधार लाने का काम सौंपा है। अंशु कुमार के नेतृत्व में जेल में मारे गए छापों के दौरान कई बैरकों में फोन, सिम कार्ड, चार्जर और पैसे मिले। इस मामले में परप्पना अग्रहारा पुलिस स्टेशन में दो अलग-अलग केस दर्ज किए गए हैं। जेल में कैदियों और अंडरट्रायल कैदियों के तकियों पर, टॉयलेट की दीवार के अंदर, मेहराबों पर मोबाइल फोन, चार्जर के तार और मना की गई चीजें देखकर अधिकारी एक पल के लिए चौंक गए। जेल में मशहूर फिल्म एक्टर दर्शन हैं, कैदियों और अंडरट्रायल कैदियों ने बैरक में मस्ती की, और उमेश रेड्डी और एक गिरफ्तार आतंकवादी के मोबाइल फोन पर गुस्से में बात करते हुए वीडियो वायरल हुए। उस समय, हालांकि जेल अधिकारियों को पूरी जेल बैरक पर कड़ी नजर रखने के सख्त निर्देश दिए गए थे, लेकिन वहां के हालात नहीं सुधरे हैं। जेल में मोबाइल फोन, सिम कार्ड और दूसरी मना की गई चीजें किसने पहुंचाईं। इसमें किसने मदद की। पुलिस यह जानकारी इकट्ठा कर रही है कि बरामद मोबाइल फोन और सिम कार्ड का इस्तेमाल किन कैदियों और अंडरट्रायल कैदियों ने किया।

संस्कारों से ही मनुष्य की पहचान होती है: साध्वी भव्यगुणा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राजाजीनगर स्थित सुनील कुंकुलोल के नूतन निवास स्थान काशा दी तारा में विराजित साध्वी भव्य गुणा श्री ने कहा कि जीवन में कैसी भी परिस्थिति आए अपने कुल व धर्म की गरिमा व मर्यादा को कभी नहीं भूलना चाहिए। संयम भाव में विचरण करने पर इंसान मर्यादा में रहता है। संस्कारों से ही मनुष्य की पहचान होती है। देश व काल की दृष्टि से हितकारी होने पर कुल व धर्म की परम्परा व मर्यादा का कभी त्याग नहीं करें। उन्होंने कहा कि जिसे सुसंस्कार प्राप्त होते है वह दुनिया में कही भी चले जाए अपने संस्कार नहीं छोड़ता है। मनुष्य भव की प्राप्ति दुर्लभ होती है। मनुष्य भव पाने के बाद भी पुण्यार्जन व कर्मनिर्जरा नहीं कर सके तो फिर ऐसा अवसर नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में वीर प्रभु का शासन चल रहा है उसमें हम अपने जीवन को पावन निर्मल व सार्थक बना सकते है। धर्म ध्यान व तप साधना कर कर्मो की निर्जरा कर जीवन का अंतिम लक्ष्य प्राप्त करने का प्रयास करे। जीवन में धर्मयुक्त कर्म ही काम आता है। कर्म के भीतर धर्म की आवश्यकता जरूरी पड़ती है। कर्म तो व्यक्ति करता है लेकिन भाग्य तभी साथ देता है जब उसमें धर्म होता है। इसलिए कर्म करते समय उसमें धर्म का समावेश अवश्य करे। साध्वी शीतल गुणा श्री ने कहा कि जब तक हम मैं ओर मेरे की भावना में उलझे रहेंगे मोक्ष की प्राप्ति नहीं होगी। मोह रहता है तो इंसान धर्म के मार्ग पर नहीं चल पाता है। धर्म की राह पर चलने के लिए मैं और मेरे की भावना का त्याग करना ही होगा। मनुष्य अनादि काल से वर्तमान का दुरुपयोग करता आया है, जिसके मुख्य कारण है भूतकाल की स्मृति, भविष्य की चिंता एवं वर्तमान के संयोग वियोग की चिंता। इन तीनों कारणों से व्यर्थ में कर्म बंधन होता है। भूतकाल की घटना बीत चुकी, उसे याद करने से क्या लाभ, भविष्य का एक पल भी किसी के हाथ में नहीं है, उसकी चिंता से भी क्या लाभ। वर्तमान के संयोग वियोग तो कर्माधीन है यदि इसे साक्षी भाव से जीएं, तो नये कर्म नहीं बंधेंगे और यदि आसक्ति भाव से जियेंगे तो कर्म बंधन होने से भव भ्रमण बढ़ेगा ही। पारस भंसाली ने बताया कि साध्वीवृंद शनिवार को सुबह राजाजीनगर नगर से विहार कर के सुशील धाम पधारेंगे। सज्जन राज, रेखा, विपिन, शिल्पा, निशिका टपरावत, विजय, उनिशा, दक्ष, दानी, किर्ती ने सेवा का लाभ लिया।

वोक्कालिगा समुदाय के विधायकों की धमकी

अगर शिवकुमार को सीएम नहीं बनाया गया तो हम इस्तीफा दे देंगे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक में कुर्सी की लड़ाई पर कांग्रेस हाईकमान की तरफ से फैसला लेने में हो रही देरी की वजह से हालात गंभीर हो गए हैं और समुदाय के विधायक इस्तीफे की धमकी दे रहे हैं। अगर डी.के. शिवकुमार को मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया तो वोक्कालिगा समुदाय के विधायक इस्तीफा दे देंगे। चेतावनी दी गई है कि अगले विधानसभा चुनाव में समुदाय का एक भी वोट कांग्रेस को नहीं जाएगा। इस बीच, पिछड़े और शोषित समुदायों के संगठन मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के समर्थन में आ गए हैं और चेतावनी दी है कि अगर लीडरशिप में बदलाव हुआ तो गैर-हिंदू समुदाय के 80 से ज्यादा विधायक इस्तीफा दे देंगे। हालात दिन-ब-दिन गंभीर होते जा रहे हैं। पिछले चार-पांच महीनों से लीडरशिप में बदलाव को लेकर काफी खींचतान चल रही है। लेकिन हाईकमान के पास कांग्रेस पार्टी के लिए साफ बहुमत है। कहा जा रहा है कि उसने अलग-अलग विचारों को यह दिखावा करते हुए नजरअंदाज कर दिया कि कोई कुछ नहीं कर सकता। हाल ही में, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने अलग से दिल्ली जाकर पावर-शेयरिंग फॉर्मूले पर हाईकमान से साफ निर्देश लेने की कोशिश की। लेकिन लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सिर्फ मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को ही उनसे मिलने दिया और उन्हें डी.के. शिवकुमार से मिलने का समय नहीं दिया। कहा जाता है कि इससे डी.के. शिवकुमार चिढ़ गए थे। इसके बाद से, विधायकों के दिल्ली दौरे और डी.के. शिवकुमार के पर्दे के पीछे के गुप्त कार्यक्रम ने रफ्तार पकड़ ली है। पावर-शेयरिंग, जो अब तक कांग्रेस का अंदरूनी मामला था, अब समुदायों के बीच बहस का कारण बन गया है। सिद्धरामैया गुट के कुछ मंत्रियों ने खुद को पिछड़े वर्गों और शोषित समुदायों का नेता बताया है। राजनीतिक संकट के समय, ये मंत्री और बड़े नेता शोषित और पिछड़े वर्गों से सिद्धरामैया के समर्थन में खड़े होने की अपील कर रहे हैं। हालांकि डी.के. शिवकुमार ने खुलकर कुछ नहीं कहा है, लेकिन वे अंदर ही अंदर अपने तरीके अपना रहे हैं। वे पहले ही सिद्धरामैया गुट के कई मंत्रियों और ताकतवर नेताओं से मिलकर उनका समर्थन मांग चुके हैं। डी.के. शिवकुमार गुट के विधायक हाईकमान के नेताओं से मिले हैं और उन पर दबाव बनाने की कोशिश की है। डी.के. शिवकुमार, जो शांत नहीं हुए, महाराष्ट्र चले गए हैं और कहा जा रहा है कि उन्होंने वहां राहुल गांधी के करीबियों समेत कांग्रेस नेताओं से मुलाकात की और अपने पक्ष में लॉबिंग शुरू कर दी है। दिल्ली में बैठकों का सिलसिला शुरू हो चुका है। एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी समेत दूसरे बड़े नेता बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों का विश्लेषण करने के लिए गुरुवार को हुई बैठक में शामिल हुए। कहा जा रहा है कि वरिष्ठ नेताओं ने वहां बिहार चुनाव पर चर्चा के बाद राज्य में हुए डेवलपमेंट के बारे में भी जानकारी ली।

बेलगावी सत्र में सिद्धरामैया सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव: भाजपा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दिसंबर में बेलगावी में होने वाले विधानसभा के आने वाले विंटर सेशन के दौरान कांग्रेस राज्य सरकार के खिलाफ नो-कॉन्फिडेंस मोशन लाएगी। गुरुवार को उडुपी में मीडिया को यह जानकारी देते हुए, भाजपा के राज्य महासचिव और पूर्व मंत्री वी सुनील कुमार ने कहा कि अगर कांग्रेस सरकार मुश्किल में भी पड़ती है, तो भी उनकी पार्टी सरकार बनाने का दावा नहीं करेगी।

उन्होंने आरोप लगाया कि लीडरशिप चेंज को लेकर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और डिप्टी मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच चल रही खींचतान के कारण पिछले दो महीनों से राज्य का प्रशासन ठप हो गया है। उन्होंने कहा, लगभग 90 प्रतिशत मंत्री विधान सौधा के ऑफिस नहीं जा रहे हैं। अगर सिद्धरामैया ने अपनी एक्टिविटीज मैसूरु तक सीमित कर ली हैं, तो शिवकुमार ने खुद को दिल्ली तक सीमित कर लिया है। सरकार ने भरोसा खो दिया है और मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, मंत्रियों और विधायकों के बीच कोई भरोसा नहीं है। उन्होंने कहा, हम बेलगावी सत्र में कांग्रेस सरकार को एक्सपोज करेंगे और नो-कॉन्फिडेंस मोशन लाएंगे। भाजपा अपने एनडीए समर्थकों के साथ इस प्रस्ताव पर चर्चा करेगी। कांग्रेस नेताओं के हाल के बयानों का जिक्र करते हुए, जिसमें लीडरशिप में बदलाव की संभावना है, उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने लोगों के मन में कन्फ्यूजन पैदा किया है। उन्होंने कहा मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस हाईकमान पर उंगली उठा रहे हैं। उन्हें पार्टी के अंदर साइडलाइन कर दिया गया है। सुनील कुमार ने कहा कि भाजपा कांग्रेस सरकार के अपने आप गिरने का इंतजार कर रही है।

जेबीएन वी कनेक्ट की तीसरी बैठक का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेबीएन वी कनेक्ट के 5वें कार्यकाल की तीसरी बैठक राजाजीनगर स्थित जीतो बेंगलूरु नॉर्थ कार्यालय में सफलतापूर्वक आयोजित की गई। कार्यक्रम जीतो महिला विंग की अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना, महामंत्री रक्षा छाजेड़, स्वयं संयोजक एवं कोषाध्यक्ष तनुजा मेहता के सफल मार्गदर्शन में हुआ। बैठक में विशिष्ट अतिथि सुमन रांका (सहमंत्री) और सारिका जैन (जेएलडब्लू मैनेजिंग कमेटी सदस्य) की विशिष्ट उपस्थिति रही। रेफरल हेड लीला पितलिया, रेफरल लीड मीनू जैन और रेफरल सचिव संगीता जैन के नेतृत्व में कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक नवकार महामंत्र के जाप से हुआ, जिसने एक शांत, सकारात्मक और आध्यात्मिक वातावरण स्थापित किया। बैठक के दौरान दो नए सदस्यों का जेबीएन वी कनेक्ट परिवार में हार्दिक स्वागत किया गया तथा उनका औपचारिक इंडक्शन सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित केजल छाजेड़ जो कि एक अनुभवी इमेज कंसल्टेंट और फैशन स्टाइलिस्ट हैं, ने एक प्रभावशाली एवं ज्ञानवर्धक सत्र प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि किसी व्यक्ति की पहली सात सेकंड की छाप उसके व्यक्तित्व और पेशेवर प्रभाव को कितनी गहराई से प्रभावित करती है। उन्होंने सिग्नेचर स्टाइल डिस्कवरी, कलर एनालिसिस, बॉडी शेप आइडेंटिफिकेशन, डिजिटल इमेज एन्हांसमेंट और एटिकेट्स जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया। केजल छाजेड़ ने प्रतिभागियों को यह समझाया कि आपका व्यवसाय ही आपका ब्रांड है, और इसलिए हमारा लुक, व्यक्तित्व, बॉडी लैंग्वेज और उद्देश्यपूर्ण पहनावा हमारे आत्मविश्वास एवं विश्वसनीयता को मजबूत करता है। उन्होंने अपने प्रभावशाली एबीसीडी फॉर्मूला के माध्यम से बताया कि किस प्रकार सही प्रस्तुति न सिर्फ प्रभाव बढ़ाती है, बल्कि प्रोफेशनलिज्म और पर्सनल ब्रांड को भी मजबूत करती है। इसके पश्चात 5वें कार्यकाल की मैनेजिंग कमेटी की औपचारिक घोषणा की गई और सदस्यों को उनके-अपने उत्तरदायित्व सौंपे गए तथा उनके योगदान को सम्मानपूर्वक सराहा गया।

शैक्षणिक सत्र में सीमा शाह ने जेबीएन फिलोसोफी पर एक महत्वपूर्ण प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि जब हम दूसरों को व्यवसाय देते हैं, तो यह भाव सहयोग को बढ़ाता है और सदस्य आगे इसे और कई गुना बढ़ाते हैं,जिससे विश्वास, रिश्ते और सामूहिक विकास मजबूत होते हैं। डोर प्राइज में सर्वश्रेष्ठ 30-सेकंड पिच का पुरस्कार संतोष एस कोठारी को, सर्वाधिक रेफरल का पुरस्कार लक्षिता जैन तथा पंक्चुअलिटी अवॉर्ड सीए सुखदेवी जैन को प्रदान किया गया। कार्यक्रम में आगामी भव्य आयोजन उड़ान के बारे में विस्तृत जानकारी साझा की गई, जिसका आयोजन 15 एवं 16 जनवरी को गणेश बाग, इन्फैंट्री रोड पर होने जा रहा है। सदस्यों को स्टॉल बुकिंग प्रक्रियाओं और जेबीएन सदस्यों के लिए प्राथमिकता लाभ के बारे में भी अवगत कराया गया। बैठक का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ, जिसके पश्चात ओपन नेटवर्किंग सत्र आयोजित किया गया।

सरकार ने बाढ़ प्रभावित किसानों को 1,033 करोड़ रुपये की अतिरिक्त सब्सिडी जारी की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य सरकार ने गुरुवार को उन किसानों को 1,033.60 करोड़ रुपये की एक्स्ट्रा इनपुट सब्सिडी जारी की, जिनकी फसलें भारी बारिश की वजह से खराब हो गई हैं। 14.24 लाख किसानों के बैंक अकाउंट में सीधे पैसे ट्रांसफर करने का प्रोसेस शुरू करने के बाद, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि उनकी सरकार ने फसल नुकसान के लिए किसानों को दी जाने वाली इनपुट सब्सिडी बढ़ा दी है।

बारिश पर निर्भर फसलों के लिए इसे 8,500 रुपये से बढ़ाकर 17,000 रुपये प्रति हेक्टेयर, सिंचाई वाली फसलों के लिए 17,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये प्रति हेक्टेयर और बारहमासी फसलों के लिए 22,500 रुपये से बढ़ाकर 31,000 रुपये प्रति हेक्टेयर कर दिया गया है।

सिद्धारमैया ने कहा कि हर किसान को दो हेक्टेयर तक की जमीन के लिए यह सब्सिडी मिलेगी। एनडीआरएफ के नियमों के मुताबिक, राज्य सरकार पहले ही 14.24 लाख किसानों को 1,218.03 करोड़ रुपये की इनपुट सब्सिडी दे चुकी है। कुल मिलाकर, किसानों के बैंक अकाउंट में 2,251.63 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए गए हैं। सिद्धरामैया ने कहा कि धारवाड़, गदग, हावेरी, कलबुर्गी, यादगीर और बीदर समेत नौ जिलों में भारी बारिश की वजह से फसलें खराब हो गई हैं। प्रधानमंत्री को एक ज्ञापन दिया गया है, जिसमें फसल के नुकसान और मुआवजे के लिए 614.90 करोड़ रुपये की इनपुट सब्सिडी और खराब हुए इंफ्रास्ट्रक्चर को फिर से बनाने के लिए 1,521.67 करोड़ रुपये जारी करने की मांग की गई है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की एक टीम जल्द ही राज्य का दौरा कर सकती है।

देश के भविष्य निर्माता ही नहीं, परंपरा के संरक्षक भी हैं युवा : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

लखनऊ, 28 नवंबर (एजेंसियां)। भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की डायमंड जुबली तथा 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी के समापन समारोह में शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने युवा शक्ति का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यदि सभी युवा प्रकृति के साथी होने के स्काउट्स एंड गाइड्स के सिद्धांत को अपनाएं और आगे बढ़ें तो हमारी धरती हरी-भरी और खुशहाल बनेगी। उन्होंने कहा कि आप देश के भविष्य निर्माता ही नहीं, बल्कि इसकी भव्यता और महान संस्कृति की परंपरा के संरक्षक भी हैं। जिस प्रकार एक दीपक से अनेक दीपक जलाए जा सकते हैं, उसी प्रकार एक सशक्त, समृद्ध और संवेदनशील व्यक्ति अनेक व्यक्तियों को सशक्त और समृद्ध बना सकता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आप सभी अपनी प्रतिभा और कौशल को देश के विकास के लिए लगाएंगे। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि जम्बूरी में देशभर के 35 हजार से अधिक युवा भाग ले रहे हैं और 25 देशों के 2 हजार स्काउट्स एंड गाइड्स भी उपस्थित हैं। उन्होंने युवाओं से कहा कि इस अवसर का उपयोग एक-दूसरे को जानने-समझने के लिए करें और अपने अनुभव तथा सपने आपस में साझा करें। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि जम्बूरी के दौरान अनेक प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन हुआ, जिनसे नई सीख मिलती है और टीम भावना मजबूत होती है। प्रतिस्पर्धा की भावना के साथ सहयोग की भावना भी राष्ट्र और समाज के उत्थान के लिए अनिवार्य है।राष्ट्रपति ने बताया कि आज भारत में 63 लाख से अधिक स्काउट्स एंड गाइड्स हैं और यह विश्व के सबसे बड़े संगठनों में से एक है। इस संगठन में गाइड यानी छात्राओं की संख्या 25 लाख से अधिक है, जो उल्लेखनीय उपलब्धि है। उन्होंने उन बेटियों को बधाई दी जिन्होंने समाज और

मानवता के कल्याण के लिए अनुशासन, समर्पण और निरंतर प्रगति के मार्ग को अपनाया है। स्काउट्स एंड गाइड्स लंबे समय से युवाओं को सही दिशा देने, उन्हें अनुशासित बनाने और राष्ट्र निर्माण में प्रेरित करने का कार्य कर रहे हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अनुसार, स्काउट्स एंड गाइड्स की सबसे बड़ी विशेषता सेवा का भाव है। चाहे भूकंप आए या महामारी फैले, स्काउट्स एंड गाइड्स सबसे पहले सहायता के लिए आगे आते हैं। संगठन की एक और विशेषता राष्ट्रीय एकता की भावना को बढ़ावा देना है। विभिन्न राज्यों, धर्मों और संस्कृतियों से आने वाले युवा जब साथ प्रशिक्षण लेते हैं, तो उनमें आपसी सम्मान, भाईचारा और टीमवर्क की भावना प्रबल होती है। उन्होंने कहा कि यह खुशी की बात है कि समय के साथ यह संगठन जीवन कौशल, नेतृत्व, पर्यावरण जागरूकता और व्यक्तित्व विकास जैसे क्षेत्रों पर ध्यान देकर स्वयं को आधुनिक बना रहा है।उन्होंने कहा कि यह संगठन ऐसी युवा पीढ़ी तैयार कर रहा है जो सशक्त, संवेदनशील और देश के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। युवाओं के सपनों और आकांक्षाओं को पूरा करने की प्रतिबद्धता ही देश की प्रगति का आधार है। उन्होंने कहा कि भारत अपनी विकास यात्रा के महत्वपूर्ण पड़ाव पर है और वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य तभी संभव है जब हमारी अधिकांश युवा आबादी इसे प्राप्त करने के लिए दृढ़ता से प्रयास करे।

उन्होंने कहा कि युवाओं को उचित मंच उपलब्ध कराने के लिए सरकार अनेक प्रयास कर रही है, जिनमें 'मेरा युवा' जैसी पहल महत्वपूर्ण है। यह पहल युवाओं को सशक्त बनाने और उनकी ऊर्जा को राष्ट्र निर्माण की दिशा में लगाने के लिए समर्पित है।

राष्ट्रपति ने कहा कि स्काउट्स एंड गाइड्स का आदर्श वाक्य है 'तैयार रहो।' इसका अर्थ है कि आपको भविष्य की चुनौतियों का साहस और आत्मविश्वास के साथ सामना करने के लिए तैयार रहना होगा। इसके लिए आवश्यक है कि आप में संवाद क्षमता, टीम समन्वय, समस्या समाधान और नेतृत्व जैसे कौशल विकसित हों। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण पर भी जोर दिया और कहा कि पर्यावरण-अनुकूल आदतों को जीवन में अपनाकर ही इस वैश्विक समस्या से निपटा जा सकता है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि इस जम्बूरी को 'हरित जम्बूरी' के रूप में आयोजित किया जा रहा है, जहां वेस्ट सेग्रिगेशन और प्लास्टिक-मुक्त परिसर जैसे कदम लागू किए गए हैं। अंत में उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए राज्यपाल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और आयोजकों को बधाई दी।

कार्यक्रम में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि जम्बूरी में आना उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने बताया कि उद्घाटन और समापन दोनों सत्रों में प्रतिभागियों के कौशल को देखने का अवसर मिला। राजभवन में आयोजित कार्यक्रम में जम्बूरी के माध्यम से वर्षों से करोड़ों छात्र-छात्राओं को लाभान्वित करने वाले अवॉर्डियों को सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि 61 वर्ष बाद उत्तर प्रदेश में आयोजित जम्बूरी ने स्वावलंबी, स्वदेशी, स्वच्छ और विकसित भारत की भावना को साकार किया है।

युवाओं को देश का वर्तमान और भविष्य बताते हुए राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी युवा शक्ति को राष्ट्र शक्ति मानते हैं क्योंकि युवा ऊर्जा और सकारात्मक सोच राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने कहा कि तेजी से बदलती दुनिया में स्काउटिंग और गाइडिंग केवल कौशल ही नहीं, बल्कि करुणा, निष्ठा, साहस और मानवता जैसे मूल्यों का कवच भी प्रदान करती है। इन्हीं मूल्यों को जम्बूरी ने पुनः स्थापित किया है। राज्यपाल ने स्काउट्स और गाइड्स से आग्रह किया कि वे यहां मिली सीख को जीवन में उतारें और समाज में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बनें क्योंकि भारतीयता का मूल भाव सेवा ही है और यही भारत की आत्मा है जिससे नया भारत आकार लेगा।

महिला पुलिस उप निरीक्षक सत्यवंती 85 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

चंडीगढ़, 28 नवंबर (एजेंसियां)। राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, अंबाला ने आज एक महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए महिला पुलिस थाना कुरूक्षेत्र की अतिरिक्त थाना प्रबंधक एवं उप निरीक्षक सत्यवंती को 85,000 रुपये नकद रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। टीम ने यह कार्रवाई शिकायतकर्ता की शिकायत पर योजना बनाकर की। आरोपिया डख सत्यवंती के खिलाफ अभियोग संख्या 33, दिनांक 28.11.2025, धारा 7 पीसी एक्ट 1988 व 308(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत ब्यूरो थाना अंबाला में मामला दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता ने ब्यूरो को दी गई अपनी शिकायत में बताया कि उस पर हरजीत कौर नामक महिला ने उत्पीड़न का झूठा आरोप लगाते हुए महिला पुलिस थाना कुरूक्षेत्र में शिकायत दी थी। इस शिकायत की जांच डख सत्यवंती कर रही थी।शिकायतकर्ता के अनुसार, 5 नवंबर 2025 को सत्यवंती ने उसे फोन कर थाने बुलाया और मुलाकात में कहा कि शिकायत में उसके खिलाफ अभियोग बनता है। इसके बाद 21 नवंबर 2025 को दोबारा बुलाकर शिकायत को रफा-दफा करने के बदले 1 लाख रुपये की रिश्वत की मांग की गई।

आरोपी उप निरीक्षक पहले ही शिकायतकर्ता से 15,000 रुपये ले चुकी थी और आज शेष 85,000 रुपये मांग रही थी। इसी लेन-देन के दौरान सतर्कता ब्यूरो की टीम ने उसे रंगे हाथों पकड़ लिया।

सतर्कता ब्यूरो ने बताया कि रिश्वतखोरी के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और किसी भी सरकारी अधिकारी या कर्मचारी द्वारा भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आमजन से अपील है कि कोई भी कर्मचारी या अधिकारी यदि रिश्वत मांगता है तो तुरंत इसकी सूचना एंटी करप्शन ब्यूरो की हेल्पलाइन पर दें।

ओडीएफ प्लस का दर्जा, कचरे से कमाए 1.16 लाख

लखनऊ की बक्कास ग्राम पंचायत बनी मिसाल

बक्कास ग्राम पंचायत का वेस्ट मैनेजमेंट मॉडल बना उदाहरण : राजभर

लखनऊ, 28 नवंबर (एजेंसियां)। लखनऊ के विकास खण्ड गोसाईंगंज की ग्राम पंचायत बक्कास ने ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन में उत्कृष्ट कार्य कर ओडीएफ प्लस का दर्जा प्राप्त किया है और स्वच्छ एवं आत्मनिर्भर पंचायत का सफल मॉडल प्रस्तुत किया है। पंचायत ने स्वच्छता प्रबंधन को आय सृजन के साथ जोड़ते हुए उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं।

ग्राम पंचायत बक्कास में वर्मी कम्पोस्ट पिट, खाद पिट और नेडप पिट का निर्माण किया गया है। ठोस कचरे के निस्तारण हेतु ई-रिक्शा और साइकिल से डोर-टू-डोर कचरा संग्रह किया जा रहा है, जिसके बदले प्रत्येक घर से 30 मासिक यूज़र चार्ज वसूल किया जाता है। एकत्रित कचरे को आरआरसी सेंटर में पृथक कर वर्मी कम्पोस्ट खाद तैयार की जाती है और उसे बाजार में बेचा जा रहा है। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं।

अब तक यूज़र चार्ज से 84,600 और वर्मी कम्पोस्ट से 32,250 रूपये की आय प्राप्त हुई है। इस प्रकार पंचायत की आय 1,16,850 तक पहुँच चुकी है, जो पंचायत की आर्थिक आत्मनिर्भरता का सशक्त उदाहरण है।

तरल अपशिष्ट प्रबंधन के अंतर्गत ग्राम की नालियों और जलाशयों में सिल्ट कैचर और फिल्टर चेंबर का निर्माण कराया गया है, जिससे जलभराव और गंदगी की समस्या समाप्त हुई है। सफाई व्यवस्था में समुदाय की सक्रिय भागीदारी से गाँव की सड़कों पर पूर्व में दिखने वाले कचरे के ढेर पूरी तरह समाप्त हो चुके हैं।नियोजित प्रयासों और तकनीक आधारित प्रबंधन के परिणामस्वरूप बक्कास ग्राम आज स्वच्छता, सुशासन और सतत विकास का प्रेरणादायक मॉडल बन गया है, जो अन्य ग्राम पंचायतों के लिए उदाहरण स्थापित करता है।पंचायती राज मंत्री ने कहा कि ग्राम पंचायत बक्कास ने स्वच्छता और ग्रामीण विकास का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। अपशिष्ट प्रबंधन को आय सृजन से जोड़ना और ग्रामीणों की सहभागिता सुनिश्चित करना एक सराहनीय पहल है। ऐसे मॉडल पूरे प्रदेश में स्वच्छता आंदोलन को नई दिशा देंगे और हमारी ग्राम पंचायतें आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनेंगी।निदेशक पंचायती राज अमित कुमार सिंह ने कहा कि बक्कास ग्राम पंचायत का मॉडल यह साबित करता है कि सही योजना, तकनीक का उपयोग और सामुदायिक सहयोग से ग्रामीण स्तर पर बड़ी परिवर्तनकारी उपलब्धियाँ हासिल की जा सकती हैं। डोर-टू-डोर कलेक्शन, वेस्ट सेग्रीगेशन और वर्मी कम्पोस्ट से आय सृजन ने इस पंचायत को प्रेरक उदाहरण बना दिया है। विभाग इस मॉडल को अन्य पंचायतों में भी लागू करने की दिशा में कार्य कर रहा है।

कांग्रेस मंत्री जगत नेगी के आधारहीन आरोप मानसिक दिवालियापन का संकेत : संजीव कटवाल

शिमला, 28 नवंबर (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेश महामंत्री संजीव कटवाल ने आज शिमला में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कांग्रेस सरकार और मंत्री जगत सिंह नेगी पर गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि विधानसभा में दिए गए जगत नेगी के वक्तव्य से साफ़ झलकता है कि मंत्री महोदय मानसिक संतुलन खो चुके हैं और बिना किसी तथ्य के भाषा की मर्यादा तोड़ते हुए अनाप-शनाप बयान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर टिप्पणी करने से पहले जगत नेगी को दस बार सोचने की जरूरत थी। एक ऐसा संगठन जो 1925 से निरंतर देशहित, समाजहित और व्यक्ति निर्माण के कार्यों में समर्पित रहा है, उसके खिलाफ काल्पनिक एवं निराधार आरोप लगाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और कांग्रेस की विकृत मानसिकता को दर्शाता है। कटवाल ने कहा कि कांग्रेस मंत्री द्वारा संघ की छवि खराब करने की कोशिश पर उन्हें तुरंत सार्वजनिक माफी मांगनी चाहिए। संजीव कटवाल ने कहा कि कांग्रेस के मंत्री मीडिया में बने रहने के लिए केवल गपोड़शंख की तरह बयानबाजी करते हैं। जमीन पर जनता के लिए काम करने में उनकी कोई रुचि नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि मंडी जिला में जब मंत्री जगत नेगी आपदा प्रभावितों से मिलने गए तो राहत मांगने आए पीड़ित लोगों पर ही एसएआर के तहत मामला दर्ज करवा दिया - यह उनकी जनविरोधी मानसिकता का स्पष्ट प्रमाण है।

मंत्री पुत्र पर गंभीर आरोप, कांग्रेस की चुप्पी शर्मनाकः प्रेस वार्ता के दौरान संजीव कटवाल ने कहा कि कुछ दिन पहले ही कांग्रेस मंत्री जगत नेगी के बेटे विक्रम नेगी की कारगुजारियां सार्वजनिक हुई हैं जिनमें घरेलू हिंसा, मानसिक प्रताड़ना और धमकियों जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं। विक्रम नेगी की पत्नी द्वारा लगाए गए प्रमुख आरोप इस प्रकार हैंः 4 साल में 15-16 बार मारपीट, गला दबाया-हत्या का प्रयास, पिछड़ी, गरीब कहकर रोजाना अपमान, शादी के गहने जब्त, मानसिक प्रताड़ना, खर्चा-पानी बंद।

मंत्री का बेटा होने के कारण कार्रवाई ठपः उन्होंने कहा कि महिला सुरक्षा का ढोल पीटने वाली कांग्रेस सरकार बताए कि मंत्रीपुत्र पर कार्रवाई कब होगी? क्या कांग्रेस सरकार महिलाओं के साथ हो रहे अत्याचारों पर भी राजनीतिक चश्मा लगाकर निर्णय लेती है? संजीव कटवाल ने कहा कि भाजपा और प्रदेश की जनता मंत्री-पुत्र पर लगे गंभीर आरोपों पर चुप्पी को बर्दाश्त नहीं करेगी। कांग्रेस को तुरंत इस मामले में स्पष्ट जवाब देना चाहिए।

धर्मशाला में 1 दिसम्बर को होगी एंटी-चिट्टा जागरूकता वॉकाथॉन सीएम करेंगे नेतृत्व : उपायुक्त

धर्मशाला, 28 नवंबर (एजेंसियां)। उपायुक्त कांगड़ा हेमराज बैरवा ने आज यहां कहा कि हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा नशे के विरुद्ध छेड़े गए व्यापक अभियान के तहत 1 दिसम्बर, 2025 को धर्मशाला में राज्य स्तरीय एंटी-चिट्टा अवेयरनेस वॉकाथॉन आयोजित की जा रही है। इस महत्वपूर्ण आयोजन में माननीय मुख्यमंत्री स्वयं शामिल होंगे और रैली का नेतृत्व करेंगे। उन्होंने कहा कि एंटी-चिट्टा वॉकाथॉन प्रातः 9:30 बजे दाड़ी मेला मैदान से आरम्भ होगी तथा पुलिस ग्राउंड धर्मशाला तक आयोजित की जाएगी। रैली में युवा, विद्यार्थी, स्वयंसेवी संगठन, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, सामाजिक कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक भाग लेंगे। उपायुक्त ने बताया कि हिमाचल प्रदेश सरकार ने चिट्टे एवं अन्य मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों से युवाओं को बचाने और नशामुक्त हिमाचल के निर्माण के उद्देश्य से तीन माह का व्यापक, बहुस्तरीय और समन्वित जागरूकता अभियान शुरू किया है। इस अभियान का शुभारंभ 15 नवम्बर, 2025 को शिमला में मुख्यमंत्री द्वारा किया गया था। इसके बाद प्रदेश के सभी जगह जन-सहभागिता पर आधारित कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।उन्होंने कहा कि वॉकाथॉन में नशा विरोधी संदेशों पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुति के साथ ही पुलिस बैंड द्वारा भी प्रस्तुति दी जायेगी। उपायुक्त ने जिला कांगड़ा के नागरिकों से अपील की कि वे नशामुक्त हिमाचल के निर्माण में योगदान दें। उन्होंने कहा कि युवाओं को सकारात्मक दिशा देना, खेल-संस्कृति को बढ़ावा देना और नशे के खिलाफ मजबूत संदेश देना समय की आवश्यकता है।

चुनाव आयोग से टकराव लोकतंत्र के लिए खतरा, सरकार संविधान की धज्जियां उड़ा रही है : रणधीर शर्मा

शिमला, 28 नवंबर (एजेंसियां) भाजपा के वरिष्ठ नेता, नैना देवी से विधायक एवं भाजपा विधायक दल के सचिव रणधीर शर्मा ने विधानसभा में नियम 67 के अंतर्गत रखे गए स्थगन प्रस्ताव पर बोलते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश में पंचायती राज संस्थाओं और शहरी निकायों के चुनाव को लेकर प्रदेश सरकार की नीयत संदिग्ध है। सरकार बार-बार ऐसे बयान और निर्देश दे रही है जिससे साफ प्रतीत होता है कि वह चुनाव को टालने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार को जनता का डर है, क्योंकि अपने पूरे कार्यकाल में विकास के नाम पर कुछ नहीं किया, न चुनावी वायदे पूरे हुए, न गारंटियां लागू हुईं। संभावित हार के डर से सरकार चुनाव टालने की कोशिश कर रही है जो सीधा-सीधा लोकतांत्रिक व्यवस्था पर प्रहार है। चुनाव आयोग के निर्देशों की अवहेलना, सरकार पर गंभीर आरोप

रणधीर शर्मा ने कहा कि चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था को सरकार बार-बार अपमानित कर रही है। शहरी निकायों के चुनावों में 24 मई 2025 से शुरू हुई प्रक्रिया को बीच में रोकने के लिए शहरी विकास विभाग द्वारा सचिव स्तर से पत्र जारी किए गए, जो कि संवैधानिक व्यवस्था के विरुद्ध है। 11 जुलाई एवं 22 जुलाई को जारी पत्रों के माध्यम से रिजर्वेशन प्रक्रिया को रोकना लोकतांत्रिक प्रक्रिया में खुली दखलअंदाजी है।

उन्होंने कहा कि ओबीसी आरक्षण को बहाना

बनाकर सरकार चुनाव टालने की कोशिश कर रही है, जबकि पंचायत चुनावों में भी यही जन-गणना आंकड़े उपयोग होते हैं और वहां कोई आपत्ति नहीं उठाई जाती।

नई शहरी निकायों के चुनाव दो वर्ष टालना लोकतंत्र पर हमला

रणधीर शर्मा ने कहा कि दिसंबर 2024 में गठित नई शहरी निकायों के चुनाव छह महीने के भीतर होने थे, पर सरकार अध्यादेश लाकर इन्हें दो वर्ष के लिए टाल देती है। वहीं पुरानी निकायों के चुनाव अनिश्चितकाल के लिए लटका दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि न तो प्रदेश सरकार तैयार है और न ही चुनाव आयोग की प्रक्रिया में सहयोग कर रही है। मतदाता सूचियों का प्रकाशन रोकना, बैलेट पेपर उठाने से इनकार कराना-सब सरकार की चुनाव विरोधी मानसिकता को दर्शाता है।

रिऑर्गेनाइजेशन के नाम पर राजनीतिक हस्तक्षेप, पंचायतों का मनमाना बंटवारा

भाजपा विधायक ने कहा कि सरकार पंचायतों व निकायों के पुनर्गठन को भी राजनीतिक आधार पर कर रही है। पंचायतों की सीमाएं सत्ता के कार्यकर्ताओं के कहने पर बदली जा रही हैं। 600 वोटों की पंचायत और 2500 वोटों की पंचायत एक समान कैसे हो सकती है? यह पूरा अभ्यास निष्पक्षता के विपरीत है।

उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने पुनर्गठन रोकने का आदेश दिया था, लेकिन सरकार ने 24 नवंबर को फिर कैबिनेट में रिऑर्गेनाइजेशन का फैसला ले लिया, जिससे साफ है कि सरकार चुनाव से बच रही है।

आपदा एक्ट का बहाना-स्कूल खुले, कार्यक्रम हो रहे, लेकिन चुनाव पर रोक

उन्होंने कहा कि सरकार आपदा एक्ट का हवाला देकर चुनाव टाल रही है, जबकि स्कूल, आंगनबाड़ी, सरकारी आयोजन हर जगह सामान्य रूप से चल रहे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि सबसे ज्यादा आपदा प्रभावित जिला मंडी में सरकार तीन साल का जश्न मना रही है। इससे साबित है कि आपदा एक्ट सिर्फ चुनाव रोकने का बहाना है।

आपदा राहत फंड का दुरुपयोग-जश्न के लिए बसें, पानी और फूड पैकेट

रणधीर शर्मा ने बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि सरकारी दस्तावेजों से स्पष्ट है कि सरकार जश्न के कार्यक्रम में आने वाले लोगों को एचआरटीसी बसें, खाने के पैकेट और पानी उपलब्ध करवाने के लिए डिजास्टर मैनेजमेंट फंड का उपयोग कर रही है।

उन्होंने कहा कि आपदा प्रभावितों को राहत नहीं, बल्कि सरकार अपने राजनीतिक कार्यक्रमों पर आपदा राहत का पैसा खर्च कर रही है।

सरकार संविधान के विपरीत आचरण कर रही-रणधीर शर्मा

विधायक ने कहा कि सरकार बार-बार संविधान दिवस मना रही है, संविधान की पुस्तक लेकर रैलियां कर रही है, लेकिन स्वयं संविधान की धज्जियां उड़ा रही है। पंचायतों व निकायों का कार्यकाल तय है और चुनाव समय पर करवाना संवैधानिक दायित्व है, पर सरकार कार्यकाल समाप्त होने से पहले ही प्रक्रियाओं को रोक रही है।

जनता को स्पष्ट जवाब दे सरकार-चुनाव कब होंगे?

रणधीर शर्मा ने कहा कि लाखों लोग चुनाव की तैयारी कर रहे हैं, पर सरकार की असमंजसपूर्ण नीति से पूरे प्रदेश में भ्रम की स्थिति है। उन्होंने सरकार से मांग की कि जनता को स्पष्ट बताए कि चुनाव कब होंगे और ओबीसी व अन्य बहानों के पीछे छिपना बंद करे।

उन्होंने सदन के माध्यम से कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए चुनाव समय पर होना आवश्यक है और भाजपा इस विषय पर जनता की आवाज बनकर खड़ी है।

योगी सरकार के वन ट्रिलियन डॉलर लक्ष्य की दिशा में कौशल विकास पर मंत्री ने की समीक्षा

युवाओं को प्रशिक्षण के साथ रोजगार से जोड़ने पर विशेष बल

कौशल, उद्योग और रोजगार के त्रिकोणीय मॉडल को आगे बढ़ा रही है योगी सरकार : कपिल

लखनऊ, 28 नवंबर (एजेंसियां)। योगी सरकार द्वारा निर्धारित प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन डॉलर तक ले जाने के लक्ष्य को कौशल विकास एवं रोजगार सृजन के माध्यम से गति देने के उद्देश्य से प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन मुख्यालय, अलीगंज लखनऊ में विभागीय समीक्षा बैठक की। बैठक में प्लेसमेंट प्रगति, उद्योग सहभागिता, प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण और विभिन्न निजी व औद्योगिक संस्थानों से हो रहे सहयोग की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में मंत्री ने निर्देश दिए कि प्रशिक्षण ही नहीं बल्कि रोजगार से जोड़ना प्राथमिकता हो। कौशल आधारित युवा शक्ति ही योगी सरकार के आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश के संकल्प को पूर्ण कर सकती है। इसी उद्देश्य से सेवा मित्र पोर्टल को और उन्नत करते हुए अधिक से अधिक आईटीआई और कौशल विकास मिशन के प्रशिक्षित युवाओं को जोड़ने, इसका व्यापक प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिए। आईटीआई और कौशल विकास मिशन के छात्रों का आउटकम ट्रैकिंग अत्यंत आवश्यक है। यह पता चलना चाहिए कि किस संस्थान से प्रशिक्षित छात्र कहाँ कार्यरत हैं, क्या कौशल बढ़ा है और किस क्षेत्र में रोजगार प्राप्त हुआ है। डेटा कैप्चर की गुणवत्ता सुधारने और इसे रियल

टाइम से जोड़ने पर विशेष बल दिया जाए।सेवा प्रदाताओं के साथ आईटीआई छात्रों का एकीकरण किया जाए, इससे उद्योगों और तकनीकी संस्थानों के बीच संपर्क मजबूत होगा और प्रशिक्षित युवाओं को तुरंत रोजगार के अवसर मिलेंगे। उन्होंने निर्देश दिया कि उद्योग और आईटीआई के बीच नियमित संवाद स्थापित हो तथा प्राइवेट आईटीआई का डेटा भी शामिल किया जाए ताकि राज्य के सभी प्रशिक्षित युवाओं की रोजगार स्थिति का संपूर्ण और पारदर्शी आकलन हो सके। राजकीय आईटीआई अपने औद्योगिक भ्रमणों की नियमित रिपोर्ट शासन को उपलब्ध कराएं। औद्योगिक भ्रमण कैलेंडर तैयार करके डेलॉइट को तत्काल साझा करने के निर्देश भी दिए गए। स्किल मित्र पोर्टल पर छात्रों की प्लेसमेंट स्थिति को नियमित अपडेट करने और स्थानीय नियोक्ताओं को सीधे प्रशिक्षित युवाओं से जोड़ने पर बल दिया गया। जिलों में प्लेसमेंट ड्राइव का व्यापक प्रचार प्रसार करते हुए अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार से जोड़ा जाए। इसके लिए नोडल आईटीआई, संयुक्त निदेशक एवं प्राचार्यों की मासिक बैठकें कर असल चुनौती को चिन्हित किया जाए और समाधान किए जाएँ। योगी सरकार के नेतृत्व में प्रदेश में कौशल विकास और रोजगार निर्माण का ऐसा मॉडल तैयार किया जा रहा है, जो न केवल उद्योगों को प्रशिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध कराएगा, बल्कि युवाओं के जीवन में आर्थिक स्थिरता भी लाएगा। योजनाओं और साझेदारियों को समयबद्ध और प्रभावी ढंग से लागू किया जाए ताकि उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य निर्धारित समय में प्राप्त किया जा सके।बैठक में प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम, विशेष सचिव अभिषेक सिंह, निदेशक कौशल विकास मिशन पुलकित खरे, अपर मिशन निदेशक प्रिया सिंह, अपर निदेशक मानपाल सिंह, संयुक्त निदेशक मयंक गंगवार, राजेन्द्र प्रसाद सहित विभागीय अधिकारी और डिलाइट के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

ऊर्जा मंत्री के नेतृत्व में यूपी ने हासिल की एक और उपलब्धि

लखनऊ, 28 नवंबर (एजेंसियां)। ऊर्जा क्षेत्र में लगातार सुधारों और नवोन्मेषी फैसलों के बीच ऊर्जा मंत्री एके शर्मा के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। छह वर्षों से बिजली की दरों में वृद्धि न किए जाने और उदार बिजली बिल राहत योजना लागू किए जाने के बाद अब प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत प्रदेश ने 27 नवंबर को 1 गीगावाट अर्थात 1000 मेगावाट रूफटॉप सोलर क्षमता का लक्ष्य पूरा कर लिया है। इस उपलब्धि के साथ प्रदेश में अब तक 2.90 लाख घरों पर सोलर रूफटॉप संयंत्रों की सफल स्थापना की जा चुकी है। इससे न केवल ऊर्जा आत्मनिर्भरता को मजबूती मिली है बल्कि चार हजार एकड़ भूमि की बचत हुई है, जिसका उपयोग अब अन्य विकास और जनहित कार्यों में किया जा सकेगा।स्थापित सोलर संयंत्रों पर उपभोक्ताओं को भारत सरकार की ओर से लगभग दो हजार करोड़ रुपये और प्रदेश सरकार की ओर से छह सौ करोड़ रुपये का अनुदान दिया गया है। इस आर्थिक सहायता से आम परिवारों के लिए सौर ऊर्जा अपनाना आसान हुआ है और बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं के बिजली बिल में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। कई घरों में दिन के समय बिजली बिल लगभग शून्य तक पहुंच गया है और अतिरिक्त उत्पादन को ग्रिड में देकर उपभोक्ताओं को राजस्व क्रेडिट का लाभ भी मिल रहा है।योजना के शुरुआती दौर में जहां केवल 81 वेंडर पंजीकृत थे, वहीं आज यह संख्या बढ़कर 4200 तक पहुंच चुकी है। वेंडरों की इस व्यापक वृद्धि से न केवल सोलर रूफटॉप संयंत्रों की स्थापना की गति तेज हुई है बल्कि व्यापार और उद्यमिता के नए अवसर भी सृजित हुए हैं। उत्पादन, इंस्टॉलेशन, मेंटेनेंस और सप्लाई चेन से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में प्रदेश में लगभग 50 हजार लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिला है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूत आधार मिला है।इस उपलब्धि पर ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कहा कि यह सफलता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऊर्जा आत्मनिर्भर भारत की सोच और हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने वाली नीतियों का प्रत्यक्ष परिणाम है। प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री की नीतियों को पूरी प्रतिबद्धता के साथ जमीन पर उतार रही है और सूर्यघर योजना उसी का सशक्त उदाहरण है। उत्तर प्रदेश को देश का सबसे बड़ा घरेलू सौर ऊर्जा उत्पादक राज्य बनाने की दिशा में तेज गति से कार्य जारी है।ऊर्जा विभाग के अनुसार योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रदेश से लेकर जिला स्तर तक नियमित समीक्षा, ऑनलाइन आवेदन की सरल व्यवस्था, समयबद्ध कनेक्शन और सब्सिडी के त्वरित भुगतान पर विशेष ध्यान दिया गया। इसी सुव्यवस्थित कार्यप्रणाली के कारण कम समय में इतनी बड़ी रूफटॉप सोलर क्षमता हासिल करना संभव हो सका। हरित ऊर्जा के माध्यम से मजबूत अर्थव्यवस्था और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में उत्तर प्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है और आगामी चरण में दो गीगावाट रूफटॉप सोलर क्षमता का लक्ष्य प्राप्त करने की तैयारी की जा रही है।

सिर्फ तहज़ीब का शहर ही नहीं रचनात्मक अभिव्यक्ति का केंद्र भी है लखनऊ

लखनऊ, 28 नवंबर (एजेंसियां)। लखनऊ की धड़कनों को और तेज करते हुए कौशल साहित्य महोत्सव के तीसरे सत्र में प्रसिद्ध आरजे प्रतीक की मेज़बानी में सोशल मीडिया की दुनिया के तीन प्रख्यात इंफ्लुएंसर्स सौभाग्य दीक्षित, आकांक्षा अवस्थी और सौरभ चंद्रा से बातचीत हुई।रोमांचक चर्चा के दौरान इन युवा हस्तियों ने अपने कंटेंट क्रिएशन के शुरुआती सफ़र, संघर्षों, चुनौतियों और आज प्राप्त की गई उपलब्धियों को खुलकर साझा किया। उन्होंने बताया कि कैसे निरंतर मेहनत, सकारात्मक सोच और वास्तविक अनुभवों के आधार पर वे आज इस मुकाम तक पहुंचे।सौभाग्य दीक्षित ने बताया कि कैसे ट्रोलिंग और नकारात्मक टिप्पणियाँ कई बार क्रिएटर्स को निराश कर देती हैं, लेकिन इन चुनौतियों के बावजूद हार न मानना ही सफलता का रास्ता है। अपने कंटेंट के माध्यम से उन्होंने अवधी भाषा को राष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय बनाने का प्रयास किया है, जिसे आज पूरे देश में लोग प्यार और सम्मान दे रहे हैं।वहीं आकांक्षा अवस्थी ने साझा किया कि कैसे उन्होंने होटलों और रेस्टोरेंट्स के बजाय लखनऊ के स्ट्रीट फूड और उसकी असली स्वाद संस्कृति को बढ़ावा देने का बीड़ा उठाया। स्थानीय स्वाद और सड़क किनारे मिलने वाला भोजन ही शहर की असली पहचान है, जिसे लोगों तक पहुँचाना उनका उद्देश्य रहा है।सत्र में सौरभ चंद्रा ने कहा कि कंटेंट में अभद्र या अपमानजनक भाषा का प्रयोग नहीं होना चाहिए। उन्होंने युवाओं को सलाह दी कि सोशल मीडिया पर ट्रोलर्स और नकारात्मक टिप्पणियों को नज़रअंदाज़ करना ही समझदारी है और इससे काम पर फोकस बनाए रखने में मदद मिलती है।संवाद, प्रेरणा और नवसोच से भरा यह सत्र युवा पीढ़ी के लिए ऊर्जा और नए दृष्टिकोण लेकर आया। लखनऊ ने फिर साबित किया कि यह सिर्फ तहज़ीब का शहर ही नहीं बल्कि रचनात्मक अभिव्यक्ति का केंद्र भी है।

इटावा के बाल्मीकि आश्रम को पर्यटन के नक्शे पर लाने के लिए व्यय किये जायेंगे 70 लाख रूपए : जयवीर

लखनऊ, 28 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने इटावा के बडपुरा क्षेत्र स्थित प्राचीन महर्षि बाल्मीकि मंदिर के पर्यटन विकास करने जा रहा है। मुख्यमंत्री पर्यटन स्थलों के विकास योजना के अंतर्गत इस परियोजना के लिए लगभग 70 लाख रुपए की धनराशि स्वीकृत हुई है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि राज्य सरकार समाज के सभी वर्गों की आस्था का सम्मान करती है।

महर्षि बाल्मीकि से जुड़े इस पवित्र स्थल का समग्र विकास हमारी प्राथमिकता है। सरकार सामाजिक न्याय, धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक पुनर्जागरण, तीनों मोर्चों पर सक्रिय रूप से काम कर रही है। जयवीर सिंह ने बताया कि प्रदेश में रामायण से जुड़े स्थलों का विकास राज्य सरकार की प्राथमिकता है। महर्षि वाल्मीकि हमारे आदर्श और प्रथम कवि हैं। उनके नाम से जुड़ी इस प्राचीन धरोहर का संरक्षण हमारी संस्कृति और आस्था दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। सरकार का प्रयास है कि यह स्थल आने वाले समय में पर्यटन और सांस्कृतिक दृष्टि से भी प्रमुख आकर्षण बने। साथ ही, श्रद्धालु और पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।विभाग का उद्देश्य इटावा जिले के धार्मिक पर्यटन को अन्य स्थलों के साथ विशिष्ट पहचान दिलाना है। इसी दिशा में प्राचीन बाल्मीकि मंदिर के समेकित विकास की महत्वपूर्ण पहल की गई है। परियोजना के तहत मंदिर परिसर में सौंदर्यीकरण, आधुनिक प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छ शौचालय, सूचना केंद्र और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इन सुविधाओं के विकसित होने से न केवल स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा बल्कि की पौराणिक और सांस्कृतिक धरोहर को भी नई पहचान मिलेगी।पौराणिक मान्यता है कि इटावा से महर्षि वाल्मीकि का विशेष जुड़ाव था।

जिले में यमुना नदी के किनारे स्थित बडपुरा क्षेत्र के बेला गांव में महर्षि बाल्मीकि ने जीवन का लंबा कालखंड व्यतीत किया था। इस गांव को उनकी तपोस्थली के रूप में जाना जाता है। बाल्मीकि समाधि स्थल पर महर्षि की एक मूर्ति और पादुका है, जिसकी अर्चना-दर्शन के लिए दूर-दराज से लोग आते हैं। रामायण के रचयिता की समाधि यमुना नदी के किनारे है। इटावा जिले में कई अन्य पर्यटन स्थल हैं, जो प्रदेश और बाहर से आने वालों को आकर्षित करते हैं। इटावा सफारी पार्क लायन सफारी, राजा सुमेर सिंह का किला, राष्ट्रीय चम्बल वन्य जीव अभ्यारण्य, कंपनी गार्डन, यमुना चंबल संगम स्थल और सरसई नावर वेटलैंड ऐसे ही कुछ प्रमुख पर्यटन स्थल हैं। 2024 में इटावा आने वाले पर्यटकों की संख्या जहां 12,22,055 थी, वह मौजूदा वर्ष 2025 में जनवरी से मार्च में ही बढ़कर 10,39,243 तक पहुंच गई। विभाग का अनुमान है कि मौजूदा वर्ष में पर्यटकों का आंकड़ा नया रिकॉर्ड बनाएगा।

बीएलओ की मौतों की जिम्मेदार भाजपा सरकार : संजय

लखनऊ, 28 नवंबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि देशभर में एसआईआर विशेष गहन पुनरीक्षण के नाम पर भाजपा सरकार और चुनाव आयोग बीएलओ पर इस हद तक दबाव बना रहे हैं कि अब तक 25 से अधिकबीएलओ अपनी जान गंवा चुके हैं। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए आम आदमी पार्टी ने 30 नवंबर को पूरे उत्तर प्रदेश में श्रद्धांजलि सभा आयोजित करने की घोषणा की है। संजय सिंह ने कहा कि यह सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि लोकतंत्र के खिलाफ संगठित अपराध है। जब चुनाव में अभी डेढ़ साल बाकी है तो इतनी बेतहाशा जल्दबाज़ी क्यों? क्या यह चुनाव सुधार है या विपक्ष और वंचित वर्ग को सूची से हटाने की सोची-समझी साजिश? भाजपा सरकार और मुख्य चुनाव आयुक्त का रवैया शर्मनाक और अमानवीय है। बीएलओ को बिना संसाधन, बिना

प्रशिक्षण और बिना समय सीमा के ऐसी परिस्थितियों में काम कराया जा रहा है कि लोग नौकरी बचाने के डर में आत्महत्या तक कर रहे हैं। संजय सिंह ने इसे तानाशाही शासन बताया और कहा कि बीएलओ मशीन नहीं, परिवार और जिम्मेदारियों वाला इंसान है लेकिन सरकार उन्हें थकावट, मानसिक दबाव और भय के बीच काम करने पर मजबूर कर रही है। कई क्षेत्रों में बीएलओ को रातभर ड्यूटी करनी पड़ रही है, घर-घर जाकर राजनीतिक दबाव और धमकियों के बीच डेटा अपडेट करना पड़ रहा है। कई बीए-लओ अवसाद, तनाव और हार्ट अटैक का शिकार हुए, लेकिन चुनाव आयोग और सरकार अब तक किसी मृत बीए-लओ के परिवार को मुआवजा, समर्थन या न्याय देने की घोषणा तक नहीं कर सके-यह अत्यंत शर्मनाक है।संजय सिंह ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर सवाल उठाते हुए कहा कि एसआईआर को जिस तेजी और कठोरता के साथ लागू किया जा रहा है, वह प्रशासनिक प्रक्रिया कम और राजनीतिक आदेश ज्यादा दिखती है।

चुनाव आयोग की इस निर्मम जल्दबाज़ी का नतीजा 25 से ज्यादा मौतों के रूप में सामने आया है और अब आयोग को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। आम आदमी पार्टी 30 नवंबर को उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में श्रद्धांजलि सभा आयोजित करेगी। इसमें मृत बीए-लओ को श्रद्धांजलि देने के साथ यह मांग उठाई जाएगी कि बीएलओ की मौतों की उच्च स्तरीय जांच हो, परिवारों को मुआ-वजा दिया जाए और एसआईआर के नाम पर हो रहा अत्याचार तुरंत रोका जाए।

उत्तर प्रदेश में जन्म प्रमाण पत्र के लिए आधार कार्ड मान्य नहीं : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ, 28 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में आधार कार्ड अब जन्म तिथि के प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं किया जाएगा। यूपी सरकार ने सभी विभागों को स्पष्ट निर्देश जारी कर दिए हैं। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने इसका स्वागत करते हुए कहा कि इससे प्रदेश में धोखाधड़ी और घोटाला खत्म होगा। यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा, सरकार की तरफ से यह अच्छा फैसला है, इसका सबको स्वागत करना चाहिए।

इससे प्रदेश में गलत काम करने वालों पर लगाम लगेगी। साथ ही इसमें जो लोग शामिल हैं उन पर कार्रवाई होगी। केशव प्रसाद मौर्य ने सपा नेता आजम खान पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश में तो कई लोग दो पैनकार्ड बनवाकर विधायक बन जाते हैं। इसके लागू होने से उन लोगों पर भी लगाम लगेगी। मेरा मानना है कि इससे किसी को कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए।

केशव प्रसाद मौर्य ने समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव पर कहा, अखिलेश यादव खुद भी जो कह रहे हैं, उसे लेकर भ्रमित लग रहे हैं। हमारी सेना के जवान ही भारत के सच्चे रक्षक हैं और ऐसी नई मांगें करना गलत है। उन्हें जाति-आधारित और परिवार-आधारित राजनीति को अपने समुदाय और परिवार तक ही सीमित रखना चाहिए।उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी, अखिलेश यादव और परिवार का राजनीतिक भविष्य अनिश्चित दिख रहा है, जिससे उनमें बेचैनी साफ दिख रही है।लोवी इंस्टीट्यूट के वर्ल्ड पावर इंडेक्स में भारत की तेजी से हो रही तरक्की के लिए बधाई देते हुए, उप मुख्यमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत एक सुपरपावर बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। हर कोई अपने-अपने तरीके से विकसित भारत में योगदान दे रहा है। देश तरक्की करेगा और ग्लोबल स्टेज पर लीडिंग रोल निभाएगा। नेपाल के नए मैप के साथ 100 रुपए के नोट जारी करने पर केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, यह मामला विदेश मंत्रालय देखेगा। इस पर मेरे लिए कुछ भी कहना ठीक नहीं है। ऐसे हालात में भारत सरकार का विदेश मंत्रालय इस मामले को देखता है।

मुजफ्फरनगर के बच्चों की पूरी जिम्मेदारी मेरी : कपिल देव

लखनऊ, 28 नवंबर (एजेंसियां)। ।19वीं नेशनल जम्बूरी में भाग लेने के लिए गृह जनपद मुजफ्फरनगर से पहुंचे स्काउट्स एवं गाइड्स दल ने शुक्रवार को लखनऊ स्थित आवास पर मंत्री कपिल देव अग्रवाल से भेंट की, जहां मंत्री ने स्वयं बच्चों का उत्साहवर्धन कर उनके मनोबल को नई ऊर्जा दी।

मुजफ्फरनगर से आए स्काउट्स-गाइड्स और स्टाफ के रुकने-ठहरने, भोजन एवं संपूर्ण सुरक्षा की व्यक्तिगत जिम्मेदारी स्वयं प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल ने ली है। पूरा दल 22 नवंबर से 30 नवंबर तक मंत्री आवास पर रुका है, जिसकी व्यवस्था मंत्री ने की है। कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि ये बच्चे मुजफ्फरनगर के हैं, इनकी जिम्मेदारी भी मेरी है। इनकी सुरक्षा, सुविधा और व्यवस्था मेरा कर्तव्य है।

उन्होंने स्काउट्स-गाइड्स की प्रशंसा करते हुए कहा कि स्काउट्स-गाइड्स देश के सबसेअनुशासित, संस्कारित और सेवा-भाव से प्रेरित युवा होते हैं। योगी सरकार इन्हें राष्ट्र निर्माण के महत्वपूर्ण स्तंभ मानती है, क्योंकि यही युवा भारत का भविष्य और उत्तर प्रदेश की नई ऊर्जा है। नेशनल जम्बूरी में 4 देशों के 34,500 स्काउट्स एवं गाइड्स प्रतिभाग कर रहे हैं।

सरकार द्वारा युवा कौशल, नेतृत्व विकास और चरित्र निर्माण को गति देने के लिए किए जा रहे प्रयासों के बीच मुजफ्फरनगर का दल अनुशासन, ऊर्जा और सहभागिता के उच्च मानकों के साथ विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा ले रहा है।

नेशनल जम्बूरी के आज के समापन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि हैं। इस अवसर को लेकर सभी प्रतिभागियों में विशेष उत्साह और गर्व की भावना है।

कफ सिरप के अवैध कारोबार पर यूपी के चार जिलों में 19 दवा फर्मों पर एफआईआर, लाइसेंस रद्द करने के निर्देश

लखनऊ, 28 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी में कोडीन युक्त कफ सिरप और नारकोटिक्स (एनआरएक्स) श्रेणी की दवाओं के अवैध व्यापार के खिलाफ कार्रवाई तेज हो गई है। गंभीर अनियमितताओं के चलते खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) ने वाराणसी, सुल्तानपुर, भदोही और प्रयागराज की 19 दवा फर्मों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कराई है। जांच में पाया गया कि इन संस्थानों के संचालकों के पास कोडीन युक्त कफ सिरप और अन्य नारकोटिक दवाओं की खरीद-बिक्री से संबंधित जरूरी दस्तावेज नहीं थे। रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि ये फर्में ऐसी दवाओं की बिक्री नशे के उपयोग के लिए कर रही थीं, जो कानून का स्पष्ट उल्लंघन है। वाराणसी में राधिका इंटरप्राइजेज के प्रशांत उपाध्याय, मेड रेमेडी के आकाश पाठक, श्री हरि फार्मा के अमित जायसवाल, विश्वनाथ मेडिकल एजेंसी के विशाल सोनकर, सौम्या मेडिकल के सचिन पांडे, श्री राम फार्मा के घनश्याम, खाटू फार्मा के अभिनव यादव, काल भैरव ट्रेडर्स के बादल आर्य, विंध्यवासिनी ट्रेडर्स के सचिन यादव, श्याम फार्मा के राहुल कुमार जायसवाल, वीएसएम फर्म के हिमांशु चतुर्वेदी और पूर्णा फार्मा के पूजा तिवारी पर एफआईआर दर्ज हुई है।सुल्तानपुर में वैभव फार्मा के वैभव श्रीवास्तव, वैश्य मेडिकल स्टोर के राजेश कसौधन, अमर फार्मा के पुष्पेंद्र कुमार सिंह और अनीश मेडिकल एजेंसी के अनीज खान पर मामला दर्ज हुआ है।

भदोही में श्री गुरुदेव मेडिकल एजेंसी, ओपी फार्मा के ओमप्रकाश कसेरा और प्रयागराज में आशुतोष फार्मा के आशुतोष पटेल की शिकायत की गई है।एफएसडीए आयुक्त रौशन जैकब ने इन सभी दवा फर्मों के लाइसेंस रद्द करने के निर्देश जारी किए हैं।कोडीन युक्त सिरप और नारकोटिक दवाओं की अवैध बिक्री पर एफएसडीए द्वारा की गई अब तक की कार्रवाई में वाराणसी में 28, जौनपुर में 12, कानपुर नगर में 8, लखनऊ में 3 एफआईआर के अलावा चंदौली, बहराइच, सुल्तानपुर, गाजीपुर में 36 एफआईआर दर्ज हैं। इस तरह अब तक कुल 87 एफआईआर इस अवैध कारोबार के खिलाफ दर्ज कराई जा चुकी हैं।

एसआईआर को लेकर सपा सांसद अवधेश प्रसाद का भाजपा पर हमला

लखनऊ, 28 नवंबर (एजेंसियां)।उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के बीच बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) की मौतों के बाद राजनीतिक घमासान मचा है। इसी कड़ी में समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि बीएलओ पर ज्यादा दबाव डाला जा रहा है। काम के दबाव से बीएलओ की मौतें हो रही हैं। अयोध्या से सांसद अवधेश प्रसाद ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, भाजपा के लोग देश और प्रदेश से दलितों, कमजोरों, पिछड़ों और समाजवादी मतदाताओं का वोट काटकर उनका अधिकार छीनना चाह रहे हैं। बीएलओ पर ज्यादा दबाव डाला जा रहा है। काम के दबाव से बीएलओ की मौतें हो रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि एसआईआर प्रक्रिया में कई तरह की गड़बड़ी हो रही है। जान-बूझकर विशेष जाति-वर्ग के लोगों को प्रक्रिया में लगाया गया है, जिससे सपा मतदाताओं के वोट काटे जा सकें।बीएलओ की मौतों पर समाजवादी पार्टी की विधायक रागिनी सोनकर ने कहा, मैं खुद बूथ-बूथ जा रही हूं और लोगों से मिल रही हूं। सरकार जिस तरह से जमीन पर एसआईआर लागू कर रही है, वह बहुत ही अव्यवहारिक है, जिससे बीए-लओ को काफी मानसिक तनाव हो रहा है।उन्होंने कहा कि तय किए गए टारगेट अवास्तविक हैं।

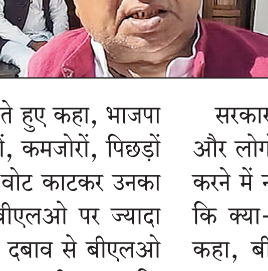

सरकार ने बुनियादी नियमों का पालन नहीं किया और लोगों को एसआईआर फॉर्म के बारे में जागरूक करने में नाकाम रही। लोगों को यह नहीं बताया गया कि क्या-क्या कागजात देने हैं। रागिनी सोनकर ने कहा, बीएलओ घर-घर जा रहे हैं, लेकिन लोग आधार कार्ड देने से मना कर रहे हैं। इन लोगों के अंदर डर बना हुआ है।

क्या आप भी हैं कॉफी के एडिक्ट, तो ऐसे छुड़ाएं ये आदत!

बहुत से लोगों को कॉफी यानि कैफीन का नशा होता है. कुछ लोग चाहकर भी कैफीन की लत को छोड़ नहीं पाते. आज हम आपको बता रहे हैं कैसे आप आसानी से कुछ टिप्स अपनाकर कैफीन की लत से छुटकारा पा सकते हैं.

डीप ब्रीथ प्रैक्टिस- कैफीन विड्रायल सिम्टम से फाइट करने के लिए डीप ब्रीथ प्रैक्टिस करें. लंबी-लंबी गहरी सांसे लेने से कैफीन की स्ट्रांग क्रेविंग, एंजाइटी और बेचैनी को भी खत्म किया जा सकता है.

खूब पानी पीएं- कैफीन के एडिक्शन से बचने का बेहतर तरीका है कि पानी खूब पीएं. इससे आपकी क्रेविंग भी कम होगी. रोजाना पानी की अधिक मात्रा पीने से बॉडी डिटॉक्सीफाई होगी और आपकी बॉडी को ये हाइड्रेट रखेगा.

बेहतर नींद लें- अच्छी नींद से भी कैफीन की लत छुड़ाने में मदद मिलती है. लेकिन कम नींद लेने से आपकी कैफीन छुड़ाने की लत पर बुरा असर पड़ता है. हेल्दी स्लिप हैबिट अपनाएंगे तो धीरे-धीरे कैफीन की क्रेविंग कम होने लगेगी.

ग्रीन टी- कॉफी के बदले ग्रीन टी लेने की कोशिश करें. इसे पावरफुल एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं तो कि बॉडी से हार्मफुल टॉक्सिंस को बाहर निकालते हैं. ग्रीन टी पीने से ओवरऑल कैफीन इंटेक कम हो जाता है. काफी के बजाय दिनभर में 3 से 4 कप ग्रीन टी पीएं.

कुछ अन्य टिप्स-

रोजाना सुबह एक्सरसाइज करें.हेल्दी जूस का सेवन करें.प्रोटीन और मैग्नीशियम से भरपूर सप्लीमेंट्स या फूड का सेवन करें.जिनसेन हर्ब का इस्तेमाल करें ये कैफीन की लत को छुड़ाने में मदद करेगा.

मेकअप उतारने के कुछ आसान नेचुरल नुस्खे

ऑफिस, पार्टी, फंक्शन से आने के बाद जितना ज़रूरी कपडे बदलना होता है उतना ही ज़रूरी मेकअप उतारना होता है। इससे आपकी चेहरे की स्किन के रोम छिद्र भी खुल जाते है और पूरे दिन की धूल मिट्टी भी साफ हो जाती है। मेकअप उतारने के लिए आज बाजार में ढेरों प्रोडक्ट मौजूद है। लेकिन इन सब के ना होने के बाद भी आप अपना मेकअप उतार सकती है वो भी सुरक्षित तरीको से। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कुछ ऐसे ही सरल तरीके जिनकी मदद से आप अपना मेकअप तो उतार ही सकती है साथ ही इससे आपकी त्वचा में निखार और चमक भी बरकरार रहेगी ।

दही

दही के फ़ायदे तो हम पहले से ही जानते हैं दही खाने और चेहरे पर लगाने से त्वचा में चमक आती है लेकिन क्या आप जानती हैं कि इसे मेकअप उतारने के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है। जी हां, दही एक मेकअप रिमूवर भी है 7 इसके लिए सबसे पहले दही को अच्छी तरह से फेंट लें 7 फिर इसमें कॉटन बॉल डुबोकर चेहरे पर लगाएं और हल्के हाथों से रगड़ने के बाद जब मेकअप पूरी तरह निकल जाए तो चेहरा पानी से धो लें।

बेबी शैम्पू

बेबी शैम्पू से भी मेकअप रिमूव कर सकते है। एक कप पानी में आठ टी-स्पून ऑलिव ऑयल या कोकोनट ऑयल और आधा टीस्पून बेबी शैम्पू मिलाकर एक बोतल में भरकर आप इसे फ्रीज़ कर सकती है और जरुरत के वक्त इसे मेकअप रिमूव के प्रयोग में ला सकती है।

कच्चा दूध और बादाम तेल

एक टेबलस्पून कच्चे दूध में बादाम के तेल की कुछ बूंदें मिलाकर चेहरे पर लगाएं और हल्के हाथों से मेकअप छुड़ाएं। यह आपकी त्वचा के लिए अच्छा होता है। इससे आपकी त्वचा मुलायम होती है।

जोजोबा एंड विटामिन ई ऑयल:

विटामिन ई त्वचा को मुलायम बनाता है। यह एंटीऑक्सीडेंट के गुणों से भरपूर होता है। जोजोबा ऑयल और एक विटामिन ई कैप्सलू को मिलाकर कांच की बोतल में रख दें । इससे वाटर प्रूफ मस्कारा लिक्विड आई लाइनर भी बिना ज्यादा मेहनत के रिमूव कर सकती है।

नारियल तेल

आपने कोकोनट ऑयल का प्रयोग मॉइश्चराइज़र, लिप बाम की तरह किया होगा। इसके साथ आप मेकअप रिमूवर के तौर पर इसे इस्तेमाल कर सकती है । थोड़ा-सा नारियल तेल हथेली पर लेकर इसे चेहरे पर लगाएं और हल्के हाथों से मालिश करे। ये स्किन को सॉफ्ट बनाता है और दाग-धब्बों को दूर करता है।

आंखों को इस तरह से लाभ पहुंचाता है ये सेब!

सेब के तो आपने बहुत फायदे सुने होंगे लेकिन क्या आप जानते हैं ये आंखों के लिए भी बहुत फायदेमंद है. आज आचार्य बालकृष्ण जी बता रहे हैं सेब के जरिए कैसे आंखों की समस्याओं को दूर रखा जा सकता है.

आंखों की परेशानी में सेब- जब आंखों में सूजन हो, लाली हो या फिर कोई इंफेक्शन हो तो कच्चे सेब को आग में भूनकर इसकी पोटली से आंख की सिंकाई करें. इससे एलर्जी और आंख की बाकी समस्याओं से निजात मिलेगी.

सेब की चाय- सेब की चाय बनाने के लिए कच्चे सेब के टुकड़े सुखा लें. सूखने के बाद इसमें तुलसी का पत्ता, पुदीना, काली मिर्च और लौंग मिलाकर उबाल लें. ये चाय का बेहतर विकल्प है. सेब की चाय सर्दी और खांसी में आराम देती है.

बिच्छू डंक में सेब- सेब की पत्तियां बिच्छू डंक में बहुत ही अच्छा काम करती हैं. सेब की 10 ग्राम पत्तियों को 400 ग्राम पानी में मसलकर डालें. बचा हुए पानी जब 100 ग्राम रह जाए तो उसमें सेंधा नमक डालकर इसका सेवन करें.

सेब के पत्ते के पानी में सेंधा नमक घोलकर 4 से 5 बूंदें बिच्छू के डंक के घाव को भरने के लिए बिच्छू जिस हिस्से में काटा है उसकी दूसरी तरफ कान में डाल दीजिए. आराम मिलेगा.

सर्दियों में हरी मटर खाने के है ये बेमिसाल फायदे, जानिए

यूं तो सभी सब्जियों के अपने अलग-अलग फायदे हैं तथा सभी सेहत के लिए लाभदायक होती हैं। लेकिन कुछ सब्जियां ऐसी होती है जो कि मौसम के अनुसार खाने से ही फायदा करती है। सर्दियों का मौसम शुरू हो गया है और इस मौसम में हरी सब्जियां ज्यादा मिलती है।

मटर सर्दियों की सबसे अहम सब्जियों में से एक होती है। बहुत कम ही लोग होते है जो मटर के गुणों के बारे में जानते हैं। खाने खाने से आप कई तरह की गंभीर बीमारियों से भी बच सकते है। इसका रोजाना सेवन करने से कैंसर, मोटापा से बचाव होता है। जानिए इसको सेवन करने के फायदो के बारें में।

कैंसर से करें बाचव

मटर के सेवन से कैंसर का खतरा कम होता है। हर रोज इसे खाने से शरीर से कैंसर के घातक एलीमेंट दूर हो जाते है।

मोटापा से दिलाए निजात

यह फाइबर से भरपूर होती है। यह हमारी बॉडी को एनर्जी देने के साथ-साथ मेटाबॉल्जिम को बढ़ाता है। जिससे कि बॉडी से फैट की मात्रा को भी कम करता है।

मधुमेह

मटर खाने से मधुमेह नहीं होता है। मटर शरीर में खून के स्तर को नियंत्रित करता है। जिससे की डायबिटीस की समस्या नहीं होती है।

कोलेस्ट्रॉल को करें कम

मटर हमारी बॉडी में कोलेस्ट्रॉल को बढ़ने नहीं देती है। मटर खाने से बॉडी में ट्राइग्लिसराइड्स का स्तर बढ़ता नहीं है। जिससे कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित रहता है।

उंगलियों की सूजन को करें कम

सर्दियों के दिनों जिन लोगों की उंगलियां सूज जाती है उनके लिए मटर काफी लाभदायक सिद्ध होता है। मटर के काढ़े के अंदर उंगलियां डुबोने से सूजन कम हो जाती है।

रखें जवां

मटर खाने से आपकी त्वचा लंबे समय के लिए जवान रहती है। इसमें फ्लैवानॉइड्स, फाइटोन्यूटिंस, कैरोटिन जैसे एंटी ऑक्सीडेंट होते हैं।

याददाश्त बढ़ाएं

मटर का सेवन करने से याददाश्त बढ़ती है और यह फेफड़ों संबंधी बीमारियों को भी दूर करती है।

हड्डियों को रखें मजबूत

मटर में विटामिन होता है जो की हड्डियों के लिए फायदेमंद होता है। यह ऑस्टियोपोरोसिस के मरीजों के लिए असरदार होती है।

चेहरे की झाइयों को करें कम

मटर सेहत के लिए तो लाभदायक है ही साथ ही साथ सौंदर्य के लिए भी असरदार साबित होती है। मटर के आटे का उबटन चेहरे पर लगाने से चेहरे की झाइयां कम होती है।

टॉन्सिल की दिक्कत से जुड़ी हुई हैं ये समस्याएं भी

टॉन्सिल होने पर गले के दोनों ओर सूजन आ जाती है। शुरुआत में मुंह के अंदर गले के दोनों ओर दर्द महसूस होता है और बार-बार बुखार भी आता है। टॉन्सिल्स सामान्य से ज्यादा लाल हो जाते हैं लेकिन क्या आप जानते हैं कि टॉन्सिल के कारण आपको कई अन्य तरह की स्वास्थ्य समस्याएं भी हो सकती हैं। कुछ ऐसी ही समस्याओं पर एक नजर-

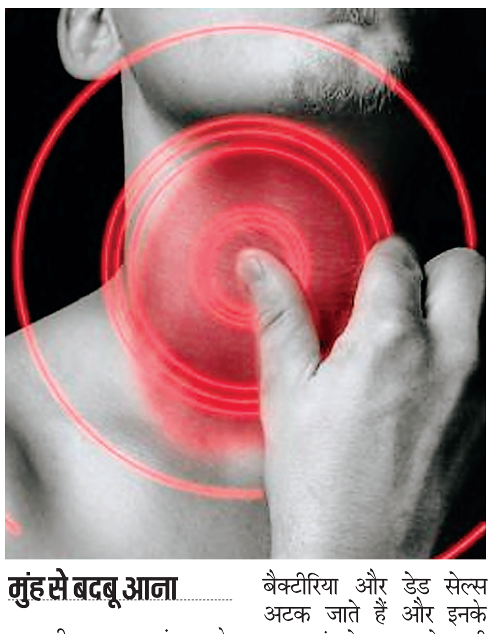

मुंह से बदबू आना

राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान के अनुसार, दुनिया की आधी आबादी मुंह की सफाई न करने के कारण मुंह की बदबू से ग्रस्त हैं। लेकिन टॉन्सिल की समस्या होने पर भी सांसों से बदबू आने लगती है। टॉन्सिल ग्लैंड दरारों से भरा होता है जहां बैक्टीरिया और डेड सेल्स अटक जाते हैं और इनके कारण मुंह से बदबू आने लगती है।

खर्राटों की समस्या

गले में बढ़े हुए टॉन्सिल के कारण आपको खर्राटों की समस्या हो सकती है। अमेरिकन अकादमी ऑफ ओटालर्यनॉलजी के अनुसार, बढ़े हुए टॉन्सिल से खर्राटों की समस्या हो सकती है। जब बार-बार होने वाले संक्रमण के कारण टॉन्सिल का आकार बढ़ने लगता है तो गले में हवा के बहाव में रुकावट आने लगती है। जिससे खर्राटे की समस्या होती है।

साइनस इन्फेक्शन

बढ़े हुए टॉन्सिल से बार-बार साइनस और कान में इन्फेक्शन की समस्या हो सकती है। ऐसा नाक और कान को जोड़ने वाली नली बंद हो जाने से होता है और कान के पर्दे के पीछे पानी जमा हो जाता है। कभी-कभी कान से पस बाहर आने लगता है। इससे सुनने की क्षमता कम होने लगती है।

सिरदर्द की समस्या

बढ़े हुए टॉन्सिल के कारण सोते समय सांस लेने में भी परेशानी होती है। नींद में इस तरह का खलल आने से ब्रेन तक सही मात्रा में ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाती और इसकी कमी से रक्त-वाहिनियों का आकार बढ़ जाता है और सिरदर्द होने लगता है।

प्लास्टिक के डिब्बों को साफ करने के लिए आजमाएं ये तरीके

आज के समय में ज्यादातर लोग स्टील और एल्युमिनियम के डिब्बों की जगह प्लास्टिक के डिब्बों का इस्तेमाल करना पसंद करते हैं। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि ये डिब्बे काफी हल्के होते हैं और इनके टूटने का डर भी नहीं होता। आजकल बाजार में ऐसे कंटेनर भी आ गए हैं जिन्हें माइक्रोवेव में भी रखा जा सकता है। इनमें खाना फ्रेश बना रहता है और साथ ही यह देखने में काफी आकर्षक भी होते हैं। हालांकि प्लास्टिक के कंटेनर का इस्तेमाल बहुत लंबे समय तक नहीं करना चाहिए साथ ही इनकी सफाई का भी पूरा ख्याल रखना चाहिए, वरना ये नुकसानदेह हो सकते हैं।

कई बार प्लास्टिक के डिब्बों को अच्छे से साफ न करने पर उनमें से बदबू आने लगती है और चिकनाहट बनी रह जाती है। ऐसे में यह जरूरी है कि आपको इन्हें साफ करने का सही तरीका पता हो-

1. बदबू दूर करने के लिए

अगर आपके प्लास्टिक के बॉक्स से बदबू आ रही है तो यह घरेलू उपाय आपके लिए उपयोगी रहेगा। एक बाल्टी गर्म पानी ले लें और उसमें तीन चम्मच बेकिंग सोडा डाल दें। प्लास्टिक के इन बॉक्स को बाल्टी में डाल दें। कुछ देर बाद इन्हें निकालकर साफ करें। आप चाहें तो बाल्टी के इस पानी में नींबू का रस और सिरका भी मिला सकते हैं।

2. जिद्दी दाग

अगर आपके प्लास्टिक के डिब्बों पर जिद्दी दाग हैं तो उन्हें साफ करने के लिए क्लोरीन ब्लीच का इस्तेमाल करना सबसे अच्छा रहेगा। दाग लगे डिब्बों को ब्लीच के इस मिश्रण में डालें। कुछ देर बाद इन्हें निकालकर साबुन से धो लें। दाग दूर हो जाएंगे।

3. रख-रखाव

अगर आप नहीं चाहते कि प्लास्टिक के डिब्बों से बदबू आए तो एक बात का ख्याल हमेशा रखें कि इनमें लंबे समय तक खाना न रखें। साथ ही हर कंटेनर माइक्रोवेव फ्रेंडली हो, यह जरूरी नहीं। ऐसे में बिना जांचें इन्हें माइक्रोवेव में न रखें।

सर्दियों में त्वचा को यूं बनाएं खूबसूरत!

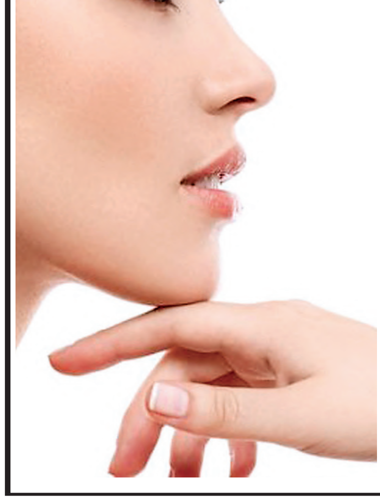

बदलते मौसम के साथ ही स्किन की खास देखभाल करना और भी जरूरी हो जाता है. स्किन में निखार लाने के लिए क्रीम और सीरम लगाने के अलावा कुछ ऐसे इंग्रेडीएंट्स भी हैं जो आपकी त्वचा को चमकदार और खूबसूरत बना सकते हैं. काया लिमिटेड की प्रमुख मेडिकल सर्विसेज एंड आर एंड डी संगीता वेलासकर ने अपनी खूबसूरती को लेकर विशेष रूप से सजग रहने वाली महिलाओं के लिए कुछ सुझाव दिए हैं.

कोलेजन हमारी कोशिकाओं से निकलने वाले प्रोटीन हैं जो त्वचा को एक साथ जकड़ कर रखने में मददगार होता है. कोलेजन त्वचा में कसाव लाकर जवां लुक देता है. जब हम युवा होते हैं तो हमारी त्वचा मोटी और कोमल होती है लेकिन उम्र बढ़ने के साथ कोलेजन बनना कम हो जाता है, जिसके चलते झुर्रियां पड़ने लगती है और जो कोलेजन मौजूद होते हैं वह भी सूर्य की हानिकारक किरणों के कारण नष्ट हो जाते हैं, इसलिए कोलेजन युक्त उत्पादों का इस्तेमाल करें. इससे आपकी त्वचा में कसाव और चमक आएगी और झुर्रियां और महीन रेखाएं खत्म हो जाएंगी.एसेटिल हेक्सेपेप्टाइड-8 एक प्रकार से न्यूरोपेप्टाइड होता है, जिसका इस्तेमाल मांसपेशियों को आराम देने के लिए किया जाता है.

यह झुर्रियां और महीन रेखाएं भी दूर करता है, इसलिए एसेटिल हेक्सेपेप्टाइड-8 युक्त सौंदर्य उत्पाद का इस्तेमाल करें.शरीर में कोलेजन बनना कम होने से झुर्रियां पड़ने लगती है, जबकि अत्यधिक कोलेजन से त्वचा ढीली होने लगती है.

ऐसे में हायलारोनिक युक्त उत्पाद का प्रयोग त्वचा में एसिड कोलोजन के स्तर को उचित मात्रा में बनाए रखता है और त्वचा में नमी बरकरार रखता है. इससे आपकी त्वचा जवां नजर आती है.ग्लाइकोलिक एसिड गन्ने के रस से निकलता है. यह अल्फा हायड्रॉक्सी समूह के सबसे छोटे अणुओं में से एक है. यह त्वचा में गहराई से समाकर प्रभावकारी असर दिखाता है, ग्लाइकोलिक एसिड युक्त उत्पाद के इस्तेमाल से काले धब्बे, मुंहासे, डलनेस, ऑयलीनेस दूर होता है और आपकी त्वचा पहले से ज्यादा जवां और निखरी नजर आती है.

इस छोटी सी ट्रिक से मिलेगा अनचाहे बालों से छुटकारा

यूं तो महिलाएं बॉडी के अनचाहे बालों से परेशान रहती ही हैं लेकिन सबसे ज्यादा उन्हें परेशानी होती है चेहरे पर आने वाले अनचाहे बालों से. लेकिन अब परेशान होने की जरूरत नहीं. आप आसानी से चेहरे के अनचाहे बालों को हमेशा के लिए अलविदा कह सकती हैं. लेकिन इसके लिए अपनानी होगी ये ट्रिक.

सबसे पहले आप 1 टेबल स्पून ओटमील पेस्ट लें. 2 टेबल स्पून शहद लें और 2 टेबल स्पून नींबू का रस लें.

इन सभी को मिलाकर पेस्ट बना लें. इस पेस्ट को चेहरे के उन हिस्सों पर लगाएं जहां आप अनचाहे बालों को हटाना चाहते हैं.

इस पेस्ट को चेहरे पर 15 मिनट तक लगा रहने दें.15 मिनट बाद हल्के गुनगुने पानी से चेहरा धो लें.उसके बाद चेहरे पर मॉश्चराइजर लगाएं.इस नुस्खे को सप्ताह में दो से तीन बार अपनाएं. एक महीने बाद आप खुद देखेंगे अनचाहे बाल आने बंद हो गए हैं.

संपादकीय

शहादत का स्मरण

भले ही श्रीलंकाई संकट के समाधान हेतु भारतीय शांति सेना को श्रीलंका भेजा जाना तत्कालीन सरकार का फैसला रहा हो, लेकिन वास्तव में भारतीय सैनिक राष्ट्र के हितों और सैन्य दायित्वों के लिये ही लड़े थे। इस फैसले का उद्देश्य श्रीलंकाई तमिलों के हितों की रक्षा और उनके न्यायसंगत पुनर्वास के लिये पहल करना भी रहा है। लेकिन यह भी एक हकीकत है कि भारतीय शांति सेना यानी आईपीकेएफ के पूर्व सैनिकों में इस बात को लेकर लंबे समय से रोष व्याप्त रहा है कि आईपीकेएफ सैनिकों के बलिदान को उचित सम्मान नहीं दिया गया। अब सरकार व सेना ने इस कमी को पूरा करने की दिशा में कम से कम एक पहल तो की है। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी द्वारा राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर परमवीर चक्र विजेता मेजर रामास्वामी परमेश्वरन को उनके बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित करना, इस दिशा में एक महत्वपूर्ण क्षण था। देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने भी इस बाबत श्रद्धांजलि संदेश प्रेषित किया है। भले ही शीर्ष अधिकारियों द्वारा की गई यह पहल एक प्रतीकात्मक सुधार हो, लेकिन यह सही दिशा में उठाया गया सार्थक कदम है। हालांकि देर से ही सही, ये प्रयास श्रीलंका में ऑपरेशन पवन के दौरान शहीद हुए 1,171 भारतीय सैनिकों को उचित सम्मान देने में रही एक कमी को दूर करने का प्रयास कहा जा सकता है। यहां यह उल्लेखनीय है कि इस युद्ध में करीब तीन हजार से ज्यादा सैनिक घायल भी हुए थे। इससे पूर्व कई वीर सैनिकों को वीरता पदक से सम्मानित भी किया जा चुका है। लेकिन एक टीस के साथ कहा जाता रहा है कि यह अकसर भुला दिया जाने वाला युद्ध रहा है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि कोलंबो में भारतीय शांति रक्षक सेना और पलाली में 10-पैरा के शहीदों के लिये स्मारक का निर्माण किया गया था। यह विडंबना ही है कि आईपीकेएफ के पूर्व सैनिक, शहीदों की विधवाएं और उनके परिजन राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर निजी स्तर पर स्मरणोत्सव आयोजित करते रहे हैं। निश्चित ही देश के हितों के लिये चलाये गए किसी भी सैन्य अभियान में शहीद हुए सैनिकों को सामान्य युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की तरह पूर्ण सम्मान मिलना चाहिए। दरअसल, ऑपरेशन पवन में शहीद हुए सैनिकों के परिजन और युद्ध में भाग लेने वाले जवान भी उन्हें पर्याप्त सम्मान दिए जाने की आस लंबे समय से रखते रहे हैं। वर्षों से उनकी मांग रही है कि साल 1971 में बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम और वर्ष 1999 में हुए करगिल युद्ध के शहीदों की याद में मनाये जाने वाले खास दिनों की तरह 'ऑपरेशन पवन' की याद में भी एक विशेष दिन की घोषणा की जानी चाहिए। वहीं दूसरी ओर शहीद सैनिकों के परिजनों की एक टीस उन्हें दशकों से सालती रही है। चूंकि ऑपरेशन पवन में शहीद हुए कई सैनिकों का अंतिम संस्कार या दफनाने की प्रक्रिया विदेशी धरती पर पूरी हुई थी, इसलिए उनके परिजन शहीद सैनिकों के अवशेषों को वापस भारत लाने की नीति को सुव्यवस्थित करने की मांग करते रहे हैं। वे एक ऐसे आयोग के गठन की भी मांग करते रहे हैं जो शहीद सैनिकों के पार्थिव अवशेष को वापस भारत लाने की नीति को तार्किक बना सके। उनकी मांग रही है कि उन अवशेषों को भारत लाकर आईपीकेएफ का एक स्मारक बनाकर, उसमें सम्मान के साथ स्थानांतरित किया जाना चाहिए। निस्संदेह, किसी भी देश के वीर शहीदों के स्मारक सामूहिक स्मृति के प्रतीक होते हैं। निश्चित रूप से राष्ट्रीय युद्ध स्मारक सशस्त्र बलों द्वारा दिए गए बलिदान के लिये एक सम्मान और स्मरण स्थल के रूप में चिरस्थायी श्रद्धांजलि के रूप में होते हैं। निर्विवाद रूप से इस बहुप्रतीक्षित मांग को हकीकत में बदलने के लिये चाहे कितनी भी जटिलताएं क्यों न हो, सैनिकों के पराक्रम और बलिदान को कम करके आंकने का कोई बहाना नहीं होना चाहिए। यदि हम वीर सैनिकों के बलिदान को समुचित सम्मान देते हैं तो इससे तमाम सैनिकों का मनोबल बढ़ेगा। इस दिशा में अविलंब सार्थक पहल किया जाना वक्त की जरूरत ही है।

भारतीय शांति सेना को श्रीलंका भेजा जाना तत्कालीन सरकार का फैसला रहा हो, लेकिन वास्तव में भारतीय सैनिक राष्ट्र के हितों और सैन्य दायित्वों के लिये ही लड़े थे। इस फैसले का उद्देश्य श्रीलंकाई तमिलों के हितों की रक्षा और उनके न्यायसंगत पुनर्वास के लिये पहल करना भी रहा है। लेकिन यह भी एक हकीकत है कि भारतीय शांति सेना यानी आईपीकेएफ के पूर्व सैनिकों में इस बात को लेकर लंबे समय से रोष व्याप्त रहा है कि आईपीकेएफ सैनिकों के बलिदान को उचित सम्मान नहीं दिया गया। अब सरकार व सेना ने इस कमी को पूरा करने की दिशा में कम से कम एक पहल तो की है। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी द्वारा राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर परमवीर चक्र विजेता मेजर रामास्वामी परमेश्वरन को उनके बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित करना, इस दिशा में एक महत्वपूर्ण क्षण था। देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने भी इस बाबत श्रद्धांजलि संदेश प्रेषित किया है। भले ही शीर्ष अधिकारियों द्वारा की गई यह पहल एक प्रतीकात्मक सुधार हो, लेकिन यह सही दिशा में उठाया गया सार्थक कदम है। हालांकि देर से ही सही, ये प्रयास श्रीलंका में ऑपरेशन पवन के दौरान शहीद हुए 1,171 भारतीय सैनिकों को उचित सम्मान देने में रही एक कमी को दूर करने का प्रयास कहा जा सकता है।

व्यक्ति की स्वतंत्रता एक दिशा में जाती है, जबकि परंपराएँ दूसरी दिशा में खींचती हैं

जब कानून और समाज आमने-सामने खड़े हों

डॉ. प्रियंका सौरभ

संविधान व्यक्ति को स्वतंत्रता देता है, अपनी पसंद का जीवनसाथी चुनने का अधिकार देता है, लेकिन सामाजिक परम्पराएँ यह स्वीकार नहीं कर पातीं कि कोई लड़की या लड़का परिवार की इच्छा और बिरादरी की मान्यताओं से अलग कोई जीवननिर्णय ले। यह संघर्ष नया नहीं है, लेकिन आज की जमीनी हकीकत में इसका तनाव कहीं अधिक विकराल रूप ले चुका है। हाल ही की एक त्रासदी में यही टकराव खुलकर सामने आया, जब एक युवती ने अपने ही गाँव के युवक से विवाह कर लिया—ऐसा विवाह जो पूरी तरह कानूनी था, लेकिन समाज की दृष्टि में सर्वथा अस्वीकार्य। सामाजिक विरोध, पंचायत की मनाही, परिवार की पीड़ा और प्रतिष्ठा के दबाव के बीच लड़की शहर चली गई थी, पर कुछ समय बाद वापस अपनी ही पैतृक गाँव में बहू बनकर लौट आई। यही वापसी समाज को चुनौती की तरह दिखाई दी और परिवार पर अत्यन्त तीव्र मनोवैज्ञानिक दबाव पड़ा।

भारत जैसे विशाल और विविध सामाजिक ढाँचे वाले राष्ट्र में व्यक्ति के अधिकार और समाज की सामूहिक मर्यादाएँ एक-दूसरे से लगातार टकराती रहती हैं। संविधान व्यक्ति को स्वतंत्रता देता है, अपनी पसंद का जीवनसाथी चुनने का अधिकार देता है, लेकिन सामाजिक परम्पराएँ यह स्वीकार नहीं कर पातीं कि कोई लड़की या लड़का परिवार की इच्छा और बिरादरी की मान्यताओं से अलग कोई जीवननिर्णय ले। यह संघर्ष नया नहीं है, लेकिन आज की जमीनी हकीकत में इसका तनाव कहीं अधिक विकराल रूप ले चुका है। हाल ही की एक त्रासदी में यही टकराव खुलकर सामने आया, जब एक युवती ने अपने ही गाँव के युवक से विवाह कर लिया—ऐसा विवाह जो पूरी तरह कानूनी था, लेकिन समाज की दृष्टि में सर्वथा अस्वीकार्य। सामाजिक विरोध, पंचायत की मनाही, परिवार की पीड़ा और प्रतिष्ठा के दबाव के बीच लड़की शहर चली गई थी, पर कुछ समय बाद वापस अपने ही पैतृक गाँव में बहू बनकर लौट आई। यही वापसी समाज को चुनौती की तरह दिखाई दी और परिवार पर अत्यन्त तीव्र मनोवैज्ञानिक दबाव पड़ा। वही दबाव परिस्थितियों को उस कगार तक ले गया जहाँ भाई ने अपनी ही बहन की हत्या कर दी। इस एक क्षण ने न केवल एक जीवन छीना, बल्कि पूरे परिवार को बर्बाद कर दिया। यह घटना सिर्फ मानवता पर एक चोट नहीं है, यह एक ऐसा दर्पण भी है जिसमें हम अपने समय की सबसे बड़ी विडंबना को साफ देख सकते हैं—कानून कुछ कहता है, समाज कुछ और। व्यक्ति की स्वतंत्रता एक दिशा में जाती है, जबकि परंपराएँ दूसरी दिशा में खींचती हैं। इन दोनों के बीच जो परिवार खड़ा होता है, वह अक्सर दोनों ओर से घायल होता है। कानून वयस्कता की उम्र तय कर देता है, पर वह ग्रामीण समाज की संवेदनात्मक संरचना, परिवार की प्रतिष्ठा, और सामुदायिक दबाव को नहीं समझता। वहीं समाज स्वतंत्रता के अधिकार को "अवज्ञा" या "विद्रोह" की तरह देखता है और परिवार पर ऐसी जिम्मेदारियाँ डाल देता है जिन्हें निभाना असंभव है। परिवार ही इस संघर्ष का सबसे बड़ा पीड़ित बनता है।

बेटी का गांव छोड़कर जाना, रिश्तेदारों की टिप्पणियाँ, पंचायत का दबाव, सामाजिक प्रतिष्ठा का संकट—ये सभी घटनाएँ एक घर को भीतर से हिलाकर रख देती हैं। कानून परिवार से लड़की को स्वीकार करने का संदेश देता है, जबकि समाज उसे अस्वीकार करने का दबाव डालता है। ये दोनों ताकतें परिवार को दो हिस्सों में चीर देती हैं—एक हिस्सा जिसे मन ने स्वीकार कर लिया है, और दूसरा हिस्सा जिसे समाज स्वीकार नहीं करने देता। ऐसे में विवेक धुंधला पड़ जाता है और भावनाएँ निर्णयों पर हावी होने लगती हैं। इस घटना का सबसे भयावह पहलू यह था कि सोशल मीडिया पर 95 प्रतिशत टिप्पणियाँ इस हत्या को "सही" ठहरा रही थीं। यह केवल कुछ व्यक्तियों की राय नहीं, बल्कि समाज में पनप रही एक खतरनाक सामूहिक सोच का संकेत है। जब कोई समाज अपनी भावनाओं और परंपराओं के दबाव में हत्या जैसे अपराध को भी न्याय मानने लगे, तो यह किसी भी सभ्य व्यवस्था के लिए अत्यन्त गंभीर स्थिति है। कानून की शक्ति तभी तक है जब तक समाज उसे नैतिक समर्थन देता है। जब समाज हिंसा को नैतिक ठहराने लगे, कानून कमजोर नहीं, बल्कि अप्रासंगिक हो जाता है। और यही स्थिति किसी राष्ट्र के लिए सबसे बड़ी चेतावनी है। विवाह की स्वतंत्रता का प्रश्न भी इस घटना में नए दृष्टिकोण से उभरता है। भारतीय कानून मानता है कि 18 और 21 वर्ष की उम्र में व्यक्ति परिपक्व और स्वतंत्र निर्णय लेने योग्य होता है। पर क्या वास्तव में यह उम्र जीवन का सबसे महत्वपूर्ण निर्णय बिना परिवार के अनुभव, बिना सामाजिक समझ, बिना भविष्य की जिम्मेदारियों को समझे लेने के लिए पर्याप्त है? भारतीय परिवार व्यवस्था में विवाह केवल दो व्यक्तियों का मामला नहीं होता, यह दो परिवारों, रिश्तों और समाजों का मामला होता है। ऐसे में कम आयु में किया गया आवेगपूर्ण निर्णय केवल व्यक्ति नहीं, पूरे परिवार को प्रभावित करता है। यही कारण है कि कई लोग तर्क देते हैं कि विवाह के लिए माता-पिता की सहमति आवश्यक होनी चाहिए—कम से कम 30 वर्ष की आयु तक। यह विचार सामाजिक अनुभवों से उत्पन्न है, पर संवैधानिक दृष्टि से कठिन है। यदि माता-पिता की सहमति अनिवार्य कर दी जाए, तो यह युवाओं पर अत्यधिक दबाव और कई मामलों में दमन को भी जन्म दे सकता है। फिर भी यह भी सच है कि परिवार से विमुख होकर किए गए विवाहों के परिणामों का सबसे बड़ा बोझ परिवारों को ही उठाना पड़ता है। यह द्वंद्व इतना गहरा है कि कोई भी पक्ष न पूरी तरह सही ठहराया जा सकता है, न पूरी तरह गलत। समाज अक्सर कहता है कि लड़की ने "परिवार की कई हत्याएँ कर दीं"—यह भाषा कानूनी नहीं, बल्कि भावनात्मक है। कानून भावनात्मक मृत्यु को अपराध नहीं मान सकता। पर परिवार इसे वास्तविक समझता है क्योंकि वे इसे प्रत्यक्ष जीते हैं। यही वह खाई है जिसे पाटना सबसे कठिन है। कानून कहता है निर्णय व्यक्तिगत है; समाज कहता है निर्णय सामूहिक है। और इन्हीं दो कथनों के बीच वह परिवार टूट जाता है जिसके इर्द-गिर्द इस तरह की घटनाएँ जन्म लेती हैं। इस मामले में सबसे अधिक नुकसान उसी परिवार का हुआ जिसने न अपराध चुना, न विद्रोह। लड़की की जान चली गई, भाई का जीवन जेल में समाप्त, माता-पिता ने एक बेटी और एक बेटे दोनों को खो दिया, घर की आर्थिक-सामाजिक नींव हिल गई, बच्चों का भविष्य अनिश्चित हो गया। जबकि समाज के लिए यह महज चर्चा का विषय रह गया, और सरकार के लिए सिर्फ एक केस फाइल। प्रश्न यह है कि सरकार क्या कर सकती है? भागकर विवाह पर रोक समाधान नहीं है, पर इस प्रक्रिया में सुधारों की आवश्यकता है। विवादित विवाह से पहले अनिवार्य परामर्श, परिवार–युवा मध्यस्थता, पंचायतों के अधिकारों पर स्पष्ट सीमा, और स्कूल-कॉलेजों में सामाजिक जिम्मेदारी की शिक्षा—ये सभी कदम जरूरी हैं। न्यायिक और प्रशासनिक संस्थाओं को भी परिवार की सामाजिक पीड़ा को समझने की आवश्यकता है। फिर भी सरकार और कानून दोनों अकेले समस्या हल नहीं कर सकते। जब तक समाज संवाद को हिंसा से ऊपर नहीं रखेगा, जब तक परिवार गुस्से से ऊपर संवाद को नहीं चुनेगा, और जब तक युवा आवेग को निर्णय का आधार बनाना बंद नहीं करेंगे—तब तक ऐसी त्रासदियाँ रुकने वाली नहीं हैं। आज़ादी का अर्थ स्वेच्छाचार नहीं, और परंपरा का अर्थ दमन नहीं। दोनों के बीच संतुलन ही सभ्यता का आधार है। अंततः यही समझना होगा कि कानून और समाज की लड़ाई में जीत किसी की नहीं होती—हार हमेशा एक इंसान और एक परिवार की ही होती है।

देश दुनिया से

पामि बंगाल में एसआईआर, सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस सिहरने लगी

बंगाल में एसआईआर, सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस सिहरने लगी बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद विधानसभा चुनाव हुए और नतीजे चौंकाने वाले रहे। सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की जीत अप्रत्याशित रही और सुशासन बाबू नीतीश वुमार ने फिर मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। विपक्षी महागठबंधन पराजित ही नहीं हुआ बल्कि बुरी तरह से निचले पायदान पर फिसल गया। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस के खेवनहार राहुल गांधी अपनी पाटा को शर्मनाक हार से बचा नहीं पाए। उन्होंने वोट चोरी के आरोप लगाये, बिहार का भ्रमण किया, रैलियां की, लालू प्रसाद यादव के वारिस तेजस्वी यादव को महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया लेकिन उनकी सारी रणनीति धरी की धरी रह गईं। महागठबंधन के अत्यंत कमजोर प्रदर्शन ने देश के अन्य विपक्षी दलों को निराशा के गर्त में धकेल दिया है। पामि बंगाल मुख्यमंत्री ममता बनजा और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन का अपने राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर विश्वास डगमगाने लगा है। वे चुनाव आयोग की एसआईआर प्रायिा को लेकर शंका व्यत्त करने लगे हैं लेकिन अभी तक इस संवैधानिक प्रायिा के खिलाफ कोईं ठोस प्रमाण नहीं दे पाए हैं। चुनाव आयोग द्वारा एसआईआर शुरू करने पर तकनीकी मुद्दों को लेकर सवाल खड़े करते हुए पामि बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनजा ने मुख्य चुनाव आयुत्त (सीईंसी) ज्ञानेश वुमार को एक और पत्र लिखकर पूछा है कि क्या इस तरह के उपाय ठनिहित स्वार्थो की परूति के लिए किसी राजनीतिक दल के इशारे परठ किए गए हैं। ममता के पत्र में दो महत्वपूर्ण बिदुओं पर आपत्तियां उठाईं गईं हैं - मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईंओ) कार्यालय द्वारा एक वर्ष की अवधि के लिए डेटा एंट्री ऑपरेटरों और सॉफ्टवेयर डेवलपर्स को काम पर रखने के लिए प्रस्ताव के लिए अनुरोध (आरएफपी) और निजी आवास परिसरों के अंदर मतदान वेंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव। मुख्यमंत्री का तर्व है कि जब जिला कार्यालयों में पहले से ही ऐसे कार्यो को करने वाले पर्याप्त संख्या में सक्षम पेशेवर मौजूद हैं तो सीईंओ को एक पूरे वर्ष के लिए उसी कार्यं को किसी बाहरी एजेंसी के माध्यम से आउटसोर्स करने की क्या आवश्यकता है। लेकिन वुछ दिन पहले पामि बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा था कि चुनाव आयोग का निर्देश स्पष्ट है कि चल रहे एसआईआर के लिए डेटा प्रविष्टि कार्यो में संविदा कर्मचारियों को शामिल नहीं किया जा सकता है। ममता द्वारा मुख्य चुनाव आयुत्त को लिखा गया यह दूसरा पत्र है। 20 नवंबर को लिखे अपने पहले पत्र में उन्होंने ज्ञानेश

विपक्षी महागठबंधन पराजित ही नहीं हुआ बल्कि बुरी तरह से निचले पायदान पर फिसल गया। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस के खेवनहार राहुल गांधी अपनी पाटा को शर्मनाक हार से बचा नहीं पाए। उन्होंने वोट चोरी के आरोप लगाये, बिहार का भ्रमण किया, रैलियां की, लालू प्रसाद यादव के वारिस तेजस्वी यादव को महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया लेकिन उनकी सारी रणनीति धरी की धरी रह गईं। महागठबंधन के अत्यंत कमजोर प्रदर्शन ने देश के अन्य विपक्षी दलों को निराशा के गर्त में धकेल दिया है।

वुमार से एसआईआर को रोकने का आग्रह किया था और कहा था कि इस प्रायिा के प्रबंधन की मानवीय लागत असहनीय हो गईं है। दूसरी ओर तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनजा ने कहा है कि उनकी पाटा के कार्यंकर्ताओं को चुनाव आयोग को शत प्रतिशत गणना फार्म जमा करने का लक्ष्य रखना चाहिए। चुनाव आयोग ने पामि बंगाल में चल रहे एसआईआर के दौरान मतदाताओं को ये फार्म वितरित किए हैं। सीईंओ कार्यालय के अनुसार राज्य भर में लगभग 99 प्रतिशत गणना फार्म वितरित किए जा चुके हैं। लगभग 25,000 पाटा नेताओं के साथ एक वर्चुअल बैठक में तृणमूल नेता ने कहा कि पाटा को पड़ोसी राज्य (बिहार) में विपक्षी दलों द्वारा की गईं गलतियों को नहीं दोहराना चाहिए और चुनावी फार्म जमा करने पर उनका ध्यान वेंद्रित होना चाहिए। अब फिर ममता बनजा ने एक रैली में कहा है '' मैं बीरभूम से हूँ, लेकिन एक दिन वे मुझे बांग्लादेशी कहेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 2024 में इसी सूची के आधार पर वोट मिले थे। अगर आपका नाम हटा दिया जाता है तो वेंद्र सरकार का नाम भी हटा दिया जाना चाहिए। एस आईं आर इतनी जल्दी क्यों कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ठजब तक मैं यहां हूं, मैं उन्हें आपको (बंग्लादेशियों) बाहर नहीं निकालने दूंगी। कोईं भी आपको बाहर नहीं निकाल सकता। अगर बांग्लादेशी समस्या है तो आप मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में एसआईंआर क्यों चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें सत्तारूढ़ पाटा से कोईं डर नहीं है, भारतीय जनता पाटा मुझे राजनीतिक रूप से लड़कर हरा नहीं सकती है। ममता के पत्र और भाषण से स्पष्ट है कि वह पामि बंगाल की मौजूदा मतदाता सूची की वास्तविकता को लेकर डर गईं हैं। अबतक वहां उसकी आड़ में बंगलादेश के अवैध घुसपैठियों को वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया गया और वाम दलों के बाद तृणमूल कांग्रेस ने भी जैसे उनका फायदा उठाया है वह अब आगे नहीं चलने वाला है। राजनीतिक नपे नुकसान की खातिर राष्ट्रहित की तिलांजलि देने की तृणमूल कांग्रेस की कोशिश जारी है और वह ज्यादा से ज्यादा अवैध बंग्लादेशियों को नयी मतदाता सूची में शामिल करने की भरसक कोशिश करेंगी। चुनाव आयोग के लिए एसआईंआर किसी महायज्ञ से कम नहीं है। बिहार में विपक्ष ने अघोषित तरीके से एसआईंआर वहिष्कार कर दिया था लेकिन बंगाल में फजा कागजों की आड में बंग्लादेशियों को मतदाता सूची में सम्मिलित करने का वुत्सित खेल खेला जाएगा। चुनाव आयोग के लिये दस्तावेजों की प्रामाणिकता की पुष्टि करना दुष्कर कार्यं हो सकता है क्योंकि पामि बंगाल में बंग्लादेशियों को अवैध रूप बसाने का खेल लंबे अरसे से खेला जा रहा है। इसमें कोईं शक नहीं कि इसकी शुरुआत वामदलों के लंबे शासनकाल में बड़े पैमाने पर हुईं और ममता बनजा के शासनकाल में यह खुलेआम फला-पूला। हाल में बड़ी संख्या में अवैध बंग्लादेशियों के वापस लौटने के मामले प्रकाश में आये हैं जिससे ममता बनजा की सरकार की कलईं खुलने लगी है और फिर अब वह जैसे उन्हें रोकने के लिए ताल ठोंक रहीं हैं वह बंग्लादेश के अवैध घुसपैठियों की गंभीर समस्या को उजागर करता है।

आप का नजरिया

दबाव से बीएलओ की मौतों पर सवाल

मौतों पर सवाल देश के 12 राज्यों और वेंद्र शासित प्रादेशों में जारी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईंआर) के बीच बूथ लेवल अफसरों (बीएलओ) की मौत चिता का कारण बन गईं है। मध्य प्रादेश में 24 घंटों में 2 बीएलओ की मौत हो गईं है। वहीं पिछले 4 दिनों में भोपाल के 50 से ज्यादा बीएलओ बीमार पड़े हैं। इनमें दो को हार्ट अटैक और एक को ब्रेन हैमरेज हुआ है। दूसरी ओर पामि बंगाल में एक महिला बीएलओ ने तो आत्महत्या ही कर ली। परिजनों ने ज्यादा काम के दबाव को मौत का कारण बताया। एसआईंआर 4 नवम्बर को शुरू हुआ। तब से अब तक यानि 19 दिनों में 6 राज्यों में 16 लोगों की मौत हो गईं है। गुजरात व मध्य प्रादेश में 4-4, पश्चिम बंगाल में 3, राजस्थान में 2, केरल व तमिलनाडु में 1-1 की जान गईं है। पामि बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनजा ने इन मौतों के लिए वेंद्र सरकार, चुनाव आयोग और भाजपा को जिम्मेदार ठहराया है। ममता बनजा ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर एसआईंआर को अव्यावहारिक बताते हुए इसे तुरन्त रोकने की मांग की है। कांग्रेस नेता व लोकसभा में नेता प्रातिपक्ष राहुल गांधी ने भी एक्स पर पोस्ट कर इस मुद्दे को उठाया है। उन्होंने लिखा : एसआईंआर के नाम पर देशभर में अफरा-तफरी मचा रखी है— नतीजा? तीन सालों में 16 बीएलओ की जान चली गईं। हार्ट अटैक, तनाव, आत्महत्या एसआईंआर में कोईं सुधार नहीं। थोपा गया जुल्म है। उन्होंने आरोप लगाया, ईंसीआईं ने ऐसा सिस्टम बनाया है जिसमें नागरिक को खुद को तलाशने के लिए 22 साल पुरानी मतदाता सूची के हजारों स्वैन पन्नों को पलटना पड़े, मकसद साफ है——सही मतदाता हारकर थक कर बैठ जाए और वोट चोरी बिना रोक-टोक जारी रहे। दूसरी ओर भाजपा ने इन मौतों के लिए तृणमूल कांग्रेस को ही जिम्मेदार ठहराया है। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले के मुख्यालय वृष्णा नगर में बीएलओ के तौर पर काम करने वाली रिवू नामक महिला शिक्षक ने शनिवार को आत्महत्या कर ली। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि शव के पास बरामद एक सुसाइड नोट में रिवू ने अपनी मौत के लिए चुनाव आयोग को जिम्मेदार ठहराया है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज वुमार अग्रावाल ने इस घटना का संज्ञान लेते हुए जिला चुनाव अधिकारी से रिपोर्ट मांगी है। पुलिस के मुताबिक रिवू ने अपने सुसाइड नोट में लिखा है कि उन्होंने 95 फीसदी ऑफलाइन काम पूरा कर लिया है, लेकिन ऑनलाइन के बारे में उनको कोईं जानकारी नहीं है। सुपरवाइजर को इस बारे में बताने से भी कोईं फायदा नहीं हुआ। इससे वुछ दिन पहले बर्धमान जिले के मेचारी में भी काम के कथित दबाव के कारण ब्रेन स्ट्रोक की वजह से नमिता हासंदा नाम का एक बीएलओ की मौत हो गईं थी। मुख्यमंत्री ममता बनजा ने इन घटनाओं पर दुख जताते हुए सवाल किया कि आखिर एसआईंआर और कितने लोगों की जान लेगी? दूसरी ओर भाजपा और सीपीएम ने इन घटनाओं पर कहा था कि इनके लिए तृणमूल कांग्रेस खुद जिम्मेदार है। सीपीएम नेता और पाटा के वेंद्रीय समिति के सदस्य सुजन च्व्रावता का सवाल है कि आखिर काम के दौरान बीएलओ को जान क्यों गंवानी पड़ रही है? उनका कहना था चुनाव आयोग अपनी जिम्मेदारी से इंकार नहीं कर सकता। साथ ही राज्य सरकार को भी बीएलओ की मदद करनी चाहिए थी। लेकिन सत्तारूढ़ पाटा और भाजपा इस प्रा्व्रिया का राजनीतिक फायदा उठाने में जुटी है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि राज्य में बीएलओ की मौतों और बीमारियों ने तृणमूल कांग्रेस को चुनाव आयोग और भाजपा के खिलाफ एक मजबूत हथियार दे दिया है। यही वजह है कि मुख्यमंत्री और पाटा प्रामुख ममता बनजा इस मुद्दे पर लगातार दबाव बढ़ा रही हैं। राजनीतिक हानि-लाभ को एक तरफ रखें और इस दुखद मुद्दे पर विचार करें तो चुनाव आयोग को इसका संज्ञान लेना चाहिए और इस दबाव के कारण आत्महत्या तक करने पर मजबूर होने की प्रा्व्रिया में सुधार लाना चाहिए या तो वह बीएलओ की संख्या बढ़ाएं या फिर लक्ष्य पूरा करने के लिए समय सीमा बढ़ाएं? चुनाव आयोग को अविलंब एक्शन लेना होगा नहीं तो इन निदरेषों की हत्या का दाग उस पर लगेगा।

गुजरात व मध्य प्रादेश में 4-4, पश्चिम बंगाल में 3, राजस्थान में 2, केरल व तमिलनाडु में 1-1 की जान गईं है। पामि बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनजा ने इन मौतों के लिए वेंद्र सरकार, चुनाव आयोग और भाजपा को जिम्मेदार ठहराया है। ममता बनजा ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर एसआईंआर को अव्यावहारिक बताते हुए इसे तुरन्त रोकने की मांग की है। कांग्रेस नेता व लोकसभा में नेता प्रातिपक्ष राहुल गांधी ने भी एक्स पर पोस्ट कर इस मुद्दे को उठाया है। उन्होंने लिखा : एसआईंआर के नाम पर देशभर में अफरा-तफरी मचा रखी है— नतीजा? तीन सालों में 16 बीएलओ की जान चली गईं। हार्ट अटैक, तनाव, आत्महत्या एसआईंआर में कोईं सुधार नहीं। थोपा गया जुल्म है। उन्होंने आरोप लगाया, ईंसीआईं ने ऐसा सिस्टम बनाया है जिसमें नागरिक को खुद को तलाशने के लिए 22 साल पुरानी मतदाता सूची के हजारों स्वैन पन्नों को पलटना पड़े, मकसद साफ है——सही मतदाता हारकर थक कर बैठ जाए और वोट चोरी बिना रोक-टोक जारी रहे। दूसरी ओर भाजपा ने इन मौतों के लिए तृणमूल कांग्रेस को ही जिम्मेदार ठहराया है।

कुछ अलग

किसान ने संत से पूछा- लक्ष्य कैसे पूरे होंगे

पुराने समय के एक गांव में एक गरीब किसान था। उसके जीवन में सुख-शांति नहीं थी। वह हमेशा परेशानियों में घिरा रहता था, कभी फसल खराब हो जाती, तो कभी उधार चुकाने की चिंता उसे परेशान करती। इन सबके बीच उसकी सबसे बड़ी समस्या ये थी कि वह अपने तय किए हुए लक्ष्य तक पहुंच नहीं पा रहा था। वह किसी काम को शुरू तो कर देता, लेकिन जैसे ही उसे कोई नया काम दिखता, तो वह उसी में उलझ जाता और उसके सारे काम आधे-अधूरे रह जाते। एक दिन वह किसान अपने क्षेत्र के एक संत के पास पहुंचा। उसने संत से कहा कि गुरुदेव, मेरे जीवन में कई उलझनें हैं। मैं बहुत कुछ करना चाहता हूं, लेकिन रास्ते में ही भटक जाता हूं। लक्ष्य तक पहुंचते-पहुंचते मन डगमगा जाता है। मुझे कोई ऐसा तरीका बताएं, जिससे मैं मेरे लक्ष्य हासिल कर सकूं। संत ने कहा कि मैं कल तुम्हारे घर आकर तुम्हारी समस्या का हल बताता हूं। अगले दिन संत किसान के घर पहुंचे, लेकिन उस समय किसान घर पर नहीं था। उसकी पत्नी ने संत का आदरपूर्वक स्वागत किया। कुछ देर बाद किसान वापस घर लौटा। उसके साथ उसका कुत्ता भी था, जो लगातार हांफ रहा था, जैसे वह बहुत दौड़ा हो। किसान के चेहरे पर कोई थकान नहीं थी। संत ने आश्चर्य से पूछा कि क्या तुम्हारा खेत बहुत दूर है? तुम तो बिल्कुल नहीं थके, लेकिन तुम्हारा कुत्ता बुरी तरह हांफ रहा है। किसान ने हंसकर जवाब दिया कि नहीं गुरुदेव, खेत तो पास ही है, लेकिन मैं सीधे घर आया हूं और ये कुत्ता रास्ते में मिलने वाले हर कुत्ते के पीछे दौड़ता रहा, किसी पर भौंका, किसी को भगाया, किसी का पीछा किया।

दृष्टि कोण

विकासशील देशों के सामने एआई संप्रभुता की चुनौती

अब जबकि हमारा देश 'भारत एआई प्रभाव शिखर सम्मेलन 2026' आयोजित करने की तैयारी कर रहा है, यह ध्यान रखना ज़रूरी है कि फरवरी माह में पेरिस में हुए एआई क्रियान्वयन शिखर सम्मेलन 2025 में एआई संप्रभुता एक केंद्रीय मुद्दा था। महत्वपूर्ण बात यह है कि आज दुनियाभर में एआई से संबंधित बड़े पैमाने पर निवेश की दिशा-दशा एआई संप्रभुता की अवधारणा निर्धारित करती है। डिजिटल युग के आरंभिक और सबसे प्रभावशाली सिद्धांतकारों में से एक, फ्रांसीसी दार्शनिक बर्नार्ड स्टीगलर के अनुसार, तकनीक की पारंपरिक अवधारणा से आगे बढ़ने में दुनिया को अच्छी तरह समझना ज़रूरी है। उनका मानना था कि 'मनो-राजनीति' (साइकलोपॉलिटिक्स), जो, मीडिया और तकनीक हमारे मानस और ध्यान को आकार देने की क्षमता रखती है, 21वीं सदी को परिभाषित करती है। स्टीगलर का तर्क था कि तकनीक एक 'फार्माकोन' है—ज़हर जो इलाज भी करता है - और यह हमें चुनना होगा कि हम तकनीक को अपना 'इस्तेमाल' करने दें या आधुनिक एजेंसियों से अपनी तर्कसंगत संप्रभुता वापस पाने के लिए इसका उपयोग 'महत्वपूर्ण गहनता' के लिए सावधानी से करें। हालांकि, 21वीं सदी की शुरुआत में 'तकनीकी संप्रभुता' की अवधारणा का पुनर्विन्यास हुआ था, जो मुख्यतः भू-राजनीतिक टकरावों और प्रतिबंधों के परिणामवश था। वर्ष 2000 और 2010 के दशक की शुरुआत में, इंटरनेट संप्रभुता पर सबसे पहले चर्चा संभवतः चीन में हुई थी। फिर, इस एआई युग में विदेशी शक्तियों पर निर्भरता से बचने के लिए, विभिन्न देशों ने डिजिटल बुनियादी ढांचा, डेटा और एआई पर नियंत्रण स्थापित किया। साथ ही, ट्रम्प के पिछले कार्यकाल में 2018 में अमेरिका और चीन के बीच चले व्यापार युद्ध ने संप्रभु एआई होने की जरूरत को बढ़ावा दिया। एआई संप्रभुता किसी राष्ट्र या कंपनी द्वारा अपनी एआई तकनीकों को स्वतंत्र रूप से नियंत्रित करने की क्षमता है, जिसमें डाटा, बुनियादी ढांचा और स्वरूप शामिल हैं, ताकि राष्ट्रीय सुरक्षा, नियामक अनुपालन और रणनीतिक स्वायत्तता सुनिश्चित हो सके। इसमें विदेशी नियंत्रण केंद्रों पर निर्भरता

से बचना, संवेदनशील डाटा को अपने अधिकार क्षेत्र में बनाए रखना और घरेलू ढांचे के भीतर एआई प्रणालियों का विकास एवं कार्यान्वयन शामिल है। सरल शब्दों में, संप्रभु एआई यह सुनिश्चित करना चाहता है कि एआई का उत्पादन घरेलू स्तर पर हो, जिसमें वह डेटा भी शामिल हो जिसका उपयोग एआई प्रशिक्षण में, अनुसंधान करते वक्त खोज करने में और किसी प्रश्न के उत्तर में आउटपुट के रूप में उत्पन्न करने वाला डाटा हो। इस प्रकार, 'डेटा संप्रभुता' और 'एआई संप्रभुता' आपस में जुड़ी हुई हैं, फिर भी अलग हैं। लेकिन संप्रभु एआई यह सुनिश्चित करता है कि एआई उनके सांस्कृतिक, नैतिक और कानूनी मानकों के अनुरूप हो। आज राष्ट्रों को जेनएआई के जोखिमों, फायदों और राष्ट्रीय सुरक्षा एवं आर्थिक विकास पर उनके संभावित प्रभाव के बारे में मालूम है। उदाहरण के लिए, 2035 तक, एआई भारत की अर्थव्यवस्था को 1.7 ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ाने में मदद कर सकता है। अप्रैल 2024 में प्रकाशित विश्व आर्थिक मंच के एक लेख में, जिसका शीर्षक है 'संप्रभु एआईः यह क्या है, और इसकी प्राप्ति के छह रणनीतिक स्तंभ', के अनुसार, संप्रभु एआई के लिए प्रयास का अर्थ अनिवार्य रूप से डिजिटल अलगाव नहीं है, बल्कि रणनीतिक लचीलेपन के लिए प्रयास है, जिसे अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के साथ मिलकर किया जा सकता है। रणनीतिक स्तंभ, जिनमें डिजिटल बुनियादी ढांचा, कार्यबल विकास, अनुसंधान, विकास एवं नवाचार, नियामक एवं नैतिक तानाबाना, एआई उद्योग को प्रोत्साहित करना और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग शामिल हैं, ये अवयव देशों को अपनी संप्रभु एआई क्षमताओं को बढ़ाने में मदद करेंगे।

पाकिस्तानी नेता क्यों कर रहे सेना और सरकार पर कटाक्ष, कहा- पूरे मुल्क की नाक कटवा दी

इस्लामाबाद, 28 नवंबर (एजेंसियां)।
पाकिस्तान की राजनीति और सेना के रिश्तों पर चल रही तीखी बहस के बीच जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (एफ) के प्रमुख और पूर्व सांसद मौलाना फजल-उर-रहमान ने सेना पर बड़ा हमला बोला है। एक जनसभा में उन्होंने कहा, कि पाकिस्तान की सेना देश की लगातार बेइज्जती करा रही है और 1971 की जंग में हुए ऐतिहासिक आत्मसमर्पण ने पाकिस्तान का सिर हमेशा के लिए झुका दिया। पाक नेता अब सेना और सरकार के खिलाफ खुलकर कटाक्ष करने लग गए हैं। मौलाना फजल-उर-रहमान ने बीते रविवार कहा था, कि एक हिंदू (भारतीय जनरल) के सामने पाकिस्तान के 90 हजार से ज्यादा सैनिकों ने सरेंडर किया था। उसी दिन मुल्क की इज्जत मिट्टी में मिल गई थी। उनका इशारा भारतीय सेना के जनरल सैम मानेकशॉ और लेफ्टिनेंट जनरल जेएस अरोड़ा की ओर था, जिनके नेतृत्व में भारत ने 1971 में जीत हासिल की थी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान उसी दिन दुनिया के सामने अपमानित हो गया था और उसकी मानसिकता आज तक नहीं बदली। फजल-उर-रहमान ने कहा कि 1971 की जंग की हार से पाकिस्तान आज तक उबर नहीं पाया है, क्योंकि वही सोच और वही गलत फैसले आज भी जारी हैं। उनके मुताबिक सेना अपनी गलतियों को छिपाती है, असल सच्चाई जनता तक नहीं आने देती और राजनीतिक नेतृत्व पर दबाव बनाती रहती है। उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तान की टूटी अर्थव्यवस्था, बढ़ती महंगाई, और बेरोजगारी भी सेना की नाकाम नीतियों का नतीजा हैं। मौलाना फजल-उर-रहमान ने कहा, कि जो लोग देश को इस हाल तक ले आए, वे खुद को हीरो बताते फिर रहे हैं, लेकिन जनता सब जानती है। उसे बेवकूफ नहीं बनाया जा सकता। यहां बताते चलें कि मौलाना फजल-उर-रहमान लंबे समय से पाकिस्तान की मिलिट्री और सत्ता प्रतिष्ठान के कटु आलोचक रहे हैं। उन्होंने कई बार संसद सदस्य के रूप में सेवा दी है और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के कड़े विरोधी माने जाते हैं। 2019 में वे इमरान सरकार के खिलाफ आज़ादी मार्च भी निकाल चुके हैं, जिसमें हजारों समर्थकों ने इस्लामाबाद में प्रदर्शन किया था।

न्यूज ब्रीफ

श्रीलंका के संसद सदस्य इस्माइल मुथ्थू मोहम्मद का इस्तीफा

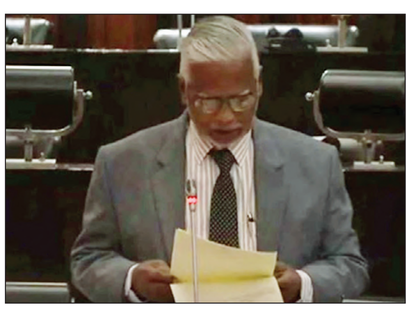

कोलंबो। ऑल सीलोन मक्कई कांग्रेस के नेता और संसद सदस्य इस्माइल मुथ्थू मोहम्मद ने इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि संसद की सदस्यता छोड़ने का फैसला पार्टी नेतृत्व के आदेश पर लिया। उन्होंने संसद सत्र के दौरान यह घोषणा की। श्रीलंका के डेली न्यूज अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, इस्माइल मोहम्मद ने संसद सदस्य के रूप में अपने पद से इस्तीफा देने का एलान किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनका फैसला पार्टी के निर्देशों पर आधारित है। उन्होंने नेतृत्व के साथ कभी धोखा नहीं किया है। मोहम्मद ने दिसंबर 2024 में संसद सदस्य के रूप में शपथ ली थी। वो राष्ट्रीय सूची के जरिए संसद के लिए चुने गए। ऑल सीलोन मक्कई कांग्रेस ने समागी जन बालवेगया के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा। मोहम्मद राजनीति में आने से पहले प्रधानाध्यापक रहे हैं।

अलास्का के एंकोरेज महानगरीय क्षेत्र में 6.0 तीव्रता का भूकंप

जुनो (अलास्का) अमेरिका। साउथ सेंट्रल अलास्का के एंकोरेज महानगरीय क्षेत्र में गुरुवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 6.0 मापी गई। अमेरिकी भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार स्थानीय समयानुसार सुबह 8:11 बजे आए इस भूकंप का केंद्र विलो से 26 मील दक्षिण-पश्चिम में 43 मील की गहराई पर रहा। अलास्का के एंकरेज डेली न्यूज अखबार की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि अभी तक किसी बड़े नुकसान की कोई खबर नहीं है। थैंक्स गिविंग में भूकंप इतना तेज था कि लोग नींद से जाग गए और दीवारों और शेल्फ से सामान हिलने गया। नेशनल सुनामी सेंटर ने कहा कि सुनामी की कोई उम्मीद नहीं है। भूकंप के झटके वाल्डेज और फेयर बैंक्स तक महसूस किए गए। इससे पहले 30 नवंबर, 2018 को अलास्का में 7.1 तीव्रता का भूकंप आया था। इससे साउथ सेंट्रल अलास्का में आम आदमी और सरकारी संपत्ति को बहुत नुकसान हुआ था। अमेरिका का अलास्का क्षेत्र दुनिया के सबसे अधिक भूकंप-प्रवण इलाकों में गिना जाता है। यहां लगभग हर साल 7.0 तीव्रता का एक बड़ा भूकंप महसूस किया जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, गुरुवार का यह कंपन दक्षिण मध्य अलास्का में 2021 के बाद आया सबसे तीव्र भूकंप है। हालांकि झटके तेज थे, लेकिन राहत की बात यह है कि किसी तरह की बड़ी तबाही की खबर सामने नहीं आई है।

हांगकांग की आठ आवासीय इमारतों में लगी आग में अब तक 94 की मौत

हांगकांग। दुनिया में अपनी निराली चमक और दमक के लिए विख्यात हांगकांग अपने इतिहास की भयावह आग से जूझ रहा है। परसों आठ बहुमंजिला आवासीय इमारतों (टॉवर्स) में लगी आग में 94 लोगों की जान चली गई। इनमें से चार इमारतों की आग गुरुवार रात तक बुझाई जा चुकी थी। तीन इमारतों में दमकल विभाग के कर्मचारी कड़ी मशक्कत कर रहे थे। एक टॉवर को सुरक्षित बताया गया था। अधिकारियों का कहना है कि बचाव अभियान की आखिरी कोशिशों के बीच आग फिर भड़क गई और इलाका धुआं से भर गया। आग की चपेट में आए यह सभी टॉवर 'ताई पो के वांग फुक कोर्ट' क्षेत्र में हैं। हांगकांग में सबसे ज्यादा पढ़े जाने वाले द स्टैंडर्स अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने बताया कि घटनास्थल से पांच शव और मिले। इनमें दो शव बच्चों के हैं। गुरुवार शाम लगभग पांच बजे एक इमारत में फिर से आग भड़क गई। घटनास्थल पर पहले से मौजूद दमकल विभाग के कर्मचारियों ने पानी का छिड़काव करने के लिए ऊंची सीढ़ी लगाई। रात भर जीवित लोगों की तलाशी के लिए अभियान चलाया गया। अस्पताल के कर्मचारियों ने प्रभावित क्षेत्र से पांच शव निकाले। इनमें दो बच्चों के हैं। दमकल विभाग ने अब तक 94 लोगों की मौत हो जाने की पुष्टि की है। 78 लोग बेहद गंभीर हैं। इन आठ टॉवर्स में करीब 2,000 फ्लैट हैं। अधिकारियों ने कल बताया था कि इस संबंध में भवन निर्माण कंपनी के तीन अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें दो निदेशक और एक सलाहकार अभियंता है।

इमरान के बेटे का दावा कहा- 845 दिन हो गए हैं पिता से संपर्क नहीं हुआ, जिंदा होने का सबूत दें

इस्लामाबाद, 28 नवंबर (एजेंसियां)।
पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के छोटे बेटे कासिम खान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक लंबा पोस्ट लिखकर सनसनी फैला दी। आमतौर पर राजनीति से दूर रहने वाले कासिम ने सरकार पर अपने पिता को पूरी तरह गायब कर देने और परिवार को यह जानने तक से रोकने का गंभीर आरोप लगाया कि वह जीवित भी हैं या नहीं। उन्होंने लिखा, मेरे पिता इमरान खान को पिछले 845 दिनों से कैद में रखा गया है। पिछले छह हफ्तों से उन्हें फांसी की सजा पाने वाले कैदियों वाली अंधेरी कोठरी में पूर्ण एकांतवास (सॉलिटरी कन्फाइनमेंट) में डाला गया है। एक महीने से ज्यादा समय से परिवार की मुलाकात पर अघोषित बैन है। अदालत के साफ आदेशों के बावजूद मेरी बहनों को हर बार जेल गेट से लौटा दिया जाता है।

कासिम ने आगे लिखा, आज की तारीख में मेरे पिता के पास न फोन कॉल की सुविधा है, न किसी से मुलाकात, और न ही यह प्रमाण कि वह जीवित हैं। मैं और मेरा भाई सुलेमान पिछले एक महीने से अधिक समय से उनसे कोई संपर्क नहीं कर पाए हैं। उन्होंने इस पूर्ण सूचना ब्लैकआउट को जानबूझकर किया गया कदम बताया जिसका मकसद इमरान खान की असल स्थिति को दुनिया और परिवार से छिपाना है। कासिम ने पाकिस्तानी सरकार और 'उसके हैंडलर्स' को कड़ी चेतावनी दी कि इमरान खान की सुरक्षा और इस अमानवीय एकांतवास के हर परिणाम के लिए वे कानूनी, नैतिक और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पूरी तरह जवाबदेह होंगे। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र, एमनेस्टी इंटरनेशनल, ह्यूमन राइट्स वॉच सहित सभी वैश्विक मानवाधिकार संगठनों और लोकतांत्रिक देशों से तत्काल हस्तक्षेप की अपील की। उन्होंने लिखा, जीवित होने का प्रमाण (प्रूफ ऑफ लाइफ) मांगिए, अदालत के आदेश लागू कराइए, इस क्रूर अलगाव को तुरंत खत्म कीजिए और पाकिस्तान के सबसे लोकप्रिय नेता को सिर्फ राजनीतिक बदले की भावना से कैद करने की सजा दी जा रही है - उनकी रिहाई सुनिश्चित कीजिए।

इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने कासिम के बयान को तुरंत आगे बढ़ाया और परिवार को फौरन मुलाकात की अनुमति देने की मांग की। दूसरी तरफ सरकार और अडियाला जेल प्रशासन ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। जेल अधिकारियों का दावा है कि इमरान खान पूरी तरह स्वस्थ हैं और उन्हें पूरा मेडिकल ध्यान दिया जा रहा है। रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने तो यहां तक कहा कि 'इमरान साहब को ज्यादातर कैदियों से कहीं बेहतर सुविधाएं मिली हुई हैं - फाइव-स्टार होटल जैसा खाना, टीवी, व्यायाम के उपकरण और मखमली गद्दा भी।

बावजूद इसके, बुधवार को इमरान खान की तीनों बहनें और दर्जनों पीटीआई कार्यकर्ता अडियाला जेल के बाहर धरने पर बैठ गए। काफी देर तक हंगामा चलता रहा। अंततः जेल अधिकारियों ने अलीमा खान को आश्वासन दिया कि मुलाकात की व्यवस्था कर दी जाएगी, जिसके बाद धरना खत्म हुआ।

141 साल की ग्रैमा (कछुआ) ने 2 विश्व युद्ध देखे, अब हुई मौत पूरी दुनिया में छा गया मातम

141 साल की उम्र में ग्रैमा की मौत

लॉस एंजिल्स, 28 नवंबर (एजेंसियां)।
अभी तक धरती पर हुए 2 विश्व युद्धों की साक्षी और अपने जीवनकाल में 20 अमेरिकी राष्ट्रपतियों का शासन देख चुकी ग्रैमा की मौत हो गई है। 141 साल की ग्रैमा सैन डिएगो जू की सबसे उम्रदराज जीव थी और अब इस गैलापागोस कछुए की मौत से यहां शोक की लहर फैल गई है। जू के अधिकारियों ने बताया कि बीते 20 नवंबर को ग्रैमा की मौत हो गई।

ग्रैमा के केयर स्पेशलिस्ट उसे प्यार से 'जू की रानी' भी कहते थे। चिड़ियाघर प्रशासन ने कहा कि उन्हें बढ़ती उम्र की वजह से हड्डियों में दिक्कतें होने लगीं और यही उसकी मौत का कारण बना। ग्रैमा की मौत के बाद कई विज़िटर्स ने सोशल मीडिया पर उसे याद किया और बताया है कि किस तरह जब वे छोटे थे, तो उन्हें पहली बार ग्रैमा से मिलने का मौका मिला और फिर सालों बाद अपने बच्चों के साथ भी वापस आने पर भी उसने उनका स्वागत किया। अधिकारियों ने बताया कि इस बात की पुख्ता जानकारी नहीं है कि यह कछुआ सैन डिएगो जू में कब आया, लेकिन अनुमान के मुताबिक इसे 1928 या 1931 में ब्रोंक्स जू से यहां लाया गया था। समय गुजरने के साथ वह अपने मनमोहक और शर्मीले व्यवहार से पर्यटकों को लुभाती रही। बता दें कि गैलापागोस कछुए जंगल में 100 साल से ज्यादा जिंदा रह सकते हैं। वहीं इंसानी कैद में इसके और अधिक समय तक जीवित रहने की संभावना रहती है। पृथ्वी पर सबसे ज्यादा समय तक जिंदा रहने का रिकॉर्ड हैरियट नाम के कछुए के नाम था। इसकी उम्र 175 साल थी और यह ऑस्ट्रेलिया के एक जू में था। 2006 में उसकी मौत हो गई।

पत्नी ने पति की 1.36 करोड़ रुपये की कमाई ऑनलाइन स्ट्रीमर पर उड़ा दी, ऊपर से 9 लाख का कर्ज

बीजिंग। चीन के झेंगझौ शहर में लियू नामक शख्स को अपनी पत्नी पर आंख बंद करके भारोसा करना भारी पड़ गया। दरअसल आठ साल की मेहनत से कमाए 11.6 लाख युआन (लगभग 1.36 करोड़ रुपये) पत्नी को सौंपने के बाद लियू निशिंत था, लेकिन जब उसने खाता चेक किया तो उसमें सिर्फ 0.3 युआन (लगभग दो पैसे) ही बचे मिले। यही नहीं बल्कि परिवार पर 80,000 युआन (लगभग 9.5 लाख रुपये) का कर्ज भी चढ़ा हुआ उसने पाया। स्थानीय मीडिया से बातचीत में लियू ने बताया कि उसकी पत्नी ने सारी जमा पूंजी एक पुरुष लाइव स्ट्रीमर को गिफ्ट्स के रूप में भेज दी। कुल 11.6 लाख युआन में से करीब 6.7 लाख युआन (लगभग 94 लाख रुपये) डौयिन (चीन का टिकटॉक) के स्ट्रीमर को रैंकिंग में ऊपर लाने और प्रतियोगिता जीतने के लिए भेजे गए। जांच के दौरान पता चला कि पत्नी ने पैसे खत्म होने पर ऑनलाइन लोन लेकर भी स्ट्रीमर को महंगे वर्चुअल गिफ्ट भेजे।
यही नहीं बल्कि चैट रिकॉर्ड्स से यह भी सामने आया कि वह स्ट्रीमर से बार-बार 'बेबी' कहने की गुजारिश कर रही थी।

अंतरिक्ष वैज्ञानिकों ने खोजा नया 'छिपा हुआ ब्रह्मांड'

लंदन, 28 नवंबर (एजेंसियां)।
अंतरिक्ष वैज्ञानिकों ने अब मिल्की वे गैलेक्सी से भी अधिक चौंकाने वाली खोज की है। ताजा खोज रुबिन ऑब्जर्वेटरी ने की है, जो अभी पूरी तरह से चालू भी नहीं हुई है। दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल कैमरा एलएसएसटी कैम इस ऑब्जर्वेटरी में लगा है, जिसकी क्षमता 3.2 गीगापिक्सल है। इसी कैमरे ने अंतरिक्ष में एक ऐसा 'छिपा हुआ ब्रह्मांड' दिखाया है जो वैज्ञानिकों को पहले कभी नहीं दिखा था।

यह है तारों की एक अत्यंत विशाल धारा जो मेसियर 61 (एम61) गैलेक्सी के चारों ओर फैली हुई है इतनी बड़ी कि हमारी मिल्की वे भी इसके सामने छोटी दिखे। वैज्ञानिकों के अनुसार यह तारों की धारा लगभग 1.7 लाख प्रकाश वर्ष लंबी और करीब 10,000 प्रकाश वर्ष चौड़ी है। तुलना के लिए, हमारी मिल्की वे की चौड़ाई लगभग 1 लाख प्रकाश वर्ष है। यानी यह धारा हमारी पूरी गैलेक्सी से भी बड़ी है। शोधकर्ताओं का मानना है कि यह एक ड्वार्फ गैलेक्सी का अवशेष है, जिसे एम61 गैलेक्सी ने अपने गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव से निगल लिया था। यह तारों का मानो 'कब्रिस्तान' है, जिसकी वास्तविक पहचान अब जाकर सामने आई है।

यह अवशेष एम61 के केंद्र में भी उथल-पुथल मचा रहा है, जहां एक सुपरमैसिव ब्लैक होल मौजूद है। हमारी मिल्की वे का ब्लैक होल शांत है, लेकिन स्र61 का ब्लैक होल बेहद सक्रिय है और लगातार गैस तथा तारों को निगल रहा है। इससे इतनी शक्तिशाली ऊर्जा निकल रही है कि वैज्ञानिक इसे एक 'गैलेक्टिक स्टॉर्म' की तरह देख रहे हैं। सैन जोस स्टेट यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिक एरॉन रोमनोव्स्की बताते हैं कि इस धारा की ग्रेविटी ने एम61 को हिलाकर रख दिया है और ब्लैक होल को मानो ईंधन मिलता जा रहा है।

टाइडल फोर्स के कारण ड्वार्फ गैलेली के टुकड़े उड़ गए और वह एक लंबी चमकदार धारा में बदल गई। आश्चर्य की बात यह है कि यह धारा सूरज से 10 करोड़ गुना अधिक चमकदार है, फिर भी यह अब तक दिखाई नहीं दी क्योंकि इसे देखने के लिए अत्याधुनिक तकनीक जरूरी थी। वैज्ञानिकों का कहना है कि ब्रह्मांड में बड़ी गैलेक्सियाँ इसी प्रक्रिया से बढ़ती हैं छोटी गैलेक्सी को खाकर। रुबिन ऑब्जर्वेटरी का 10 वर्षीय मिशन एलएसएसटी इस तरह की और कई छिपी संरचनाओं को उजागर करेगा। शोधकर्ताओं के अनुसार यह खोज दिखाती है कि रुबिन ऑब्जर्वेटरी ब्रह्मांड के अंधेरे हिस्सों को रोशन करने में किस स्तर की ताकत रखती है।

निकी हेली के बेटे ने कहा- मैं भारत के प्रति वफादार नहीं हूं और न ही मेरा कोई लगाव है

वाशिंगटन, 28 नवंबर (एजेंसियां)।
भारतीय मूल की अमेरिकी रिपब्लिकन नेता और पूर्व राष्ट्रपति उम्मीदवार निकी हेली के बेटे नलिन हेली ने साफ कर दिया कि उनका भारत से कोई लेना देना नहीं है। वे न भारत के प्रति कोई लगाव रखते हैं और न ही वफादारी। इंटरव्यू में 24 वर्षीय नलिन ने कहा कि उनकी निष्ठा पूरी तरह अमेरिका के प्रति है और उनका भारत से कोई विशेष भावनात्मक जुड़ाव नहीं है।नलिन ने कहा- मैंने हमेशा सिर्फ अमेरिका को ही जाना है। मैं उस देश के प्रति कोई अजीब सी वफादारी नहीं रख सकता, जहां मैं कभी गया ही नहीं।

उन्होंने वर्तमान अमेरिकी आर्थिक परिस्थिति का हवाला देते हुए कानूनी प्रवास को सीमित करने की वकालत की। नलिन के अनुसार, जब अमेरिकी कंपनियां अपने ही नागरिकों को पर्याप्त नौकरियां नहीं दे पा रही हैं और एआई कई रोजगार क्षेत्रों पर कब्जा कर रहा है, तब विदेशी कर्मियों को लाना गैर-जिम्मेदाराना है। उन्होंने कहा कि जब हम अपने ही युवाओं को नौकरी नहीं दे पा रहे, तब विदेशी कर्मचारियों को यहां बुलाने का कोई मतलब नहीं बनता। नलिन ने खुद को जनरेशन जेड का प्रतिनिधि बताते हुए रिपब्लिकन पार्टी (जीओपी) पर आरोप लगाया कि वह युवा अमेरिकियों की चिंताओं को नहीं सुन रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी कॉरपोरेट हितों को आम अमेरिकी कर्मचारियों के ऊपर प्राथमिकता दे रही है।

उन्होंने इंडियन-ओरिजिन राजनेता जोहरन ममदानी की न्यूयॉर्क सिटी मेयर चुनाव में जीत पर भी टिप्पणी की और कहा कि रिपब्लिकन पार्टी युवाओं की भावनाओं से कट चुकी है। नलिन ने कहा कि डेमोक्रेट्स युवाओं की बात सुन रहे हैं, अब समय है कि रिपब्लिकन भी ऐसा करें। विलनोवा यूनिवर्सिटी से पॉलिटिकल साइंस की डिग्री रखने वाले नलिन हेली ने कहा कि वे फिलहाल राजनीति में आने की योजना नहीं रखते। हालांकि, वे उम्मीद करते हैं कि रिपब्लिकन पार्टी जनरेशन जेड के दृष्टिकोण को अपनाएगी। इंटरव्यू के अंत में नलिन ने कहा कि वे एक क्रिश्चियन, पॉपुलिस्ट और नेशनलिस्ट हैं और चाहते हैं कि रिपब्लिकन पार्टी सामान्य अमेरिकी कामगारों को कॉरपोरेट अभिजात्य वर्ग से ऊपर रखे।

पंजाब से अमेरिका पहुंचे दादा की थी प्रतिष्ठित पहचान

नलिन के नाना अजीत सिंह रंधावा मूल रूप से पंजाब के रहने वाले थे और बाद में अमेरिका जाकर उन्होंने एक प्रतिष्ठित शैक्षणिक करियर बनाया। इसके बावजूद नलिन ने स्वयं को अमेरिकी पहचान तक सीमित बताया है। हाल ही में नलिन हेली ने एच-1बी वीजा पर प्रतिबंध लगाने और कानूनी प्रवास कम करने की मांग कर सुर्खियां बटोरी थीं। उनका मानना है कि वर्तमान आर्थिक माहौल में यह जरूरी कदम है। नलिन का कहना है कि युवा रिपब्लिकन अब आर्थिक मुद्दों पर नए तरीके से सोच रहे हैं। उन्होंने कहा कि हाउसिंग संकट और अंदरूनी व्यापार जैसी भ्रष्टाचार की चिंताएं हमें परेशान कर रही हैं। मेरी पीढ़ी अब उस बाजार व्यवस्था पर विश्वास नहीं करती जो बिल्कुल बेपरवाह और कानूनविहीन हो चुकी है।

आयुष म्हात्रे की कप्तानी में अंडर-19 एशिया कप क्रिकेट टूर्नोमेंट में उतरेगी भारतीय टीम

मुम्बई, 28 नवंबर (एजेंसियां)।

बल्लेबाज आयुष म्हात्रे अगले माह 12 से 21 दिसंबर 2025 तक दुबई में होने वाले पुरुष अंडर-19 एशिया कप क्रिकेट टूर्नोमेंट में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस टूर्नामेंट के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम घोषित कर दी है। ये टूर्नामेंट 50-ओवर के फॉर्मेट में खेला जाएगा। इस टूर्नोमेंट में 14 वाल के उभरते क्रिकेटर वैभव सूर्यावंशी को भी टीम में शामिल किया गया है। वैभव ने हाल ही काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। वहीं 18 साल के ऑल-राउंडर विहान मनोज मल्होत्रा टीम का उपकप्तान बनाया गया है। यह टूर्नामेंट अंडर 19 विश्व कप की तैयारी को देखते हुए अहम रहेगा। विश्वकप अगले साल जनवरी-फरवरी में जिम्बाब्वे और नामीबिया में होगा।

भारतीय टीम को ग्रुप ए में अंडर-19 एशिया कप में पाकिस्तान के साथ रखा गया है। दूसरे ग्रुप में अफगानिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका के साथ एक क्वालिफायर भी हैं।

ग्रुप ए : इंडिया, पाकिस्तान, क्वालिफायर 1, क्वालिफायर 3

ग्रुप बी : बांग्लादेश, श्रीलंका, अफ़गानिस्तान, क्वालिफायर 2

टीम इस प्रकार है।

आयुष म्हात्रे (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, विहान मल्होत्रा (उपकप्तान), वेदांत त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), युवराज गोहिल, कनिष्क चौहान, खिलन ए. पटेल, नमन पुष्पक, डी. दीपेश, हेनिल पटेल, किशन कुमार सिंह, उद्धव मोहन, एरॉन जॉर्ज।

स्टैंड-बाय खिलाड़ी : राहुल कुमार, हेमचूडेशन जे, बी.के. किशोर और आदित्य रावत

टूर्नामेंट का कार्यक्रम इस प्रकार है :

- 12 दिसंबर बनाम क्वालिफायर 1 दुबई में
- 14 दिसंबर बनाम पाकिस्तान दुबई में
- 16 दिसंबर बनाम क्वालिफायर 3 दुबई में
- 19 दिसंबर – सेमीफाइनल
- 21 दिसंबर – फाइनल।

न्यूज ब्रीफ

पूर्व क्रिकेटर अनिरुद्ध श्रीकांत मॉडल संयुक्ता के साथ शादी के बंधन में बंधे

चेन्नई। आईपीएल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पूर्व क्रिकेटर अनिरुद्ध श्रीकांत मॉडल संयुक्ता शनमुगनाथन के साथ शादी के बंधन में बंध गये है। चेन्नई में पारंपरिक हिंदू रस्मों से ये शादी हुई। इसमें दोनो के परिवार और करीबी दोस्त शामिल हुए। दोनो की शादी की तस्वीरें सामने आते ही प्रशंसकों ने इस जोड़े को बधाई दी है। संयुक्ता और अनिरुद्ध की शादी बेहद सादगी और पारंपरिक माहौल में संपन्न हुई। इनकी शादी की तस्वीरें इंटरनेट पर आते ही तेज़ी से वायरल हो गईं, प्रशंसकों ने इन्हें ने अपनी शुभकामनाएं भेजी हैं। इसके अलावा, दोनों ने एक विशेष वीडियो भी पोस्ट किया, जिसमें परिवार, उनके बेटे और करीबी दोस्तों के साथ बिताए भावुक और खुशियों भरे पल शामिल थे। संयुक्ता और अनिरुद्ध ने अपने रिश्ते की झलक पहली बार दिवाली के दौरान दी थी, जब उन्होंने एक साथ तस्वीर पोस्ट की थी। इस तस्वीर ने तुरंत ही सोशल मीडिया पर चर्चा शुरू कर दी और दोनों की संभावित सगाई और शादी को लेकर उत्सुकता बढ़ गई थीं जो शादी से के साथ ही समाप्त हो गयीं।

क्या दूसरी शादी करने जा रहे चहल

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे स्पिनर युजवेंद्र चहल लगता है दूसरी शादी करने जा रहे हैं। इसका अंदाजा चहल की उसे पोस्ट से लगता है जिसमें उन्होंने कहा है कि वह शादी के लिए लड़की की तलाश में हैं। चहल की पहली शादी साल 2020 में डांसर धनश्री वर्मा से हुई थी पर अब दोनो का तलाक हो गया है। दोनों की ये शादी ज्यादा दिन तक चल नहीं पाई और साल 2022 में ही दोनों अलग हो गये थे। वहीं मार्च 2025 में इनका तलाक हो गया। वहीं अब चहल ने सोशल मीडिया में तस्वीर पोस्ट कर बताया कि वह शादी के लिए लड़की की तलाश में हैं। उन्होंने अपनी कई तस्वीरें पोस्ट करते हुए लिखा, 'शादी के लिए तैयार हूं, बस एक लड़की चाहिए।' उनकी इस पोस्ट से प्रशसंकों की धड़कन बढ़ गयी है। कुछ ने जश्न मनाया है जबकि कुछ उन्हें पुरानी बातें याद दिला रहे हैं इसके अलावा कुछ ने आरजे महवश को भी टैग किया है। वहीं धनश्री ने एक शो में बताया था कि उनकी शादी लव और अरेंज दोनों थी। पहले अरेंज मैरिज की तरह शुरू हुई थी। वह बिना डेटिंग के शादी करना चाहता था और मैं शादी के बारे में सोच भी नहीं रही थी। लेकिन जब उससे मिली और उसने मुझे मनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी तब मैं शादी के लिए मान गई थी।

श्रीलंका ने पाक को हराकर फाइनल में प्रवेश किया

नई दिल्ली। दुष्मंथा चमीरा की शानदार गेंदबाजी से श्रीलंका ने त्रिकोणीय क्रिकेट सीरीज के 6ठे मुकाबले में मेजबान पाकिस्तान को हराकर फाइनल में प्रवेश किया है। इस मैच में जीत के लिए पाकिस्तान को अंतिम ओवर में 10 रनों की जरुरत थी पर दुष्मंथा की घातक गेंदबाजी के सामने पाक बल्लेबाज टिक नहीं पाये। पाक टीम अंतिम ओवर में 3 ही रन बना पाई इस प्रकार श्रीलंकाई टीम ने 6 रनों से जीत हासिल की है। चमीरा को शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड दिया गया। इस गेंदबाज ने 4 ओवर में 20 रन देकर 4 विकेट लिए। इस मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंकाई टीम ने कामिल मिशारा के अर्धशतकों की सहायता से 20 ओवर में 5 विकेट पर 184 रन बनाये। कामिल ने 76 रनों की शानदार पारी खेली। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 158.33 का था। उनके अलावा कुसल मेंडिस ने 40 रन बनाये। वहीं पाक की ओर से अबरार अहमद ने सबसे अधिक 2 विकेट लिए। जीत के लिए 185 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की टीम 179 रन ही बना पायी। लक्ष्य का पीछा करते हुए पावरप्ले में ही मेजबान टीम ने 4 विकेट खो दिये थे। बाबर इस मैच में भी खाता नहीं खोल पाये। कप्तान सलमान आगा ने 44 गेंदों पर 63 रनों की पारी खेली पर वह टीम को लक्ष्य तक नहीं पहुंचा पाये।

डब्ल्यूपीएल 2026 नीलामी में सब कुछ योजना के मुताबिक हुआ : दिल्ली कैपिटल्स

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)।

जेएसडब्ल्यू और जीएमआर के सह-मालिकाना हक वाली दिल्ली कैपिटल्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 नीलामी में शानदार प्रदर्शन करते हुए एक संतुलित और दमदार टीम का गठन किया। फ्रैंचाइज़ी ने अपनी रणनीतिक तैयारी और सटीक योजनाओं के चलते कई अहम खिलाड़ियों को अपनी टीम में शामिल किया।

भारतीय कोर और मजबूत हुआ – शैफाली वर्मा और जेमिमा रॉड्रिग्स को रिटेन करने के बाद दिल्ली कैपिटल्स ने भारतीय कोर को और मजबूत किया। टीम ने एन. श्री चरणी और स्नेह राणा को खरीदकर भारत की हालिया वर्ल्ड कप विजेता टीम के चार खिलाड़ी अपने स्क्वॉड में शामिल किए। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वूल्वार्ट को फ्रैंचाइज़ी ने 1.10 करोड़ रुपये में खरीदा। वूल्वार्ट हालिया वनडे वर्ल्ड कप में सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी रहीं—9 मैचों में 571 रन।

चिनेल हेनरी और श्री चरणी पर बड़ी बोली – वेस्टइंडीज की ऑलराउंडर चिनेल हेनरी को 1.3 करोड़ रुपये में टीम ने अपने साथ जोड़ा। हेनरी अपनी आक्रामक बल्लेबाजी, फिनिशिंग क्षमता और संयुक्त सबसे तेज अर्धशतक के कारण एक खतरनाक खिलाड़ी मानी जाती हैं।

दिल्ली कैपिटल्स ने पिछले सीजन में डेब्यू करने वाली एन. श्री चरणी को जोरदार बोली के बाद 1.3 करोड़ रुपये में फिर से हासिल किया। वह वर्ल्ड कप में भारत की सबसे सफल गेंदबाजों में शामिल रहीं, जिन्होंने 14 विकेट लिए। स्नेह राणा को 50 लाख रुपये में शामिल किया गया। उन्होंने भारत की विश्व कप जीत में महत्वपूर्ण ऑलराउंड प्रदर्शन दिया था।

अनुभव और युवा प्रतिभा का संतुलन – टीम ने पूर्व दक्षिण अफ्रीकी ओपनर लिज़ेल ली को 30 लाख में खरीदा। हरियाणा की 16 वर्षीय युवा प्रतिभा दिया यादव को उनके बेस प्राइस 10 लाख रुपये में टीम में शामिल किया गया। इसके अलावा, तानिया भाटिया (30 लाख) और मिन्नू मणि (40 लाख) को भी दुबारा खरीदा गया। दोनों खिलाड़ी टीम के पहले सीजन से ही इसका हिस्सा रही हैं। फ्रैंचाइज़ी ने युवा खिलाड़ियों ममता मडिवाला (10 लाख), नंदनी शर्मा (20 लाख) और लूसी हैमिल्टन (10 लाख) को भी टीम में जोड़ा।

कोच जोनाथन बैटी ने कहा, – 'हम जो करना चाहते थे, उसे हमने बखूबी हासिल किया है। पांच मजबूत रिटेन के बाद हमने टीम को उसी आधार पर बनाया। हमारा शुरुआती 11 बेहद मजबूत दिख रहा है। खासकर भारतीय स्पिनर्स को टीम में शामिल कर पाना हमारे लिए बड़ा सकारात्मक कदम है,' बैटी ने कहा।

उन्होंने आगे कहा, 'मेग को गंवाना मुश्किल निर्णय था। हमने नीलामी में उन्हें वापस लेने की पूरी कोशिश की, लेकिन हमारे पास कई मजबूत नेतृत्व विकल्प मौजूद हैं।'

सह-मालिक पार्थ जिंदल ने कहा, – 'हम मेग के लिए जितना जा सकते थे, गए, लेकिन लौरा वूल्वार्ट को पाकर हम बेहद खुश हैं। वो शानदार लीडर हैं और हालिया वर्ल्ड कप की टॉप स्कोरर भी रहीं। श्री चरणी, स्नेह राणा और चिनेल हेनरी के आने से टीम संतुलित हुई है।,'

उन्होंने आगे कहा, 'हम तीन फाइनल खेल चुके हैं—अब हमें एक कदम आगे बढ़ना है। हमारी स्काउटिंग टीम बेहतरीन खिलाड़ियों को खोजकर लाती रही है, और इस बार भी हमने कई भविष्य के सितारों को टीम में जोड़ा है।'

डब्ल्यूपीएल 2026: दिल्ली कैपिटल्स का पूरा स्क्वॉड

- शैफाली वर्मा – बल्लेबाज – 2.20 करोड़
- जेमिमा रॉड्रिग्स – बल्लेबाज – 2.20 करोड़
- एनेबल सदरलैंड – ऑलराउंडर – 2.20 करोड़
- मरिज़ान कैप – ऑलराउंडर – 2.20 करोड़
- निकी प्रसाद – ऑलराउंडर – 50 लाख
- लौरा वूल्वार्ट – बल्लेबाज – 1.10 करोड़
- चिनेल हेनरी – ऑलराउंडर – 1.30 करोड़
- एन. श्री चरणी – ऑलराउंडर – 1.30 करोड़
- स्नेह राणा – ऑलराउंडर – 50 लाख
- लिज़ेल ली – विकेटकीपर-बल्लेबाज – 30 लाख
- दिया यादव – बल्लेबाज – 10 लाख
- तानिया भाटिया – विकेटकीपर-बल्लेबाज – 30 लाख
- ममता मडिवाला – विकेटकीपर-बल्लेबाज – 10 लाख
- नंदनी शर्मा – गेंदबाज – 20 लाख
- लूसी हैमिल्टन – गेंदबाज – 10 लाख
- मिन्नू मणि – गेंदबाज – 40 लाख।

ब्रिस्बेन टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में कोई परिवर्तन नहीं, कमिंस और हेज़लवुड बाहर

मेलबर्न, 28 नवंबर (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलिया ने ब्रिस्बेन में 4 दिसंबर (गुरुवार) से शुरू होने वाले डे-नाइट एशेज टेस्ट के लिए अपनी टीम में कोई बदलाव नहीं किया है। पैट कमिंस और जोश हेज़लवुड एक बार फिर टीम से बाहर रहेंगे। दोनों तेज गेंदबाज इस हफ्ते सिडनी में नेट्स पर अभ्यास करते नजर आए थे, लेकिन टीम प्रबंधन ने उन्हें अभी फिट घोषित नहीं किया है। इसका मतलब है कि स्टीव स्मिथ टीम की कप्तानी जारी रखेंगे। पर्थ टेस्ट की तरह कमिंस ब्रिस्बेन में टीम के साथ रहकर अपनी तैयारी जारी रखेंगे।

इसी बीच, उस्मान ख्वाजा को पीठ की चोट और पर्थ की पहली पारी में सिर्फ एक रन बनाने के बावजूद टीम में बरकरार रखा गया है। दूसरी पारी में वे बल्लेबाजी करने नहीं उतरे थे, क्योंकि कैच लेते समय लगी चोट बढ़ गई थी। इस कारण ट्रैविस हेड को पारी की शुरुआत करनी पड़ी और उन्होंने सिर्फ 83 गेंदों पर 123 रनों की विस्फोटक पारी खेलते हुए टीम को 205 रन के लक्ष्य का पीछा एक ही सेशन में पूरा करा दिया।

अब यह देखना दिलचस्प होगा कि ऑस्ट्रेलिया ख्वाजा को प्लेइंग इलेवन से बाहर कर हेड को ओपनिंग में भेजता है या नहीं। ऐसी स्थिति में ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर को नंबर 6 पर शामिल किया जा सकता है।

ऑस्ट्रेलिया पांच मैचों की सीरीज़ में 1-0 से आगे है और अभी चार टेस्ट बचे हैं। टीम 30 नवंबर (रविवार) को ब्रिस्बेन में एकत्र होगी।

ऑस्ट्रेलियाई टीम इस प्रकार है:

स्टीव स्मिथ (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, ब्रेंडन डॉगेट, कैमरन ग्रीन, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लॉयन, माइकल नेसर, मिचेल स्टार्क, जेक वेदरॉल्ड, ब्यू वेबस्टर।

यूईएफए यूरोपा लीग फुटबॉल

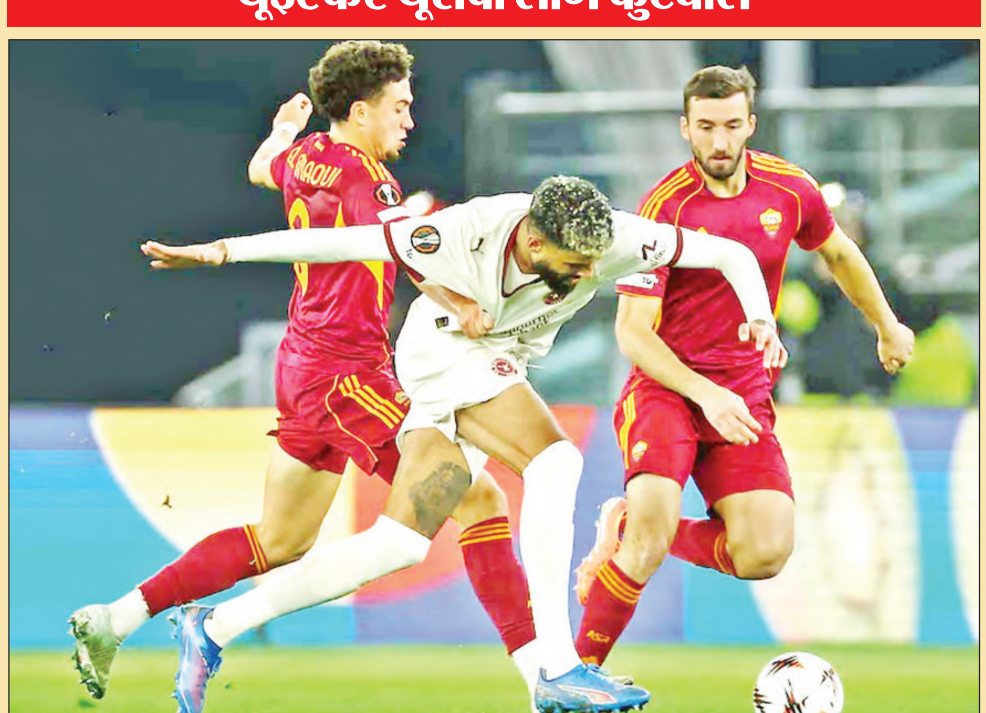

रोम में यूईएफए यूरोपा लीग फुटबॉल में खेलते हुए एसरोमा और एफसी मिडटीजीलैंड के खिलाड़ी।

विराट और रोहित को धोनी ने डिनर पर बुलाया, अपनी कार में होटल तक छोड़ा

रांची, 28 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रविवार 30 नवंबर को होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के पहले मैच के लिए रांची पहुंच गये हैं। रांची भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी का गृहनगर है। ऐसे में उन्होंने विराट और ऋषभ के लिए अपने घर पर एक पार्टी रखी।

ऐसें में ये तीन दिग्गज डिनर पार्टी में एकसाथ नजर आये। धोनी इसके बाद रोहित और विराट को स्वयं अपनी कार में होटल तक छोड़ने पहुंचे। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है और प्रशंसकों ने इसको काफी पसंद किया है। इस याराने को खूब पसंद कर रहे हैं। गौरतब है कि विराट ने अपने करियर की शुरुआत धोनी की कप्तानी में खेलकर ही की थी। धोनी के कार्यकाल के दौरान विराट कप्तान के तौर पर तैयार हुए थे। धोनी के कप्तानी छोड़ने के बाद विराट ने ही हर प्रारुप में टीम की कप्तानी संभाली थी। इससे भारतीय क्रिकेट शीर्ष स्तर पर पहुंचा। धोनी ने पांच साल पहले 15 अगस्त 2020 को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। वहीं विराट कोहली ने टेस्ट और टी20 क्रिकेट से संन्यास ले लिया है पर वह एकदिवसीय क्रिकेट खेल रे हैं। विराट कोहली बुधवार को ही लंदन से रांची पहुंचे थे और इसके अगले दूसरे ही दिन यानी वह धोनी से मिलने उनके घर पहुंच। लंबे समय बाद इन तीनो को देखकर प्रशंसक भी उत्साहित हैं।

मुस्कान के साथ गलतियों को स्वीकारते हुए वर्तमान पर फोकस करना जीत का मंत्र : तीरंदाज अंशिका

जयपुर, 28 नवंबर (एजेंसियां)।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स राजस्थान 2025 की महिला रिकर्व फाइनल में अंशिका कुमारी का दूसरा सेट बेहद खराब रहा। आमतौर पर ऐसी शूटिंग किसी भी तीरंदाज के आत्मविश्वास को हिला सकती है, लेकिन लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) की 23 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने चेहरे पर मुस्कान बनाए रखते हुए कोचों से बात की और सकारात्मक सोच के सहारे अगले दो सेट आसानी से जीतकर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमा लिया।

अंशिका का यही रवैया न सिर्फ इस फाइनल में उनकी जीत की कुंजी बना, बल्कि पिछले 12 महीनों में उनके करियर की दिशा बदलने में भी बड़ी भूमिका निभा रहा है। अंशिका ने साई मीडिया से कहा, 'एक समय था जब मैं हर हारे हुए मैच के बाद हंस देती थी और सोचती थी कि यह भी नहीं था मेरे लिए, अब इससे बुरा क्या होगा। चलो अगले पर फोकस करो। दिन के अंत में बात सिर्फ वर्तमान पर ध्यान रखने की है—एक-एक तीर पर ध्यान देने की, और तनाव को मुस्कान में उड़ाने की। यही मैंने फाइनल में किया।'

दूसरे सेट में क्या गलत हुआ, इस पर अंशिका ने बताया कि वह यह समझ नहीं पा रही थीं कि उनका तीर टारगेट पर कहां लगा क्योंकि उनके कोच के पास उस समय टेलीस्कोप नहीं था। उन्होंने कहा, 'उस सेट के बाद हमें टेलीस्कोप मिला, लेकिन मैंने तब तक सिर्फ सांसों और अगले तीर पर फोकस किया। खुश हूं कि अंत में जीत पाई।' अंशिका कहती हैं, 'मैंने अपनी हर असफलता से सीखा और हर हारे हुए मैच को तकनीक सुधारने का मौका बनाया।' इसी सीख का फायदा उन्हें इस साल तीनों विश्व कप में भाग लेने का अवसर मिला।

अंशिका मूल रूप से बिहार की हैं, लेकिन पिता के भारतीय नौसेना में होने के कारण देशभर में रहीं। यह स्थिरता उन्हें एक दिन में नहीं मिली। मुंबई के स्कूल में तीरंदाजी शुरू करने के बाद शुरुआती सफलताओं ने उम्मीदें बढ़ाईं, मगर राष्ट्रीय टीम की जगह उन्हें बार-बार छूटती रही। स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के नेशनल्स में स्वर्ण जीतने वाली पहली केंद्रीय विद्यालय की तीरंदाज बनने के बाद उन्होंने साई अकादमी के ट्रायल दिए और फिर वहीं प्रशिक्षण शुरू किया। कुछ ही वर्षों में साई कोलकाता में चयन तक का सफर तय करने के बावजूद राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं मिल रही थी। हालांकि, यह वर्ष उनके लिए निर्णायक साबित हुआ।

जयपुर में भी उन्होंने यही मानसिकता दिखाई। व्यक्तिगत फाइनल के तुरंत बाद मिश्रित टीम इवेंट में उनका प्रदर्शन औसत रहा और वे स्वर्ण से चूक गईं। लेकिन वहीं उन्होंने अपने ड्रॉ टेक्नीक पर काम किया और एलपीयू को रिकर्व टीम का स्वर्ण दिलाकर प्रतियोगिता का समापन किया।

हाल ही में खेले इंडिया ज़ोनल ओपन जीतने वाली अंशिका अब 2026 में अपनी रैंकिंग और प्रदर्शन को और ऊंचा ले जाने पर ध्यान दे रही हैं। उनका अगला बड़ा लक्ष्य—एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम में जगह पाना।

बैजू रवींद्रन अमेरिकी अदालत में पेश करेंगे ग्लास ट्रस्ट के खिलाफ साक्ष्य

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)।

एडटेक कंपनी बायजू के संस्थापक बैजू रवींद्रन अमेरिका की अदालतों में साक्ष्य प्रस्तुत करने जा रहे हैं। उनका दावा है कि ग्लास ट्रस्ट और समाधान पेशेवरों ने उन्हें और अन्य संस्थापकों को बार-बार गुमराह किया और यह झूठा आरोप लगाया कि उन्होंने 53.3 करोड़ डॉलर (अल्फा फंड्स) का गबन किया। यह साक्ष्य डेलावेयर दिवाला अदालत के 20 नवंबर, 2025 के आदेश के खिलाफ अपील के हिस्से के रूप में और संबंधित पक्षों के खिलाफ 2.5 अरब डॉलर से अधिक के दावे के तहत पेश किया जाएगा। रवींद्रन ने अपनी कंपनी थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड (टीएलपीएल) के लिए डेलावेयर दिवाला अदालत में अलग याचिका दायर की है।

अंतरराष्ट्रीय कानूनी विवाद में बायजू की चुनौती

उनका कहना है कि अदालत ने हर्जाने का फैसला समय से पहले जारी किया और ग्लास ट्रस्ट ने सुनवाई से पहले अपनी हर्जाने की मांग वापस ले ली थी। उनकी टीम का कहना है कि अदालत ने गलती से डिफॉल्ट फैसले में हर्जाने का पंचाट शामिल कर दिया, जबकि यह केवल दस्तावेज़ और जानकारी समय पर न देने के लिए दिया जाना चाहिए था।

रवींद्रन ने मीडिया को बताया कि पिछले दो सालों से ग्लास ट्रस्ट उनकी और कंपनी की छवि खराब करने में लगा रहा है। उन्होंने कहा कि यह धन टीएलपीएल और कंपनी के विस्तार के लिए इस्तेमाल किया गया। रवींद्रन ने स्पष्ट किया कि आने वाले समय में वह और अन्य संस्थापक भारतीय और अमेरिकी अदालतों में मुकदमा दायर करेंगे। रवींद्रन का कहना है कि साक्ष्य जल्द ही भारतीय अदालतों के साथ भी साझा किए जाएंगे। ग्लास ट्रस्ट ने इस मामले पर अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

न्यूज ब्रीफ

मीशो की आईपीओ के जरिए 5,421 करोड़ जुटाने की योजना

नई दिल्ली। ई-कॉमर्स कंपनी मीशो, जो सॉफ्टबैंक समर्थित है, अपने प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए 5,421 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखती है। कंपनी ने इसके लिए 105-111 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। आईपीओ के ऊपरी छोर पर मीशो का कुल मूल्यांकन लगभग 50,096 करोड़ रुपये (5.6 अरब डॉलर) होगा। बड़े निवेशक (एंकर) बोली 2 दिसंबर, आम निवेशकों के लिए बोली 3 से 5 दिसंबर को लगा सकेंगे। इसके आईपीओ की शेयर बाजार में लिस्टिंग 12 दिसंबर को होगी। इस आईपीओ में 4,250 करोड़ रुपये नए शेयर और 1,171 करोड़ रुपये ओएफएस (पुराने शेयरों की बिक्री) शामिल हैं। मीशो का यह कदम कंपनी को विस्तार के लिए नई पूंजी जुटाने और निवेशकों को तरलता प्रदान करने में मदद करेगा।

एक्वस का 922 करोड़ का आईपीओ 3 दिसंबर से खुलेगा

नई दिल्ली। एक्वस जो टिकाऊ उपभोक्ता उत्पादों और एयरोस्पेस कल-पुर्जों के अनुबंध पर विनिर्माण में विशेषज्ञता रखती है, ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए प्राइस बैंड 118-124 रुपए प्रति शेयर तय किया है। कंपनी का आईपीओ कुल 922 करोड़ रुपए का है, जिसमें 670 करोड़ रुपए नए शेयर जारी करने से और 252 करोड़ रुपए की बिक्री पेशकश शामिल है। कुल ओएफएस में 2.03 करोड़ शेयर शामिल हैं। आईपीओ 3 दिसंबर से 5 दिसंबर तक निवेशकों के लिए खुला रहेगा। बड़े (एंकर) निवेशक 2 दिसंबर को बोली लगा सकते हैं। एक्वस अपने शेयरों को 12 दिसंबर को शेयर बाजार में सूचीबद्ध कर सकती है। इस आईपीओ के जरिए कंपनी पूंजी जुटाकर अपने उत्पादन और विकास परियोजनाओं का विस्तार करने की योजना बना रही है।

रतन टाटा का सेशेल्स बीचफ्रंट विला बिकाऊ, 85 लाख वाली प्रॉपर्टी के 55 करोड़ देने को तैयार है ग्राहक

नई दिल्ली। सेशेल्स के माहे द्वीप पर स्थित रतन टाटा का खूबसूरत बीचफ्रंट विला एक बार फिर सुर्खियों में है। टाटा को यह संपत्ति इसलिए मिल सकी थी क्योंकि सेशेल्स सरकार ने उन्हें विशेष अनुमति दी थी, जबकि देश में आमतौर पर विदेशी नागरिकों को प्रॉपर्टी खरीदने की अनुमति नहीं होती। उस समय एयरसेल के संस्थापक सी. शिवशंकरन ने इस विला की खरीद में रतन टाटा की मदद की थी। अब जानकारी सामने आई है कि शिवशंकरन और उनका परिवार या सहयोगी इस विला को खरीदने में गहरी दिलचस्पी दिखा रहे हैं। विला की आधिकारिक वैल्यूएशन पेशेवर विशेषज्ञों द्वारा लगभग 85 लाख रुपये आंकी गई है, लेकिन संभावित खरीदार इसे करीब 6.2 मिलियन डॉलर (लगभग 55 करोड़ रुपये) में खरीदने की इच्छा जता रहे हैं। यदि यह सौदा पूरा होता है, तो बिक्री से प्राप्त राशि रतन टाटा एंडॉवमेंट फाउंडेशन और रतन टाटा एंडॉवमेंट ट्रस्ट के पास जाएगी। उल्लेखनीय है कि रतन टाटा ने अपनी वसीयत में इस विला को अपनी निवेश फर्म आरएनटी एसोसिएट के नाम किया था, जो सिंगापुर में पंजीकृत है और भारत के कई उभरते स्टार्टअप्स में निवेश कर चुकी है। हालांकि, डील अभी फाइनल नहीं हुई है। जब शिवशंकरन से विला खरीदने की संभावित बातचीत के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता आप किस बारे में बात कर रहे हैं। यह बयान संकेत देता है कि बातचीत भले चल रही हो, पर अभी समझौता पक्का नहीं हुआ है।

एफटीए पर अमेरिका, ईयू सहित 50 देशों के साथ वार्ता कर रहा है भारत : गोयल

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत इस समय अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) सहित करीब 50 देशों और कई व्यापारिक साझेदारों के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत कर रहा है।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) की 98वीं सालाना आम बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही। गोयल ने कहा कि भारत इन समझौतों के जरिये अपने विश्वसनीय व्यापारिक साझेदारों के साथ काम कर रहा है। गोयल ने कहा कि हम सभी ने व्यापार को हथियार बनते देखा है। हम सभी ने दुनियाभर में विश्वसनीय साझेदारों के महत्व को देखा है।

उन्होंने कहा कि इस समय भारत, अलग-अलग देशों और करीब 50 राष्ट्र समूहों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों पर बातचीत कर रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत, ओमान के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहा है। साथ ही बहरीन तथा कतर भी वार्ता में शामिल होना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि खाड़ी सहयोग परिषद् (जीसीसी) से भी बातचीत हो रही है। गोयल ने कहा कि देश, आसियान और कोरिया के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) की भी समीक्षा कर रहा है, ताकि इसमें और संतुलन लाया जा सके। उन्होंने कहा कि हम ईएईयू (यूरेशिया स्थित आर्थिक संघ) के साथ काम कर रहे हैं जिसने कल या परसों ही बातचीत शुरू की है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हम इजराइल के साथ भी जल्द ही बातचीत शुरू करने के लिए समान रूप से प्रतिबद्ध हैं। कनाडा और भारत, व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) पर विचार कर रहे हैं। अगले हफ्ते वे इस पर बातचीत शुरू करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका सीमा शुल्क संघ (एसएसीयू) और मर्कोसुर समूह (दक्षिण अमेरिका का एक क्षेत्रीय व्यापारिक समूह) भी बातचीत करना चाहते हैं।

फिक्की की 98वीं सालाना आम बैठक और सालाना कन्वेंशन, जिसका विषय है- 'भारत: आत्मनिर्भर आर्थिक महाशक्ति', पर नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि हम न्यूजीलैंड से बात कर रहे है, हम अमेरिका और 27 देशों के यूरोपीय संघ के साथ सक्रिय रूप से बातचीत कर रहे हैं। इससे पहले फिक्की अध्यक्ष हर्षवर्धन अग्रवाल ने 98वीं एनुअल जनरल मीटिंग (एजीएम) के दौरान केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल का ग्रीन सर्टिफिकेट देकर स्वागत किया।

एग्रेसिव हाइब्रिड म्यूचुअल फंड' की परिसंपत्ति बढ़कर 2.5 लाख करोड़ पहुंची

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)।

निवेशकों के बीच एग्रेसिव हाइब्रिड म्यूचुअल फंड की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के अनुसार, अक्टूबर 2025 तक इस श्रेणी का परिसंपत्ति आधार (एयूएम) 2.5 लाख करोड़ रुपए हो गया, जो सालाना आधार पर 13 फीसदी की वृद्धि है। अक्टूबर 2024 में यह 2.21 लाख करोड़ रुपये था।

निवेशक आधार भी मजबूत हुआ, और फोलियो की संख्या 56.41 लाख से बढ़कर 60.44 लाख हो गई। यह वृद्धि ऐसे समय में हुई जब निफ्टी ने एक साल के लिए गिरावट और उच्च अस्थिरता देखी। विशेषज्ञों के अनुसार, निवेशक ऐसे फंड की ओर आकर्षित हो रहे हैं जो इक्विटी और डेट दोनों में निवेश कर विकास और स्थिरता का संतुलन प्रदान करे। एग्रेसिव हाइब्रिड फंड्स ने विभिन्न समय-सीमाओं में मजबूत रिटर्न दिया है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इक्विटी एंड डेब्ट फंड ने दो-वर्षीय सीएजीआर 19.6 फीसदी और पांच-वर्षीय सीएजीआर 24.7 फीसदीप के साथ शीर्ष प्रदर्शन किया। इसके बाद महिंद्रा मेनुलाइफ एग्रेसिव हायब्रिड फंड ने क्रमशः 19.3 और 20.4 फीसदी का रिटर्न दिया। बंधन, एडलविश और इनवेस्को इंडिया के फंड्स ने भी दो अंकों का रिटर्न दर्ज किया, जबकि निफ्टी का पांच साल का रिटर्न केवल 13.1 फीसदी रहा।

अक्टूबर 2024 में परिसंपत्ति 2.21 लाख करोड़ रुपए थी

प्रथम पृष्ठ का शेष...

मानवता...

सुखाय, ये हमारी नीतियां हैं और इनके पीछे भगवान श्री कृष्ण के इन्हीं श्लोकों की प्रेरणा है। भगवान श्री कृष्ण हमें गरीबों की सहायता का मंत्र देते हैं और इसी की प्रेरणा आयुष्मान भारत और पीएम आवास जैसी स्कीम का आधार बन जाती है। भगवान श्री कृष्ण हमें नारी सुरक्षा, नारी सशक्तीकरण का ज्ञान सिखाते हैं और उसी ज्ञान की प्रेरणा से देश नारी शक्ति वंदन अधिनियम का ऐतिहासिक निर्णय करता है।

श्रीकृष्ण हमें सबके कल्याण की बात सिखाते हैं और यही बात वैक्सीन मैत्री, सोलर अलायंस और वसुधैव कुटुंबकम की हमारी नीतियों का आधार बनती है। प्रधानमंत्री ने कहा , भगवद् गीता जीवन में हमें कर्तव्यों तथा संकल्पों का बोध कराती है और इस मौके पर वह ऐसे नौ संकल्प लेने का आग्रह करते हैं और जो जीवन में वर्तमान और भविष्य की सिद्ध के लिए आवश्यक है। जल संरक्षण को पहला संकल्प बताते हुए उन्होंने कहा , इसके तहत पानी और नदियों को बचाना है। दूसरा संकल्प पेड़ लगाने का होना चाहिए जिससे देशभर में एक पेड़ मां के नाम अभियान को गति मिल रही है। तीसरा संकल्प देश के कम से कम एक ग़रीब का जीवन सुधारने के प्रयास का हो और चौथा संकल्प जिम्मेदार नागरिक के रूप में स्वदेशी को अपनाने का हो। आत्मनिर्भर भारत स्वदेशी के मंत्र पर आगे बढ़ रहा है और इससे अर्थव्यवस्था, उद्योग, तकनीकी आदिमजबूती से खड़े हो रहे हैं इसलिए वोकल फार लोकल हमारा मंत्र होना चाहिए।

श्री मोदी ने कहा पाँचवे संकल्प के रूप में हमें नैचुरल फार्मिंग को बढ़ावा देना होना चाहिए जबकि छठा संकल्प स्वस्थ जीवनचर्या हो जिसके लिए मोटा अनाज अपनाएंगे, और खाने में तेल की मात्रा कम करेंगे। हमारा सातवां संकल्प योग को जीवन का हिस्सा बनाए। आठवां संकल्प पांडुलिपियों के संरक्षण का हो जिनमें पुरातन ज्ञान छिपा है। इस ज्ञान को संरक्षित करने के लिए केंद्र सरकार ज्ञान भारतम मिशन पर काम कर रही है।नौवां संकल्प बताते हुए उन्होंने कहा कि कम से कम देश के 25 ऐसे स्थानों का दर्शन करें जो हमारी विरासत से जुड़े हैं। कुरुक्षेत्र की यात्रा की करने की सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि इस पर जाकर भगवान श्रीकृष्ण का जीवन दर्शन को देखें। गुजरात में हर साल भगवान श्रीकृष्ण और मां रुक्मिणी के विवाह को समर्पित माधवपुर मेला लगता है।

देश के कोने-कोने से और खासकर के नॉर्थ ईस्ट से बहुत से लोग इस मेले में खासतौर पर पहुंचते हैं। आप भी अगले साल इसमें जाने का प्रयास जरूर करें। उन्होंने कहा, भगवान श्री कृष्ण का पूरा जीवन, गीता का हर अध्याय, कर्म, कर्तव्य और कल्याण का संदेश देता है। हम भारतीयों के लिए 2047 का काल सिर्फ अमृत काल ही नहीं, विकसित भारत के निर्माण का एक कर्तव्य काल भी है। कर्तव्य की इसी भावना पर चलते हुए विकसित कर्नाटका, विकसित भारत का स्वप्न भी साकार होगा।

श्री मोदी ने कहा राम चरित मानस में लिखा है- कलिजुग केवल हरि गुन गाहा। गावत नर पावहिं भव थाहा अर्थात, कलियुग में केवल भगवद् नाम और लीला का कीर्तन ही परम साधन है। हमारे समाज में मंत्रों का, गीता के श्लोकों का पाठ शताब्दियों से हो रहा है, पर जब एक लाख कंठ, एक स्वर में इन श्लोकों का ऐसा उच्चारण करते हैं, जब इतने सारे लोग, गीता जैसे पुण्य ग्रंथ का पाठ करते हैं, जब ऐसे दैवीय शब्द एक स्थान पर, एक साथ गूंजते हैं, तो एक ऐसी ऊर्जा निकलती है, जो हमारे मन को, हमारे मस्तिष्क को एक नया स्पंदन, एक नयी शक्ति देती है।

श्री मोदी ने कहा गुजरात तथा उडुपी के बीच एक गहरा और विशेष संबंध रहा है। मान्यता है कि यहां स्थापित भगवान श्री कृष्ण के विग्रह की पूजा पहले द्वारका में माता रुक्मिणी करती थीं। बाद में जगद्गुरु श्री मध्वाचार्य जी ने इस प्रतिमा को यहां प्रतिष्ठापित किया। अभी पिछले ही वर्ष मैं समुद्र के भीतर श्री द्वारका जी का दर्शन करने गया था, वहां से भी आशीर्वाद ले आया। आप खुद समझ सकते हैं कि मुझे इस प्रतिमा के दर्शन करके क्या अनुभूति हुई होगी। इस दर्शन ने मुझे एक आत्मीय आध्यात्मिक आनंद दिया है। उडुपी जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी के सुशासन की, मॉडल की कर्मभूमि रही है। उडुपी के लोगों ने 1968 में जनसंघ के हमारे वीएस आचार्या जी को, यहां की नगर पालिका परिषद में विजयी बनाया था। आज हम स्वच्छता के जिस अभियान को राष्ट्रीय रूप देख रहे हैं, उसे उडुपी ने पांच दशक पहले अपनाया था। उडुपी ने ही 70 के दशक में इन कार्यक्रमों की शुरुआत की थी।

देश में सांस्कृतिक...

इस अवसर पर उन्होंने सामाजिक एकता के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, म विकसित भारत का रास्ता एकता से होकर जाता है। जब समाज जुड़ता है, जब हर क्षेत्र-हर वर्ग एक साथ खड़ा होता है, तभी राष्ट्र बड़ी छलांग लगाता है। उन्होंने कहा कि श्री संस्थान गोकर्ण पर्तगाळी जीवोत्तम मठ का प्रमुख ध्येय लोगों को जोड़ना, मन को जोड़ना, परंपरा और आधुनिकता के बीच सेतु बनाना है। उन्होंने विकसित भारत की यात्रा में इस मठ को प्रेरणा का एक प्रमुख केंद्र बताया। इस मठ का 550 साल का अनुभव हमें बताता है, परंपरा अगर जीवित रहे, तो समाज आगे बढ़ता है, और परंपरा तभी जीवित रहती है, जब वो समय के साथ अपनी जिम्मेदारी बढ़ाती है। इस मठ ने 550 वर्षों में समाज को जो दिया है, अब वही ऊर्जा हमें आने वाले भारत के निर्माण में लगानी है।उन्होंने यह भी कहा कि भारत आज एक निर्णायक दौर से गुजर रहा है। देश की युवा शक्ति, हमारा बढ़ता आत्मविश्वास, और सांस्कृतिक जड़ों के प्रति हमारा झुकाव, ये सब मिलकर एक नए भारत का निर्माण कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित भारत का हमारा संकल्प तभी पूरा होगा, जब आध्यात्म, राष्ट्र-सेवा और विकास की तीनों धाराएं साथ चलें। गोवा की ये भूमि, और यहां का ये मठ, उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।श्रीमद नारायणतीर्थ स्वामीजी द्वारा, 1475 में स्थापित यह मठ उसी ज्ञान-परंपरा का विस्तार है। और उसका मूल स्रोत जगद्गुरु श्री मध्वाचार्य जैसे अद्वितीय आचार्य हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज इस मठ के साथ जो नए आयाम जुड़े हैं, वे आने वाली पीढ़ियों के लिए ज्ञान, प्रेरणा और साधना के स्थायी केंद्र बनने जा रहे हैं। यहां एक संग्रहालय का विकास किया जा रहा है और आधुनिक तकनीक से सुसज्जित 3डी थिएटर है। इनके माध्यम से मठ अपनी परंपरा को संरक्षित करते हुए नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं से जोड़ रहा है।

श्री मोदी ने कहा कि इस मठ की एक पहचान, वो सेवा भावना है जिसने सदियों से समाज के हर वर्ग को सहारा दिया है। सदियों पहले जब इस क्षेत्र पर विपरीत परिस्थितियाँ आईं, जब लोगों को अपने घर-परिवार छोड़कर नए प्रदेशों में शरण लेनी पड़ी, तब इसी मठ ने समुदाय को सहारा दिया। उन्हें संगठित किया और नए स्थानों पर मंदिरों, मठों और आश्रय स्थलों की स्थापना की। इस मठ ने धर्म के साथ-साथ मानवता और संस्कृति की भी रक्षा की।

श्री मोदी अपने सामाजिक राजनीतिक जीवन में गोवा की भूमि से जुड़ाव का विशेष रूप से उल्लेख किया। उन्होंने कहा, म मेरे जीवन के कई पढ़ाव ऐसे हैं, जिसमें गोवा बड़ा महत्वपूर्ण स्थान पर रहा है, ये कैसे हुआ होगा वो मैं तो नहीं जानता, लेकिन ये सच्चाई है कि हर टर्निंग पॉइंट पर यह गोवा की भूमि ही मुझे कहां से कहां ले जाती रही है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री...

वरिष्ठ कांग्रेस नेता श्रीप्रकाश जायसवाल जी के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। वे कांग्रेस की विचारधारा में रचे-बसे थे और उन्होंने केंद्रीय मंत्री के रूप में पूरी निष्ठा से कार्य किया। उनके निधन से पार्टी को अपूरणीय क्षति हुई है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और परिजनों को संबल दें। ॐ शांति।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट कर उनके निधन पर दुख जताया है। बता दें कि, पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल का शुक्रवार को कानपुर में लंबी बीमारी से जूझते हुए निधन हो गया। वे पहले केंद्र में गृह राज्य मंत्री और बाद में कोयला मंत्री के पद पर काम कर चुके थे। पिछले कुछ समय से उनकी तबीयत लगातार खराब चल रही थी।सीएम योगी ने पोस्ट करते हुए कहा, पूर्व केंद्रीय मंत्री, वरिष्ठ राजनेता श्री श्रीप्रकाश जायसवाल जी का निधन अत्यंत दुःखद है। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान व शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। अस्पताल सूत्रों के मुताबिक, शुक्रवार दोपहर उनकी हालत अचानक बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें कानपुर के कार्डियोलॉजी अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद बताया कि वे अस्पताल पहुंचने से पहले ही दम तोड़ चुके थे। अस्पताल के निदेशक डॉ. राकेश वर्मा ने भी उनकी मृत्यु की पुष्टि की।

पचास देश के...

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत उन देशों के साथ एफटीए पर बात कर रहा है जो हमारे व्यापार के लिए महत्वपूर्ण है और विकसित देश है ताकि हम एक दूसरे के पूरक बन सकें। उन्होंने कहा कि भारत के साथ दुनिया के सभी देश एफटीए करना चाहते हैं क्योंकि यहां ऐसी सरकार है जिसकी नीति कारोबार और सार्वजनिक हित को बढ़ावा देती है। यहां कारोबार की आसानी है, हमने प्रासंगिकता खो चुके पुराने नियमों को बदला है। यहां युवा आबादी है जो टेक्नोलॉजी को तेजी से अपनाने में सक्षम है। अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि हमारे युवा आरएंडडी को अपनाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं, लेकिन इसके साथ ही उद्योग जगत से अपील की कि वह भी इसमें अपनी भूमिका निभाये। उन्होंने कहा कि यदि सरकार 1.20 करोड डॉलर आरएंडडी के लिए देती है तो इससे निजी और विदेशी उद्योगों को प्रोत्साहित होकर इसमें और पैसा लगाना चाहिये, और यह अपेक्षा की जाती है कि कम से कम 15 करोड़ डॉलर का आरएंडडी होगा। श्री गोयल ने देश की अर्थव्यवस्था के मजबूत संकेतकों का जिक्र करते हुए कहा कि इस समय देश का विदेशी मुद्रा भंडार ऐतिहासिक स्तर पर है। मुद्रास्फीति की दर एक दशक में सबसे कम है। ब्याज दर कम बनी हुई है। बैंकों का एनपीए आधा फीसदी से भी कम है। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर ऊंची बनी हुई है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पहले यह माना जाता था कि अच्छी अर्थव्यवस्था और अच्छी राजनीति एक साथ नहीं हो सकती, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने इस अवधारणा को खंडित कर दिया है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता हमारे देश के डीएनए में है। आज यह हमारा मिशन बन चुका है।

राम मंदिर के ध्वज पर बने है ऊँ सहित तीन विशेष चिन्ह, जानें इनका धार्मिक महत्व

अयोध्या में भव्य ध्वजारोहण होने जा रहा है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भगवान राम के भव्य मंदिर पर केसरिया रंग के को ध्वज फरहाएंगे। यह ध्वज बेहद ही खास है क्योंकि, इस ध्वज पर ओम, सूर्यदेव और कोविदार वृक्ष को चित्रित किया गया है। इन तीनों चिन्हों को विशेष धार्मिक महत्व बताया गया है।

कैसा है ध्वज ?

राम मंदिर के शिखर पर फहराया जाने वाला ध्वज केसरिया रंग का है और ध्वज की लंबाई 22 फुट और चौड़ाई 11 फुट है। बता दें कि राम मंदिर में एक ध्वज नहीं बल्कि राम मंदिर के परकोटा के छह मंदिरों में भी ध्वज फहराया जाएगा। बता दें कि यह भी ध्वज अहमदाबाद में ही तैयार किए गए हैं।

ध्वज में ओम का क्या है अर्थ

अयोध्या के राम मंदिर पर फहराया जानें वाला ध्वज पर ओम का चिन्ह हैं। ओम को सनातन धर्म में बहुत ही शुभ माना गया है। यह हिंदू धर्म के शुभ प्रतीकों में से एक है। ऐसा मान्यता है कि इसके प्रभाव से विशेष सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। सनातन धर्म में मंत्रों में भी ओम का उच्चारण किया जाता है। ओम को सभी भगवानों का संयुक्त रूप माना जाता है।

ध्वज में सूर्य के चिन्ह का क्या अर्थ है

राम मंदिर के इस ध्वज पर सूर्य का चिन्ह भी बनाया गया है। मान्यताओं के अनुसार, भगवान राम सूर्यवंशी थे। सूर्य देवता के पुत्र वैवस्वत मनु से यह सूर्यवंश का प्रारंभ हुआ था। ऐसा कहा जाता है कि जिस समय भगवान राम का जन्म हुआ था। उस समय सूर्यदेव का रथ रुक गया था। उस समय एक महीने तक रात ही नहीं हुई थी। साथ ही भगवान राम भी सूर्यदेव की साधना करते थे।

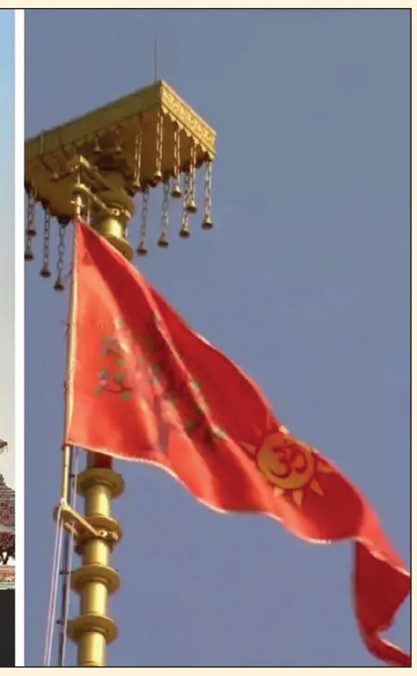

साथ ही रावण पर विजय प्राप्त करने के लिए भी भगवान राम ने महर्षि अगस्त्य के कहने पर सूर्यदेव की विशेष पूजा की थी।

कोविदार वृक्ष का महत्व

कोविदार वृक्ष का पौराणिक ग्रंथों में विशेष महत्व बताया गया है। यह अयोध्या का पावन वृक्ष था। यह उस समय ध्वज पर अंकित किया जाता था। मान्यताओं के अनुसार, भगवान भगवान राम माता सीता और लक्ष्मण जी के साथ वनवास के लिए जा रहे थे तो उस समय भरत उन्हें रोकने के लिए सेना के साथ जाते हैं सेना का शोर सुनकर जब भगवान राम लक्ष्मण जी से पूछते हैं कि यह शोर कैसा है तो वह उत्तर की तरफ से आ रही सेना तो देखते हैं वह सेना के ध्वज पर बने कोविदार वृक्ष को देखकर पहचानते हैं की सेना अयोध्या की है। इसलिए इन तीन चिन्हों को ध्वज के ऊपर अंकित किया गया है।

माता लक्ष्मी को प्रसन्न करने के सरल उपाय

माता लक्ष्मी जिस व्यक्ति पर प्रसन्न रहते हैं तो उस व्यक्ति को कभी भी धन धान्य की कमी नहीं झेलनी पड़ती है। साथ ही घर परिवार में भी खुशहाली बनी रहती है। माता लक्ष्मी का प्रसन्न होने पर व्यक्ति ने केवल पारिवारिक सुख पाता है बल्कि समाज में भी मान प्रतिष्ठा बढ़ती है। लेकिन, अगर मां लक्ष्मी किसी व्यक्ति से नाराज हो जाएं तो ऐसे में व्यक्ति को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे व्यक्ति को बार बार कामकाज में रुकावट, आर्थिक तंगी और सामाजिक स्तर पर अपमान का सामना करना पड़ता है।

माता लक्ष्मी को नाराज होने के 5 संकेत

✼ अगर आपके घर में किसी नल से पानी लगातार टपकता रहता है तो ऐसा होने पर आपको धन हानि का सामना करना पड़ता है। पानी का टपकना शुभ नहीं होता है। अगर आपके घर में नल से लगातार पानी टपकता रहता है तो माता लक्ष्मी आपसे नाराज हो सकती हैं।

✼ अगर आपकी सोना-चांदी की चीजें खो जाती हैं और बार बार आपका पैसे गुम हो जाते हैं तो यह शुभ संकेत नहीं है। इसका मतलब है कि माता लक्ष्मी आपसे नाराज हैं। ऐसे में कोशिश करें की आप अपनी कीमती चीजों का अधिक से अधिक ख्याल रखें।

✼ अगर आपको बार बार धन हानि से जुड़े सपने आते हैं तो आपको थोड़ा सतर्क होने की जरूरत है। क्योंकि, यह एक कारण हो सकता है कि माता लक्ष्मी आपसे नाराज है। ऐसे सपने आने पर माता लक्ष्मी की सच्चे मन से आराधना करें।

✼ अगर दूध उबालते समय बार बार आपका दूध गिरता रहता है तो समझ जाए की माता लक्ष्मी आपसे नाराज हैं।

✼ तुलसी के पौधे को माता लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। अगर आपके घर में लगा तुलसी का पौधा बार बार सुख जाता है तो इसका मतलब है कि माता लक्ष्मी आपसे रुष्ट हैं। साथ ही अगर आपके घर में मनी प्लांट लगा है और वह भी बार बार सुख जाता है तो यह भी माता लक्ष्मी का नाराज होने का प्रतीक है।

माता लक्ष्मी को ऐसे करें प्रसन्न

✼ माता लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए शुक्रवार के दिन मां लक्ष्मी को कमल के फूल अर्पित करें।

✼ अपने घर को नियमित रूप से साफ रखें क्योंकि, माता लक्ष्मी को साफ सफाई अधिक प्रिय है। साथ ही राजोना श्री सूक्त का पाठ करें। ऐसा करने से माता लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं।

✼ रोजाना सुबह के समय अपने घर में शंख बजाएं। क्योंकि, माता लक्ष्मी को शंख की आवाज अति प्रिय है।

पूजा, पाठ, अनुष्ठान से जुड़े पारम्परिक एवं शास्त्र सम्मत शब्दावली एवं उनके अर्थ और महत्व

पंचोपचार पूजन- गन्ध, पुष्प, धूप, दीप तथा नैवैद्य द्वारा पूजन करने को 'पंचोपचार पूजन' कहते हैं।

षोडशोपचार पूजन- आवाहन्, आसन, पाद्य, अर्घ्य, आचमन, स्नान, वस्त्र, अलंकार, सुगंध, पुष्प, धूप, दीप, नैवैद्य, अक्षत, ताम्बूल तथा दक्षिणा, इन सबके द्वारा पूजन करने की विधि को 'षोडशोपचार पूजन' कहते हैं।

दशोपचार पूजन- पाद्य, अर्घ्य, आचमनीय, मधुपर्क, आचमन, गंध, पुष्प, धूप, दीप तथा नैवैद्य द्वारा पूजन करने की विधि को 'दशोपचार पूजन' कहते हैं।

पंचामृत- दूध, दही, घृत, मधु/शहद तथा शक्कर इनके मिश्रण को 'पंचामृत' कहते हैं।

त्रिधातु- सोना, चांदी और लोहा कुछ विद्वानों के मतानुसार सोना, चांदी, तांबा इनके मिश्रण को भी 'त्रिधातु' कहते हैं।

पंचधातु- सोना, चांदी, लोहा, तांबा और जस्ता, इन पांचों का मिश्रण पंचधातु में समाहित रहता है।

अष्टधातु- सोना, चांदी, लोहा, तांबा, जस्ता, रांगा, कांसा और पारा, इन आठों का मिश्रण अष्टधातु कहलाता है।

नैवैद्य- खीर, मिष्ठान आदि मीठी वस्तुऐं।

भारतीय ज्योतिष में नवग्रह- सूर्य, चन्द्र, मंगल, बुध, गुरु, शुक्र, शनि, और छाया ग्रह राहु-केतु

नवरत्न- माणिक्य, मोती, मूंगा, पन्ना, पुख-राज, हीरा, नीलम, गोमेद, और लहसुनिया

गंधत्रय- सिन्दूर, हल्दी, कुमकुम

भोजपत्र- एक वृक्ष की छाल, यंत्र निर्माण के लिए शुभ मुहूर्त देखकर अनार की कलम से अष्टगंध की स्याही बनाकर भोजपत्र पर शुभ यंत्र अंकित कर चांदी अथवा तांबे के कवच में बन्द कर गले अथवा बाजूबंद में धारण किया जाना सर्वाधिक प्रचलित है।

पंचांग- तिथि, वार, नक्षत्र, योग और करण, इन पांचों का समावेश जहां पर होता है, उसे पंचांग कहते हैं। पंचांग द्वारा शुभ-अशुभ मुहूर्त इत्यादि का ज्ञात किया जाता है। प्रत्येक ज्योतिषी को पंचांग देखने में महारत हासिल होना अनिवार्य है। पंचांग के माध्यम से ग्रह गोचर सहित ग्रहों का उदय-अस्त जाना जाता है, पहले के समय में पंचांग के द्वारा हस्तलिखित जन्मपत्री निर्मित होती थी। आज के समय में कम्प्यूटर द्वारा जन्मपत्री का प्रचलन प्रारम्भ हो गया है।

दशांश- दसवां भाग, धर्मशास्त्रों को दशांश का विशेष महत्व बताया गया है, अपनी मेहनत से अर्जित कमाई का कम से कम दशांश दान करने से कभी भी जीवन में अनिष्ट ग्रहों की पीड़ा, अपयश, आकस्मिक दुर्घटना आदि से हानि नहीं होती है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी शुद्ध आय का दशांश अवश्य दान करना चाहिए। मंत्र जाप के दौरान सम्पूर्ण मंत्र संख्या का दशांश हवन, तर्पण, मार्जन एवं ब्राह्मण भोज कराने पर जप का सम्पूर्ण फल प्राप्त होता है।

दैवीय सहायता के बिना कोई भी भविष्यवाणी पूर्ण सत्य का रूप नहीं ले पाती

मनुष्य प्रयास करता है, ग्रह संकेत देते हैं, गणित दिशा बताता है, लेकिन फल की पूर्णता तभी संभव होती है जब दैवीय शक्ति की स्वीकृति प्राप्त हो। दैवीय अनुकम्पा वह सूक्ष्म ऊर्जा है जो असंभव को संभव बनाती है, बाधाओं को हटाती है और जीवन की दिशा को सहज रूप से बदल देती है, इसलिए हर भविष्यवाणी तब तक अधूरी है जब तक उस पर ईश्वरीय तत्व की मुहर नहीं लगती।

ज्योतिषी इन चारों तत्वों के समीकरण को देखकर जीवन के विभिन्न क्षेत्रों का अनुमान लगाता है, परंतु इसके बाद भी एक ऐसा पाँचवाँ तत्व है जो मनुष्य के वश में नहीं, वह है ईश्वरीय तत्व या दैवीय अनुकम्पा, जो घटनाओं के अंतिम रूप का निर्धारण करता है। जब तक ईश्वर की कृपा का यह पाँचवाँ तत्व सक्रिय न हो, तब तक चारों तत्वों पर आधारित कोई भी भविष्यवाणी परिपूर्ण सिद्ध नहीं होती। इसलिए ज्योतिष मार्गदर्शन देता है, दिशा दिखाता है, पर अंतिम फल तो दैवी इच्छा और अनुकम्पा से ही प्रकट होता है।

जन्मकुण्डली में राशि और ग्रहों के माध्यम से सिर्फ अग्नि, पृथ्वी, वायु और जल, चार तत्व ही जाने जा सकते हैं जबकि मानव शरीर पांच तत्वों से मिलकर बना है, आकाश तत्व जन्मकुण्डली में नहीं होता। जन्मकुण्डली का विश्लेषण करते समय चार तत्वों पर आसानी से विचार किया जा सकता है किन्तु पांचवां तत्व ईश्वरीय संरक्षण में है। इसको इस प्रकार समझना चाहिए जैसे डॉक्टर सिर्फ दवा दे सकता है, जख्म की मरहम पट्टी कर सकता है पर जख्म के घाव को भरने में ईश्वरीय अनुकम्पा की जरूरत पड़ती है। अगर पांचवां तत्व मानवीय हाथों में हो, तो डॉक्टर के द्वारा दी गई औषधि से प्रत्येक मरीज को स्वास्थ्य लाभ शत-प्रतिशत प्राप्त हो, परन्तु ऐसा आज तक देखने में नहीं आया।

हां, यह अवश्य है कि कुछ समय के लिए चाहें वो डॉक्टर हो या ज्योतिषी के ऊपर ईश्वरीय अनुकम्पा श्री के रूप में होती है, ऐसे में कुछ समय के लिए ईश्वर द्वारा पांचवां तत्व उसे नवाजा जाता है ताकि लोक कल्याण हो सके। ज्योतिष अपने ज्ञान व अनुभव के आधार पर विशेष प्रकार के जातक पर विशेष प्रकार की प्रणाली के सूत्रों का प्रयोग कर फलकथन का प्रयास करता है। यद्यपि पूर्ण सत्य तो सर्वज्ञ ईश्वर ही जानता है तथापि अपने अनुभवजन्य ज्ञान एवं अनुसंधान के आधार पर की गई भविष्यवाणी के सफल होने पर ज्योतिष वर्ग को एक विशेष प्रकार की शक्ति ईश्वरीय अनुकम्पा की आवश्यकता पड़ती है।

अनफा योग से निम्न राशियों को होगा धन लाभ

आज यानी 29 नवंबर 2025, शनिवार को चंद्रमा से दूसरे भाव में शनि के गोचर से अनफा योग बन रहा है। इस शुभ योग के प्रभाव से व्यक्ति को भाग्य का साथ मिलता है और हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त होती है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, अनफा योग के कारण व्यक्ति को जीवन में सुख-सुविधाएं, करियर में सफलता और आर्थिक स्थिरता मिलती है। ऐसे में शनिवार का दिन कर्क और तुला सहित कई राशियों के लिए धन लाभ के अवसर लेकर आ रहा है।

मेष – मेष राशि के जातकों को पुराने मित्रों का सहयोग मिलेगा। आपके अच्छे मित्रों की संख्या भी बढ़ेगी। आज परिवार से उत्तम सहयोग प्राप्त हो सकता है। मधुर वाणी से संबंधों में मधुरता आएगी। आज आपको किसी संस्था द्वारा सम्मानित किए जाने की संभावना दिख रही है। रात्रि का समय परिवारजनों के साथ बीतेगा।

वृष – आज का दिन वृषभ राशि वालों का बहुत व्यस्त रहने वाला है। ज्यादा भागदौड़ में सावधानी बरतें, पांव में चोट लगने का भय है। आपकी निर्णय लेने की क्षमताओं का आपको आज लाभ मिल सकता है। आज रुके हुए कार्यों की पूर्ति होगी। किसी काम में एक वस्तु के बदले दूसरी वस्तु का आदान-प्रदान करना पड़े तो दिल खोलकर करें, आगे चलकर उसका भरपूर लाभ मिलेगा। सायंकाल किसी मांगलिक समारोह में शामिल होने का अवसर प्राप्त होगा।

मिथुन –मिथुन राशि वालों को आज फिजूल के खर्चों से बचना चाहिए। यदि आप किसी शारीरिक रोग से पीड़ित हैं तो आज कष्ट में वृद्धि हो सकती है। सामाजिक क्रियाकलापों में व्यवधान उपस्थित होगा। कुछ अकस्मात लाभ होने से आपकी धर्म, आध्यात्म के प्रति रुचि सुदृढ़ होगी। संतान पक्ष से हर्ष वर्धक समाचार मिलेगा। सायं से लेकर रात्रि तक गाने बजाने तथा संगीत में रुचि बढ़ेगी।

कर्क –भाग्य की दृष्टि से आज का दिन कर्क राशि के जातकों को लिए उत्तम रहेगा। आपके परिश्रम का फल अच्छा मिलेगा। संतान के प्रति आपका विश्वास और अधिक मजबूत होगा। आज ननिहाल पक्ष से प्रेम एवं विशेष सहयोग मिलने की संभावना है। आज अपनी शान शौकत के लिए धन खर्च करेंगे जिससे आपके शत्रु परेशान होंगे। माता-पिता का आज विशेष ध्यान रखें।

सिंह –सिंह राशि के लोगों के लिए आज का दिन मिश्रित फल कारक है। मानसिक अशांति, खिन्नता एवं उदासीनता के कारण आप भटक सकते हैं। माता-पिता के सहयोग और आशीर्वाद से दिन के उत्तरार्ध में राहत मिलेगी। ससुराल पक्ष से आज नाराजगी के संकेत मिल रहे हैं। आज के दिन मधुर वाणी का प्रयोग करें। यदि नेत्रों से संबंधित कोई कष्ट है तो उसमें सुधार निश्चित है।

कन्या – आज आप में निर्भीकता का भाव रहेगा तथा साहसपूर्वक अपने कठिन कार्यों को संपन्न करने में सक्षम रहेंगे। आपको अपने माता-पिता का सुख सहयोग यथेष्ठ रूप से प्राप्त होगा। पत्नी को शारीरिक कष्ट से कुछ खिन्नता रह सकती है। व्यर्थ व्यय का योग भी है। आप मन से लोगों का भला सोचेंगे किन्तु लोग इसको आपकी मजबूरी या स्वार्थ ही समझेंगे। व्यापार में धन लाभ होगा।

तुला – आज का दिन आपके लिए शुभ कारक है। आपके अधिकार व संपत्ति में वृद्धि होगी। आप दूसरों के भले की सोचेंगे एवं दिल से सेवा भी करेंगे। नवम कर्म भाव में बृहस्पति मिथुन राशि का होकर विराजमान है। अतः आज आप अपने गुरु के प्रति पूर्ण भक्ति भाव व निष्ठा रखें। आज नए कार्यों में इनवेस्ट करना पड़े तो शुभ रहेगा।

वृश्चिक – आज आपका मन अशान्त एवं परेशान रहेगा। व्यापार वृद्धि के लिए किए गए प्रयास निष्फल हो सकते हैं। सायंकाल तक आप अपने धैर्य तथा प्रतिभा से शत्रु पक्ष पर विजय प्राप्त करने में सफल रहेंगे। यदि कोई वाद, विवाद राज्य में लंबित है तो उसमें सफलता मिलने की पूर्ण संभावना है।

धनु – आज आपकी विद्या, ज्ञान की वृद्धि होगी। आपके अन्दर दान पुण्य एवं परोपकार की भावना विकसित होगी। आप धार्मिक अनुष्ठानों में रुचि लेकर पूर्ण सहयोग करेंगे। भाग्य की ओर से भी आपको पूर्ण सहयोग मिलेगा, आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। सायंकाल से लेकर रात्रि के समय पेट के विकार होने की संभावना है। सावधान रहें तथा खान पान पर संयम बरतें।

मकर – आज आपको बहुमूल्य वस्तुओं की प्राप्ति के साथ साथ ऐसे अनावश्यक खर्चे भी सामने आएंगे जो कि न चाहते हुए भी मजबूरी में करने पड़ेंगे। ससुराल पक्ष से मान सम्मान मिलेगा। अपने व्यवसाय में भी आपका मन लगेगा एवं रुके कार्य पूर्ण हो जाएंगे। किसी नए कार्य में इनवेस्ट करना पड़े तो अवश्य करें, भविष्य में लाभ होगा।

कुंभ – आज का दिन बुद्धि विवेक से नई-नई खोज करने में व्यतीत होगा। आप सीमित एवं आवश्यकतानुसार ही व्यय करें। आपको अपने पारिवारिक जनों से विश्वासघात होने की संभावना है। सांसारिक सुख भोग, नौकर चाकरों का सुख पूर्ण रूप से मिलेगा। सायंकाल से लेकर रात्रि तक समीप की यात्रा भी हो सकती है, जो लाभकारी रहेगी।

मीन – आज पंचम भाव में कर्क राशि का बृहस्पति होने के कारण बहुत समय से लटका हुआ पुत्र या पुत्री से सम्बन्धित किसी विवाद का हल निकल आएगा। खुशमिजाज व्यक्तित्व होने के कारण अन्य व्यक्ति आपसे संबंध बनाने की चेष्टा करेंगे। सामाजिक सम्मान मिलने से आपका मनोबल बढ़ा रहेगा। रात्रि में प्रियजनों व परिजनों से हास्य विनोद रहेगा।

अनन्या पांडे के साथ लॉन्च किया 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' का टाइटल ट्रैक

कार्तिक आर्यन ने अपनी आगामी फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' में अपनी लीडिंग लेडी अनन्या पांडे के साथ फिल्म का धमाकेदार टाइटल ट्रैक जयपुर में लॉन्च किया, जहां उनका बेमिसाल स्वैग, उनकी ज़बरदस्त बॉडी, आकर्षक टैटूज़ और हैवी हुक स्टेप्स वाले फुटवर्क ने माहौल को पूरी तरह बदल दिया है। फिलहाल फैन्स पहले ही इस गाने को लेकर दीवाने हो चुके हैं क्योंकि गाने की सबसे बड़ी खूबी है कार्तिक और अनन्या की खूबसूरती से भरपूर, मॉडर्न और यूथफुल केमिस्ट्री। इसके अलावा कार्तिक का चुलबुला अंदाज़, सिंक्रोनाइज़्ड डांस, फ्लर्टिंग और एनर्जी उनकी ऑन-स्क्रीन बॉन्डिंग को बेहद ऑर्गेनिक और रियल बनाते हैं। टाइटल ट्रैक में उनकी कैमिस्ट्री उनकी अब तक की सबसे दिलचस्प जोड़ियों में से एक है, जो कम्फर्ट और स्पार्क का परफेक्ट कॉम्बिनेशन है। इस गीत में रेमो डिसूज़ा की हाई-वोल्टेज कोरियोग्राफी के साथ उनके सिग्नेचर स्टाइल ने इस गाने को और भी धमाकेदार बना दिया है। शार्प फुटवर्क के साथ फ्लुइड स्लाइड्स, क्राउड-फ्रेंडली हुक स्टेप्स और रिदम-बेस्ड पैटर्न्स कार्तिक की ज़बरदस्त स्क्रीन प्रेज़ेंस और उनके बेस्ट डांस मूव्स को खूबसूरती से उभारते हैं। अगर ये कहें तो गलत नहीं होगा कि कार्तिक और अनन्या की इंटरैक्टिव, प्लेफुल पार्टनर कोरियोग्राफी इस ट्रैक की खास यूएसपी है।

गौरतलब है कि कार्तिक आर्यन के लिए जयपुर हमेशा भावनाओं और यादों से जुड़ा शहर रहा है, या यूँ कहें कि जयपुर हमेशा से उनके दिल के सबसे करीब रहा है और इसकी वजह है उनकी सुपरहिट फिल्मों का जयपुर से कनेक्शन।

गौरतलब है कि कार्तिक की सुपरहिट फिल्म 'भूल भुलैया 2' की शूटिंग जयपुर में हुई थी, फिर 'भूल भुलैया 3' का भव्य ट्रेलर लॉन्च जयपुर के राज मंदिर में हुआ था. यहीं उन्हें पहला बेस्ट एक्टर के लिए आइफा (खखऋ) अवॉर्ड मिला था। अब जब उनकी आगामी फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' का टाइटल ट्रैक का भी इसी शहर में लॉन्च हुआ है, तो यह उनके फिल्मी यात्रा के एक और अहम पड़ाव में शामिल हो गए हैं।

यही वजह है कि इस शहर के साथ आज का दिन भी उनके लिए काफी भावनात्मक हो गया है। हालांकि कार्तिक आर्यन के फ़िल्मी सफर के अलावा फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' में भी जयपुर की बहुत बड़ी भूमिका है क्योंकि क्रोएशिया के अलावा, फिल्म का एक बड़ा हिस्सा जयपुर और नवलगढ़ में शूट किया गया है।

शूटिंग के दौरान कार्तिक और अनन्या ने यहां एक महीने से भी ज्यादा का समय बिताया था, यही वजह है कि दोनों का इस शहर से ख़ास जुड़ाव हो गया है। विशेष रूप से शहर की विरासत, रंगीन गलियों, बाज़ारों और स्थानीय माहौल ने फिल्म की दुनिया को जीवंत बना दिया है, मानो जयपुर खुद एक किरदार हो।

समीर विदवांस निर्देशित और धर्मा प्रोडक्शंस व नम: पिक्चर्स द्वारा निर्मित फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' वर्ष 2025 की सबसे बड़ी रोम-कॉम और क्रिसमस पर रिलीज़ होने जा रही शानदार फिल्म है। ऐसे में कार्तिक को उनके अब तक के सबसे ख़ास अंदाज़ में देखने के लिए तैयार हो जाइए, लेकिन उससे पहले कार्तिक आर्यन के साथ अनन्या पांडे और जयपुर की ख़ास केमिस्ट्री को इंजॉय कीजिए और सुनिए इस वर्ष का सबसे वाइब्रेंट टाइटल ट्रैक!

पति धर्मेंद्र को याद कर एक बार फिर भावुक हुईं हेमा मालिनी, शेयर की परिवार की अनदेखी तस्वीर

हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का निधन 24 नवंबर को उनके जुहू वाले घर में हो गया। गुरुवार को अभिनेता के लिए प्रार्थना सभा रखी गई, जहां देओल परिवार के सभी सदस्यों के साथ बॉलीवुड के कई बड़े स्टार्स को देखा गया। अब पति धर्मेंद्र को याद करते हुए हेमा मालिनी ने एक बार फिर सोशल मीडिया पर फोटो शेयर की हैं, जिसमें उनका पूरा परिवार एक दूसरे पर प्यार लुटाता दिख रहा है। हेमा मालिनी ने इंस्टाग्राम पर परिवार के प्यार को दिखाती अनसीन फोटो शेयर की है जिसमें धर्मेंद्र बेटी ईशा और अहाना को गले लगाते दिख रहे हैं, जबकि एक फोटो में हेमा और धर्मेंद्र के गले में फूलों की बड़ी माला है। एक अन्य फोटो में हेमा ने धर्मेंद्र को उनके जन्मदिन पर कार्ड गिफ्ट किया है, जिस पर लिखा है, हैप्पी बर्थडे टू द लव ऑफ मॉय लाइफ।

फोटोज को देखकर साफ पता चल रहा है कि हेमा और परिवार के बाकी सदस्य अभिनेता के बिना खुद को कितना अधूरा महसूस कर रहे हैं।

हेमा मालिनी ने कैप्शन में लिखा, कुछ प्यारे पारिवारिक पल, बेहद अनमोल तस्वीरें हैं। मुझे पता है कि तस्वीरों की भरमार है, लेकिन ये प्रकाशित नहीं हुई हैं और इन्हें देखकर मेरी भावनाएं उमड़ रही हैं।

इससे पहले गुरुवार को हेमा मालिनी ने निधन के तीन दिन बाद पहली बार सोशल मीडिया पर धर्मेंद्र के जाने का दुख व्यक्त किया था। उन्होंने अभिनेता को अपना सब कुछ बताते हुए अपनी जिंदगी को उनके बिना शून्य बताया।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी और धर्मेंद्र की खूबसूरत पलों की फोटोज शेयर कर लिखा था, वह मेरे लिए बहुत कुछ थे, एक प्यारे पति, हमारी दो बेटियों, ईशा और अहाना के लाड़ले पिता, दोस्त और मेरे लिए सब कुछ। वे हमेशा अच्छे-बुरे समय में मेरे साथ रहे हैं। अपने मिलनसार व्यवहार की वजह से उन्होंने बहुत जल्दी ही मेरे परिवार को अपना बना लिया। मेरा व्यक्तिगत नुकसान अवर्णनीय है और मेरे जीवन में जो शून्य पैदा हुआ है, वो ताउम्र रहेगा।

एक्ट्रेस ने पोस्ट में अभिनेता के करियर और उनके हिंदी सिनेमा में दिए योगदान को भी याद किया। हेमा मालिनी के पोस्ट पर फैंस भी उन्हें हिम्मत बांधने के लिए कह रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, मजबूत रहिए मैम, धरम जी आपके साथ हैं और हमेशा आपका मार्गदर्शन किसी न किसी तरह करते रहेंगे। एक अन्य यूजर ने लिखा, हेमा जी, जितनी यादें आपके दिल में हैं उन्हें खुलकर शेयर कीजिए। आपकी भावनाएं पूरी तरह से जायज हैं। हर तस्वीर में कितना प्यार छिपा है। प्लीज अपने दिल की बात खुलकर कहें और इस मुश्किल घड़ी में अपना ख्याल रखें।

अक्षरा सिंह का नया गीत हमार तिरछी नजर मचा रहा धूम

भोजपुरी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री अक्षरा सिंह दर्शकों के बीच अपने अभिनय और गानों से खास पहचान बनाए हुए हैं। बुधवार को अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया। इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए वीडियो में अक्षरा स्टाइलिश अंदाज में नजर आ रही हैं। वेस्टर्न कलर की ड्रेस में उनका लुक फैंस को दीवाना बना रहा है। वीडियो में वह अपने हालिया रिलीज गाने 'हमार तिरछी नजर' में शानदार एक्सप्रेशन और किलर आईज से फैंस को दीवाना बना रही हैं। उनकी तिरछी निगाहें और हल्की सी स्माइल देखकर कोई भी फैन अपना दिल हार बैठे, ऐसा लग रहा है। वीडियो में वह कैमरे के सामने तरह-तरह के पोज दे रही हैं। उन्होंने पोस्ट कर लिखा, हमारी तिरछी नजर तो आग लगा रही है। आप सबके रील्स देखकर मजा ही आ गया। आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद।

गाने की झलक में अक्षरा के ठुमके और जबरदस्त डांस मूव्स नजर आ रहे हैं, वहीं बैकग्राउंड में बजते बीट्स लोगों को थिरकने पर मजबूर कर रहे हैं। गाने की बात करें तो इसे अक्षरा ने खुद अपनी मधुर आवाज में गाया है और बोल चंदन यदुवंशी ने लिखे हैं। वहीं, म्यूजिक छोटू रावत ने दिया है।

गाना सभी म्यूजिक प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। गाना दर्शकों को काफी पसंद आ रहा है। अक्षरा सिंह भोजपुरी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्रियों में से एक हैं। उन्होंने भोजपुरी सिनेमा को कई सारे गाने दिए हैं। हर खास मौके से पहले अभिनेत्री का नया गाना जरूर रिलीज होता है।

इसके अलावा, अक्षरा सिंह निरहुआ के साथ फिल्म 'सात फेरे चार वचन' और 'अम्बे है मेरी मां' में भी दिखने वाली हैं। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है, अब फिल्म का ट्रेलर आने वाला है।अभिनेत्री अपनी निजी जिंदगी को लेकर काफी विवादों में रह चुकी हैं। उनका नाम भोजपुरी इंडस्ट्री के सुपरस्टार पवन सिंह से जुड़ चुका है।

शादी की सालगिरह पर कांची कौल ने पति शब्बीर अहलूवालिया को बताया घर

लोकप्रिय टेलीविजन अभिनेता शब्बीर अहलूवालिया गुरुवार को अपनी शादी की सालगिरह मना रहे हैं। इस अवसर पर उनकी पत्नी और अभिनेत्री कांची कौल ने खास अंदाज में सोशल मीडिया के माध्यम से साथ बिताए हुए पल को याद किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट की, जिसमें दोनों साथ में मौज-मस्ती करते नजर आ रहे हैं। अभिनेत्री ने शब्बीर को अपना घर बताते हुए लिखा, हमें मिले 17 साल हो गए और इस बात को 14 साल हो गए, जब हमने ये तय किया था कि हम दोनों मिलकर अपनी कहानी खुद बनाएंगे। साथ जीएंगे और संवारेंगे। हर साल हमारो रिश्ते में गहराई और मायने जुड़ते जा रहे हैं। जीवन के हर संघर्ष में मेरा साथ देने के लिए धन्यवाद।'' अभिनेत्री कांची कौल ने अभिनेता को अपना घर बताया। उन्होंने लिखा, हम दोनों तो वाइल्ड थे और अब हम अपने छोटे-छोटे शौक को साथ में बड़ा कर रहे हैं। हमने एक-दूसरे को जिंदगी के हर मोड़ पर संभाला।''

अभिनेत्री ने आगे बताया कि हमारा प्यार कभी भी परफेक्ट होने पर नहीं टिका, बल्कि ये तो हमेशा मजबूत रहने पर टिका रहा है। यह हर एक दिन की पसंद है और आज भी ये रिश्ता इसलिए ही चल रहा है।

उन्होंने लिखा, हमने एक दूसरे को रोजाना उसी नरमी के साथ स्वीकार किया। किसने सोचा था कि शादी इतनी गहरी, इतनी बड़ी और इतनी मायनेदार हो सकती है? दो बेफिक्र दिल, जो मिले थे बिना किसी प्लान के और आज हम एक साथी, सबसे अच्छे दोस्त, माता-पिता, प्रेमी, सब बन गए।

उन्होंने आगे लिखा कि हम हर कदम साथ चले, कभी हंसते-हंसते, कभी जिंदगी के तूफानों को मिलकर संभालते हुए, कभी बहुत प्यार में डूबकर, कभी अपनी बनाई इस खूबसूरत दुनिया को देखकर भावुक होकर, लेकिन हमेशा साथ। हमेशा एक-दूसरे के पास लौट आते हैं, जैसे ही मौका मिलता है। उन्होंने लिखा कि ये रहा हमारा जश्न, 17 साल साथ बनने का, 14 साल एक-दूसरे को चुनने का और पूरी जिंदगी साथ प्रेम में जीने का। हमेशा-हमेशा, इस जीवन में और हर अगले जीवन में भी।

56 की उम्र में ड्रिल एक्सरसाइज कर भाग्यश्री ने दिखाई अपनी फुर्ती

मैंने प्यार किया में अपनी मासूमियत से फैंस के दिलों पर राज करने वाली अभिनेत्री भाग्यश्री आज भी छोटे पर्दे पर सक्रिय हैं। अभिनेत्री रियलिटी शो में जज और स्पेशल गेस्ट के तौर पर दिख चुकी है। आज भी 56 की उम्र में उनके चेहरे का ग्लो और फिटनेस बरकरार हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि 56 की उम्र में एक्ट्रेस अपनी फिटनेस को बरकरार रखने के लिए जिम में पसीना बहा रही हैं। उन्होंने अब अपने फैंस की एनर्जी को टेस्ट करने के लिए एक चैलेंज दिया है। फिटनेस फ्रीक भाग्यश्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट की है, जिसमें वे जिम में ड्रिल एक्सरसाइज करती दिख रही हैं। वीडियो में एक्ट्रेस फैंस को चैलेंज देते हुए दो ड्रिल करती हैं और कहती हैं कि चलिए देखते हैं कि आप कितने फुर्तीले हैं।

उन्होंने कैप्शन में लिखा, इसकी प्रैक्टिस से चपलता, गतिशीलता और ध्यान का परीक्षण किया जाएगा। मुझे हर एक्सरसाइज को करने में 7 सेकंड लगे। इसे आजमाएं और बताएं कि आपको कितना समय लगा। इसे रोजाना करें और अपनी गति बेहतर करने के लिए खुद से प्रतिस्पर्धा करें।

वीडियो में दो ड्रिल एक्सरसाइज करने में भाग्यश्री को 7 सेकंड का समय लगता है। इससे पता चलता है कि एक्ट्रेस कॉन्सन्ट्रेशन और फुर्ती के मामले में कितनी ज्यादा एक्टिव हैं। ये ड्रिल एक तरह की स्किल बेस्ड एक्सरसाइज है, जिससे कॉन्सन्ट्रेशन के साथ गति और लचीलापन भी बढ़ता है। ये आमतौर पर धावकों और खेल में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के लिए महत्वपूर्ण होती है, लेकिन आज के समय में इसे डेली वर्कआउट में भी शामिल कर लिया है। ये एक्सरसाइज दिल और मस्तिष्क दोनों के लिए फायदेमंद होती है।अगर 15 मिनट ड्रिल एक्सरसाइज की जाए तो ये हार्मोन संतुलन बनाने में मदद करता है और मूड को हल्का कर तनाव को कम करता है। ये एक्सरसाइज दिल की बीमारियों से बचने का आसान तरीका है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने जीवन-साथी की उपलब्धियों की सराहना करें और उसकी सफलता और ख़ुशक़िस्मती का जश्न मनाएँ। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं , काम के बाद आपके सहकर्मी आपको किसी छोटे घरेलू उत्सव पर आमंत्रित कर सकते हैं। दूसरों को राज़ी करने की आपकी प्रतिभा आपको काफ़ी फ़ायदा पहुँचाएगी। जीवनसाथी के किसी अचानक काम की वजह से आपकी योजनाएं बिगड़ सकती हैं। लेकिन फिर आपको महसूस होगा कि जो होता है अच्छे के लिए ही होता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। जीवनसाथी के साथ अपने रिश्तों में तनाव दूर करने के लिए अच्छा दिन है। हालात ठीक करने की ज़िम्मेदारी अपने कंधों पर लें और सकारात्मक तौर पर पहल करें। आपका आत्मविश्वास आपकी पेशेवर ज़िंदगी में ख़ास असर छोड़ेगा। यह दूसरों को आपका नज़रिया समझाने और उनकी मदद हासिल करने में कारगर रहेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाक़ात होगी।

मिथुन – क,कि,कु,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज आप आसानी से पैसे इकट्ठा कर सकते हैं– लोगों को दिए पुराने कर्ज़ वापिस मिल सकते हैं – या फिर किसी नयी परियोजना पर लगाने के लिए धन अर्जित कर सकते हैं। बच्चे आपको घरेलू काम–काज निबटाने में मदद करेंगे। आपका प्रेमी आज आपकी बातों को सुनने से ज्यादा अपनी बातें कहना पसंद करेगा जिसकी वजह से आप थोड़े खिन्न हो सकते हैं। काम में मन लगाएँ और जज़्बाती बातों से बचें। ऑफिस से जल्दी घर जाने का प्लान आज आप ऑफिस पहुंचकर ही कर सकते हैं। घर पहुंचकर आप किसी पार्क में परिवार के लोगों के साथ जाने का प्लान बना सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। घर से जुड़ी योजनाओं पर विचार करने की ज़रूरत है। अपने प्रिय की छोटी–मोटी भूल को अनदेखा करें। किसी के साथ नयी परियोजना या भागीदारी वाले व्यवसाय को शुरू करने से बचें। किसी भी स्थिति में आपको अपने समय का ख्याल रखना चाहिए , वैवाहिक जीवन के लिए विशेष दिन है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज अपनी सेहत के चिंता करने की क़तई ज़रूरत नहीं है। आपके आस–पास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे व सराहेंगे। बिना किसी की सलाह लिये बिना आज आपको पैसा कहीं भी इनवेस्ट नहीं करना चाहिए। जिन लोगों से आपकी मुलाकात कभी–कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। आपके प्रिय की ख़राब तबियत के चलते रोमांस को दरकिनार होना पड़ सकता है। कामकाज में आ रहे बदलावों के कारण आपको लाभ मिलेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज के दिन किए गए दान–पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। जो लोग शादीशुदा हैं उन्हें आज अपने बच्चों की पढ़ाई पर अच्छा ख़ासा धन खर्च करना पड़ सकता है। अपने प्रिय के लिए बदले की भावना से कुछ हासिल नहीं होगा– बजाय इसके आपको दिमाग़ शांत रखना चाहिए और अपने प्रिय को अपनी सच्ची जज़्बात से परिचित कराना चाहिए। प्रतिस्पर्धा के चलते काम–काज की अधिकता थकावट भरी हो सकती है। इस राशि के छात्र–छात्राएं आज अपने कीमती समय का दुरुपयोग कर सकते हैं। लोगों की दख़लअन्दाज़ी वैवाहिक जीवन में परेशानी खड़ी कर सकती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। परिवार के लोगों से अपनी परेशानियां साझा करके आप हल्का महसूस करेंगे, लेकिन कई बार आप अपने अहम को आगे रखकर घर वालों को जरूरी बातें नहीं बताते। आपको ऐसा नहीं करना चाहिए ऐसा करके परेशानी और भी बढ़ेगी कम नहीं होगी। मुश्किल मामलों से बचने के लिए आपको अपने सनक उपयोग करने की ज़रूरत है। देर शाम तक आपको कहीं दूर से कोई अच्छी ख़बर सुनने को मिल सकती है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

शारीरिक तौर पर तंदुरुस्त रहने के लिए धूम्रपान की आदत छोड़ दें। पैसे कमाने के नए मौक़े मुनाफ़ा देंगे। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे। दफ़्तर में जिसके साथ आपकी सबसे कम बनती है, उससे अच्छी बातचीत हो सकती है। दिल के करीबी लोगों के साथ आपका वक्त बिताने का मन करेगा लेकिन आप ऐसा कर पाने में सक्षम नहीं हो पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजूलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। अपने परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों पर ध्यान देना आज आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली–भाँति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। इस राशि के लोग बड़े ही फ्लिरटियस होते हैं। अपने जीवनसाथी के साथ आप आज एक शानदार शाम गुज़ार सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

गर्भवती महिलाओं के लिए अतिरिक्त सावधान रहने का दिन है। अगर आप लोन लेने वाले थे और काफी दिनों से इस काम में लगे थे तो आज के दिन आपको लोन मिल सकता है। शाम का ज़्यादातर समय मेहमानों के साथ गुज़रेगा। आपके प्रिय के साथ कुछ मतभेद उभर सकते हैं– साथ ही अपने साथी को अपना नज़रिया समझाने में भी तकलीफ़ महसूस होगी। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी – जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज किसी विपरीत लिंगी की मदद से आपको कारोबार या नौकरी में आर्थिक लाभ होने की संभावना है। पारिवारिक सदस्य या जीवन–साथी तनाव की वजह बन सकते हैं। आज आप अपनी योजनाओं को सबके सामने खोलने में बिल्कुल नहीं हिचकते, तो आप अपनी परियोजना को ख़राब कर सकते हैं। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा। जीवनसाथी की ओर से जानबूझ कर भावनात्मक चोट मिल सकती है, जिसके चलते आप उदास हो सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

इस राशि के कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व महसूस होगा। एक बेहतरीन शाम के लिए रिश्तेदार घर आ सकते हैं। आज किए गए निवेश काफ़ी फ़ायदेमन्द साबित होंगे, लेकिन आपको भागीदारों से विरोध का सामना करना पड़ सकता है। जो भी आपसे मिले, उसके साथ विनम्र और सुखद व्यवहार करें। बहुत कम लोग ही आपके इस आकर्षण का राज़ जान पाएंगे। कई लोग साथ तो रहते हैं, लेकिन उनके जीवन में रोमांस नहीं होता। लेकिन यह दिन आपके लिए बेहद उत्साहवर्धक

आज का पंचांग

दिनांक : 29 नवंबर 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : मार्गशीर्ष , शुक्ल पक्ष
तिथि : नवमी रात्रि 12:46 तक
नक्षत्र : पूर्वाभाद्रपद रात्रि 03:53 तक
योग : हर्षण प्रातः 10:56 तक
करण : बालव दोपहर 01:22 तक
चन्द्रराशि : कुंभ रात्रि 10:04 तक
सूर्योदय : 06:28, सूर्यास्त 05:39 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:25, सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:18 , सूर्यास्त 05:42 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:18,सूर्यास्त 05:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : दुर्गा नवमी , कल्पादि तिथि

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान अब पूरी तरह व्यापार और उद्योग विस्तार के लिए तैयार है: भजनलाल

जयपुर /नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)।
नई दिल्ली के भारत मंडपम में फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एवं इंडस्ट्री (एफआईसीसीआई) के 98वें वार्षिक सम्मेलन का उद्घाटन समारोह हुआ। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दिल्ली के भारत मंडपम में चल रहे फिक्की के कार्यक्रम में उद्योग जगत के प्रतिनिधियों, निवेशकों और उद्यमियों को संबोधित करते हुए कहा कि राजस्थान अब पूरी तरह व्यापार और उद्योग विस्तार के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप तेज गति से काम कर रही है और नए भारत की औद्योगिक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी से पहले भारत के उद्योगपति जिस तरह देश को आगे बढ़ाने की कल्पना करते थे, राजस्थान उसी विरासत को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने उद्योग जगत को स्पष्ट संदेश दिया, राजस्थान तैयार है व्यापार के लिए भी और मजबूत साझेदारी के लिए भी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में भारत

ने ऐतिहासिक परिवर्तन देखे हैं, और इसी प्रगति की राह पर राजस्थान भी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

सीएम ने बताया कि दिसंबर में उनकी सरकार बनने के बाद से ही राज्य की प्राथमिकता उद्योग, बुनियादी ढांचे और ऊर्जा क्षेत्र में सुधार रही है। उन्होंने कहा, हमने सबसे पहले उन बाधाओं को दूर किया जिनसे उद्योग प्रभावित हो रहे थे। आज राज्य में निवेश के लिए स्थिर और पारदर्शी माहौल तैयार किया जा चुका है।

भजनलाल शर्मा ने ऊर्जा क्षेत्र का जिक्र करते हुए बताया कि राजस्थान अब सोलर पावर उत्पादन का राष्ट्रीय केंद्र बन रहा है। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा के क्षेत्र में हम अग्रणी हैं और देश की ऊर्जा सुरक्षा में योगदान कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि ऑटोमोबाइल सेक्टर, विनिर्माण तथा एमएसएमई उद्योगों को मजबूत करने के लिए भी राज्य सरकार लगातार नीतिगत सुधार कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में सामाजिक बुनियादी ढांचे पर भी तेजी से काम हो रहा है। राज्य में 100 करोड़ रुपए के सामाजिक विकास फंड की शुरुआत की गई है, जिसमें 25 प्रतिशत राशि सीधे जमीनी स्तर के विकास कार्यों में लगाई जा रही है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान की पहचान उसकी समृद्ध विरासत, संस्कृति और मेहनती जनता से है। यह राज्य अपने सामर्थ्य से देश की आर्थिक वृद्धि में बड़ा योगदान देगा। हमारी सरकार सुशासन, विकास और सामाजिक उत्थान को एक साथ लेकर चल रही है। अंत में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उद्योग जगत के सहयोग के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि राजस्थान आने वाले वर्षों में उद्योग और निवेश के लिए भारत का प्रमुख गंतव्य बनेगा।

अधिकारियों एवं कार्मिकों को मिले नियमित प्रशिक्षण : दिया कुमारी

जयपुर, 28 नवंबर (एजेंसियां)।
उप मुख्यमंत्री एवं महिला एवं बाल मंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में तथा महिला एवं बाल विकास प्रमुख शासन सचिव भवानी सिंह देथा एवं निदेशक, समेकित बाल विकास सेवाएं वासुदेव मालावत एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में शुक्रवार को शासन सचिवालय में निदेशालय समेकित बाल विकास सेवाएं (आईसीडीएस) की बजट घो-षणाओं के क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उपमुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक में विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि आँगनबाड़ी सहायिका व कार्यकर्ता, महिला पर्यवेक्षक, सीडीपीओ और उपनिदेशकों का क्षमता संवर्धन हेतु प्रशिक्षण दिया जाए एवं विभागीय अधिकारियों द्वारा गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदायगी सुनिश्चित करने पर जोर दिया जाए। आंगनबाड़ी केंद्रों के आधारभूत सुविधाएं विकसित करने के कार्यों को गति प्रदान की जाए। उन्होंने डेटा फीडिंग में गुणात्मक सुधार हेतु निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में आंगनबाड़ी केंद्रों की आधारभूत ढांचागत सुधार करने के लिए पूर्णप्रतिबद्धता से कार्य किया जा रहा है जिसे और गति प्रदान की जाए।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने दो वर्ष पूरे होने वाले सरकारी आयोजनों की तैयारियों की ली समीक्षा

जयपुर, 28 नवंबर (एजेंसियां)।
मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने सरकार के विभिन्न विभागों के प्रमुखों के साथ शुक्रवार को शासन सचिवालय में एक उच्च-स्तरीय बैठक में वर्तमान सरकार के 2 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों की व्यापक समीक्षा की। उन्होंने 10 दिसंबर को आयोजित किए जाने वाले प्रवासी राजस्थानी दिवस के साथ 15 दिवसीय कार्यक्रमों की श्रृंखला के सफल और प्रभावशाली आयोजन सुनिश्चित करने के लिए दिशा-निर्देश प्रदान किये तथा इस मैराथन आयोजन के लिए सभी अधिकारियों को कार्यक्रम के सफल आयोजन में जुटने को कहा। श्रीनिवास ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि राज्य सरकार के 2 वर्ष के कार्यकाल पूर्ण होने का यह कार्यक्रम माननीय मुख्यमंत्री की प्राथमिकताओं में से एक है और इसे सफल बनाना

सभी विभागों की जिम्मेदारी है। बैठक के प्रारंभ में मुख्य सचिव ने 10 दिसंबर को होने वाले प्रवासी राजस्थान दिवस पर आयोजित की जाने वाली गतिविधियों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर प्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देकर आर्थिक प्रगति सुनिश्चित करने के लिए उद्योग विभाग से संबंधित ग्लोबल कैपबिलिटी सेन्टर पॉलिसी, व्यापार प्रोत्साहन नीति, सेमीकन्डक्टर पॉलिसी, ग्रीन ग्रोथ क्रेडिट पॉलिसी, औद्योगिक क्लस्टर्स सहित अन्य महत्वपूर्ण पॉलिसियों का शुभारम्भ किया जाएगा।

श्रीनिवास ने कहा कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल के 2 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में होने वाले कार्यक्रम की शुरुआत 11 दिसंबर को बदलता राजस्थान बढ़ता राजस्थान रथों की रवानगी से होगी। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा इन रथों को जयपुर से लॉन्च करेंगे। साथ ही उद्योग विभाग द्वारा एनआरआर चैप्टर के साथ संवाद कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा।

मुख्य सचिव ने बताया कि स्वायत्त शासन विभाग द्वारा स्वच्छ भारत अभियान के तहत समस्त जिलों के मन्दिरों एवं स्मारकों आदि की साफ़ सफाई, सड़क सुरक्षा अभियान, सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के तहत पेंशन राशि का आवंटन श्रमिक कल्याण की विभिन्न योजनाओं के तहत सहायता राशि, पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त योजना, चिकित्सा संस्थानों में आउटसोर्स मोड पर 22 मदर लैब एवं 800 स्पोक्स का शुभारम्भ किया जायेगा। इस अवसर पर मेडिकल वैल्यू टूरिज्म को लॉन्च करने की भी योजना है। मुख्य सचिव ने बताया की कई अन्य नीतियों का विमोचन भी इस दौरान किया जायेगा जिसमें प्रमुख हैं रोजगार नीति, खेल नीति, पर्यटन नीति, फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन नीति इत्यादि। वन एवं पर्यावरण विभाग द्वारा मिशन लाइफ के तहत सिंगल यूज़ प्लास्टिक, ई-वेस्ट प्रबंधन एवं सॉलिड वेस्ट प्रबंधन पर समस्त जिलों में पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूकता अभियान चलाया जायेगा।बैठक में पर्यटन विभाग, मेडिकल विभाग, उद्योग विभाग, सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, वन एवं पर्यावरण विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, परिवहन विभाग एवं अन्य महत्वपूर्ण विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव, शासन सचिव एवं अन्य उच्चाधिकारी मौजूद रहे ।

महिला पुलिस उप निरीक्षक रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

चंडीगढ़, 28 नवंबर (एजेंसियां)।
राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, अंबाला ने आज एक महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए महिला पुलिस थाना कुरूक्षेत्र की अतिरिक्त थाना प्रबंधक एवं उप निरीक्षक सत्यवंती को 85,000 रुपये नकद रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। टीम ने यह कार्रवाई शिकायतकर्ता की शिकायत पर योजना बनाकर की। आरोपिया डख सत्यवंती के खिलाफ अभियोग संख्या 33, दिनांक 28.11.2025, धारा 7 पीसी एक्ट 1988 व 308(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत ब्यूरो थाना अंबाला में मामला दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता ने ब्यूरो को दी गई अपनी शिकायत में बताया कि उस पर हरजीत कौर नामक महिला ने उत्पीड़न का झूठा आरोप लगाते हुए महिला पुलिस थाना कुरूक्षेत्र में शिकायत दी थी। इस शिकायत की जांच डख सत्यवंती कर रही थी।

शिकायतकर्ता के अनुसार, 5 नवंबर 2025 को सत्यवंती ने उसे फोन कर थाने बुलाया और मुलाकात में कहा कि शिकायत में उसके खिलाफ अभियोग बनता है। इसके बाद 21 नवंबर 2025 को दोबारा बुलाकर शिकायत को रफा-दफा करने के बदले 1 लाख रुपये की रिश्वत की मांग की गई।

आरोपी उप निरीक्षक पहले ही शिकायतकर्ता से 15,000 रुपये ले चुकी थी और आज शेष 85,000 रुपये मांग रही थी। इसी लेन-देन के दौरान सतर्कता ब्यूरो की टीम ने उसे रंगे हाथों पकड़ लिया।

सतर्कता ब्यूरो ने बताया कि रिश्वतखोरी के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और किसी भी सरकारी अधिकारी या कर्मचारी द्वारा भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आमजन से अपील है कि कोई भी कर्मचारी या अधिकारी यदि रिश्वत मांगता है तो तुरंत इसकी सूचना एंटी करप्शन ब्यूरो की हेल्पलाइन पर दें।

अनिल विज ने सिरसा में जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक की

शिकायत पर दो कर्मी किए सस्पेंड

सिरसा, 28 नवंबर (एजेंसियां)।
हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन व श्रम मंत्री अनिल विज ने सिरसा में जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता की। इसके उपरांत पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि आज बैठक में 17 शिकायतें आई है, जिनमें से छह हल कर दी गई है और 11 अगले बैठक में रखी जाएगी जिनमें जानकारी मांगी गई है। शिकायतों के आधार पर आज दो कर्मियों को सस्पेंड किया गया है जिनमें एक पुलिस कर्मी शामिल है जबकि दूसरा बिजलीकर्मी है। उन्होंने कहा वह शिकायतों के आधार पर इंसाफ करते है और जिसने गलत कार्य किया है उसके खिलाफ कार्रवाई तो होगी। आज 31 पेड़ काटने के आरोप लगाए गए मगर इस मामले की जांच के लिए कमेटी बनाई गई है जो कि मौके पर जाकर देखेगी। यदि गड़बड़ी मिली तो वह उसपर भी एक्शन लेंगे। वहीं, गत दिनों कुरुक्षेत्र में गीता जयंती महोत्सव के दौरान ऊर्जा मंत्री अनिल विज को गाड़ी नहीं मिलने के प्रश्न पर मंत्री अनिल विज ने कहा कि इसमें किसी का भी कोई दोष नहीं है। प्रशासन का भी दोष नहीं है, उनका कुरुक्षेत्र जाने का कोई कार्यक्रम नहीं था। मुझे तो न्यौता भी नहीं था, वह अम्बाला एयरफोर्स स्टेशन पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह जी का स्वागत करने गए थे। रक्षा मंत्री ने हेलीकॉप्टर में बैठते ही मुझे भी कुरुक्षेत्र जाने का अनुरोध किया और वह रक्षामंत्री के साथ हेलीकॉप्टर में चले गए और कुरुक्षेत्र में उनकी कार में बैठकर ब्रह्मसरोवर चले गए। आगे कार में कोई और बैठ गया, बस इतनी सी बात थी जिसमें किसी का कोई दोष नहीं है।

गुरमेल सिंह को रिश्वत लेते किया गिरफ्तार

चंडीगढ़, 28 नवंबर (एजेंसियां)।
राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, गुरुग्राम की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पटवारी गुरमेल सिंह और उसके सहयोगी तसलीम को 5,000 रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई गुरुवार को शिकायतकर्ता से नकद और फोन-पे के माध्यम से अवैध राशि लेने के बाद की गई। ब्यूरो के अनुसार, आरोपी गुरमेल सिंह हल्का पटवारी (अलावलपुर, जिला नूंह) था, जबकि तसलीम उसका निजी सहयोगी है। दोनों के खिलाफ अभियोग संख्या 42, दिनांक 28.11.2025, धारा 7 पीसी एक्ट 1988 एवं धारा 308(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता द्वारा दी गई जानकारी में बताया गया कि उसके रिश्-तेदार ने वर्ष 2018 में गांव आलदूका (जिला नूंह) में डेढ़ एकड़ कृषि भूमि खरीदी थी। अब भूमि बेचने की प्रक्रिया के दौरान राजस्व रिकॉर्ड में त्रुटि सामने आई। शिकायतकर्ता ने इस त्रुटि को ठीक करवाने के लिए पटवारी गुरमेल सिंह से संपर्क किया, जिसने रिकार्ड दुरुस्त करने के एवज में 5,000 रुपये की रिश्वत की मांग की।

विकसित भारत 2047 का मार्ग 'वोकल फॉर लोकल': सैनी

चंडीगढ़, 28 नवंबर (एजेंसियां)।
हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के संकल्प को पूरा करने का रास्ता वोकल फॉर लोकल से होकर ही गुजरेगा। यह लक्ष्य तभी हासिल होगा जब देश में बनी वस्तुओं का अधिकतम उपयोग होगा और लोकल उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने चंडीगढ़ रेलवे स्टेशन से आत्मनिर्भर भारत रेल यात्री-संपर्क अभियान की शुरुआत की। इस अवसर पर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू भी मौजूद रहे। यह अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए विकसित भारत 2047 और वोकल फॉर लोकल के आह्वान को आमजन तक पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने स्वयं रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म पर जाकर तथा ट्रेन में मौजूद यात्रियों से संपर्क कर 'आत्मनिर्भर भारत' के पत्रक वितरित किए। इसके उपरांत मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि 2014 में भारत दुनिया की 12वीं-13वीं अर्थव्यवस्था था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केवल 11 वर्षों में भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बन चुका है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि लोकल उत्पादों के उपयोग, उत्पादन को बढ़ावा देने और आत्मनिर्भरता को अपनाने से भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभरेगा।

उन्होंने रेलवे विकास का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में रेल और सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया गया है। रेलवे स्टेशन एयरपोर्ट जैसी आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित हो रहे हैं। चंडीगढ़, पंचकूला रेलवे स्टेशन का अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत कायाकल्प किया जा रहा है। यह

अभूतपूर्व विकास का उदाहरण है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कांग्रेस ने अपने कार्यकाल में केवल भ्रष्टाचार में विश्वास रखा, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमेशा विकास को प्राथमिकता दी है।

हादसे पर जताया गहरा दुःख, कहा- लापरवाह अधिकारियों पर होगी कार्रवाई

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दिवंगत खिलाड़ी हार्दिक राठी की मृत्यु के संबंध में पूछे गए प्रश्न पर कहा कि यह हादसा बेहद दुखद है। खेल विभाग और प्रशासन को लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा के खिलाड़ी प्रदेश का गौरव हैं और सरकार उनके साथ खड़ी है। सरकार ने पूरे प्रदेश के स्टेडियमों में लगे खेल उपकरणों की स्थिति संबंधी रिपोर्ट भी मांगी है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा हरियाणा को लेकर दिए गए बयान पर कहा कि ऐसे संवेदनशील मामलों पर राजनीति नहीं की जानी चाहिए। अरविंद केजरीवाल व आम आदमी पार्टी द्वारा एक महीने में पंजाब से नशा खत्म करने का वायदा कर सरकार तो बना ली, लेकिन हालात कैसे हैं वो सबके सामने हैं। नशे की वजह से पंजाब के युवा बर्बाद हो रहे हैं, अपराध भी बढ़ रहा है। बजाय, उस पर कुछ करने के पंजाब सीएम केवल राजनीति कर रहे हैं। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिख परंपरा, गुरुओं की शिक्षाओं और उनके पवित्र स्थलों के सम्मान में अनेक ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। अफगानिस्तान से श्री गुरु ग्रंथ साहिब के तीन पवित्र स्वरूपों को सुरक्षित लाने और करतारपुर कॉरिडोर निर्माण जैसे महत्वपूर्ण कार्य उनके प्रयासों से संभव हो सके हैं। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी और कांग्रेस केवल भ्रामक प्रचार कर समाज में विभाजन पैदा करने में लगे रहते हैं, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। इस मौके पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता, मुख्यमंत्री के मीडिया सचिव प्रवीण आत्रेय सहित अभियान से जुड़े पदाधिकारी मौजूद थे।

अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे सिद्धरामैया:यतींद्र सिद्धरामैया

वोक्कालिगा संघ ने कांग्रेस हाईकमान को दी चेतावनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के बेटे और कांग्रेस के एमएलसी यतींद्र सिद्धरामैया ने गुरुवार शाम को कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि सिद्धरामैया अपना पूरा पाच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि उनके पिता के खिलाफ कोई शिकायत नहीं है और न ही वह किसी घोटाले में शामिल हैं। उधर, कर्नाटक राज्य वोक्कालिगा संघ ने कांग्रेस हाईकमान को चेतावनी दी कि अगर उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के साथ अन्याय हुआ तो वह इसका जोरदार विरोध करेंगे। यतींद्र ने कहा कि सिद्धरामैया अच्छी तरह प्रशासन व्यवस्था चला रहे हैं और विधायकों का भी उन्हें पूरा समर्थन मिला हुआ है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग मुख्यमंत्री बदलने की जो मांग उठा रहे हैं, उस पर फैसला कांग्रेस हाईकमान करेगा। कर्नाटक में मुख्यमंत्री बदलने की अटकलें तब तेज हुई हैं, जब 20 नवंबर को कांग्रेस सरकार अपने पांच साल के कार्यकाल का आधा समय समाप्त हुआ। बताया जाता है कि 2023 में सिद्धरामैया और शिवकुमार के बीच सत्ता-साझेद-ारी का समझौता हुआ था। सिद्धरामैया के बेटे ने कहा, जो भी हाईकमान फैसला करेगा, वही अंतिम होगा। हाईकमान कुछ कहे उससे पहले इस पर टिप्पणी करना ठीक नहीं है। एक सवाल के जवाब में कि क्या सिद्धरामैया पांच साल तक मुख्यमंत्री रहेंगे, उन्होंने कहा कि एक कार्यकर्ता होने के नाते उन्हें ऐसा कोई कारण नहीं दिखता जिससे मुख्यमंत्री बदले जाएं। उन्होंने दोहराया कि सिद्धरामैया के खिलाफ कोई आरोप नहीं है, वह किसी घोटाले में शामिल नहीं हैं और अच्छा प्रशासन दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत रूप से उन्हें लगता है कि सिद्धरामैया पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे। वहीं, कर्नाटक राज्य वोक्कालिगा संघ ने कांग्रेस हाईकमान को चेतावनी दी कि अगर शिवकुमार के साथ अन्याय हुआ तो जोरदार तरीके से विरोध करेंगे। शिवकुमार वोक्कालिगा समुदाय से आते हैं और मुख्यमंत्री बनने की इच्छा रखते हैं। संघ के अध्यक्ष एल श्रीनिवास ने कहा कि विधानसभा चुनावों में शिवकुमार ने कड़ी मेहनत की, पूरे राज्य का दौरा किया और संगठन को मजबूत किया। उनके प्रयासों से कांग्रेस को 140 सीटें मिलीं और पार्टी सत्ता में लौटी। श्रीनिवास ने कहा कि लोगों के बीच यह चर्चा है कि हाईकमान ने शिवकुमार से वादा किया था कि सिद्धरामैया के ढाई साल पूरा करने के बाद उन्हें मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसमें शक है कि सिद्धरामैया सत्ता छोड़ेंगे या नहीं और इसी कारण मंत्री और विधायक दिल्ली के चक्कर लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हाईकमान को चाहिए कि शिवकुमार के प्रयासों के बदले कम से कम उन्हें कूली यानी उचित इनाम दे। श्रीनिवास ने कहा कि शिवकुमार ने पार्टी के लिए जेल भी काटी है और उनके साथ किसी तरह का अन्याय नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर शिवकुमार के साथ अन्याय हुआ, तो वोक्कालिगा समुदाय इसके खिलाफ लड़ाई लड़ेगा। वहीं, कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग समुदाय महासंघ (केएसएफबीसीसी) ने कांग्रेस पार्टी को चेतावनी दी कि अगर सत्ता संघर्ष के बीच मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को हटाने की कोशिश हुई, तो इसका असर पार्टी पर पड़ेगा। केएसएफबीसीसी के अध्यक्ष केएम रामचंद्रप्पा ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि अहिंदा (अल्पसंख्यक, पिछड़ा वर्ग और दलित) समुदाय मौजूदा हालात से बहुत आहत है। उन्होंने कर्नाटक राज्य वोक्कालिगा संघ के अध्यक्ष श्रीनिवास के बयान का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि कांग्रेस हाईकमान को शिवकुमार को कूली (इनाम) देना चाहिए क्योंकि वह कड़ी मेहनत करके पार्टी को सत्ता में वापस लाए। रामचंद्रप्पा ने कहा कि शिवकुमार को उनकी मेहनत का कूली पहले ही मिल चुका है, उन्हें उपमुख्यमंत्री बना दिया गया है।

बेंगलूरु कस्टम्स ने एयरपोर्ट पर 10 दिनों में 67 किलो हाइड्रो गांजा जब्त की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (केआईए) के कस्टम अधिकारियों ने पिछले दस दिनों में कई ऑपरेशन में 67 किलो से ज्यादा हाइड्रोपोनिक गांजा जब्त किया है, जिससे शहर में बार बार तस्करी की कोशिशों का पर्दाफाश हुआ है। ये सभी जब्ती 17 नवंबर से 27 नवंबर के बीच टर्मिनल 2 पर की गईं, जिनमें ज्यादातर बैंकॉक, थाईलैंड से आने वाले यात्री शामिल थे, और एक मामला थाईलैंड के हाट याई से जुड़ा था। सभी यात्रियों को नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट, 1985 के नियमों के तहत हिरासत में लिया गया। पहली बड़ी जब्ती 17 नवंबर को हुई, जब अधिकारियों ने बैंकॉक से आए एक यात्री को 1.34 करोड़ कीमत का 3.83 ग्रास हाइड्रोपोनिक गांजा ले जाते हुए पकड़ा।

इसके बाद रोजाना पकड़े जाने का सिलसिला शुरू हुआ, जिसमें कुछ मामलों में एक से ज्यादा यात्री शामिल थे। 18 नवंबर को इसमें तेजी देखी गई, जब टी2 पर हाइड्रोपोनिक गांजा तस्करी के चार अलग-अलग मामले पकड़े गए।

हर यात्री से 4 किलो से लेकर लगभग 8 किलो तक की मात्रा पकड़ी गई, यानी एक ही दिन में 23 किलो से ज्यादा। हाट याई से आने वाले एक और यात्री को 4 किलो के साथ पकड़ा गया, जिसकी कीमत 1.4 करोड़ थी। 19 नवंबर को, कस्टम्स ने तीन और यात्रियों को पकड़ा, जिनके पास कुल 13.36 किलो प्रतिबंधित पदार्थ था। यह ट्रेंड पूरे हफ्ते जारी रहा, 22 नवंबर को 6.43 किलो और 26 नवंबर को 5 किलो जब्त किया गया। एक दिन में सबसे बड़ी खेप 27 नवंबर को पकड़ी गई, जब बैंकॉक से आए तीन यात्री 5.5 करोड़ कीमत का 15.72 किलो हाइड्रोपोनिक गांजा ले जाते हुए पकड़े गए।

अधिकारियों का मानना है कि जब्त होने की मात्रा और बार बार होने वाली घटनाएं शहर में बढ़ते कस्टमर बेस को दिखाती हैं। पिछले दस दिनों में जहां नारकोटिक्स के मामले में कार्रवाई सबसे ज्यादा हुई, वहीं बेंगलूरु कस्टम्स ने वाइल्डलाइफ की तस्करी की दो बड़ी कोशिशों की भी रिपोर्ट की। बैंकॉक से लाए गए पांच जंगली जानवरों को जब्त किया गया और वियतनाम से कूरियर कंसाइनमेंट के जरिए 280 वाइल्डलाइफ स्पीशीज की तस्करी की गई।

लापता तालीमी मरकज शिक्षक की हत्या

पटना/एजेंसियां। भारत-नेपाल सीमा से सटे किशनगंज जिले के दिघलबैंक प्रखंड में लापता तालीमी मरकज शिक्षक महबूब आलम का शव लगभग दो महीने बाद बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने वैज्ञानिक अनुसंधान और हिरासत में लिए गए एक संदिग्ध से पूछताछ के आधार पर हत्या और शव को मिट्टी में दबाने का मामला उजागर किया है। दिघलबैंक थाना क्षेत्र के सतकौआ पंचायत के हल्दा बन गांव निवासी महबूब आलम 21 सितंबर को रहस्यमय तरीके से लापता हो गए थे। कई दिनों तक कोई सुराग न मिलने पर उनकी पत्नी ने 14 अक्टूबर 2025 को दिघलबैंक थाना में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। मामले की जांच में जुटी पुलिस ने तकनीकी और वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर एक व्यक्ति को हिरासत में लिया। सख्ती से पूछताछ करने पर उसने महबूब आलम की हत्या कर शव को मिट्टी में दबाने की बात स्वीकार कर ली। सूचना मिलते ही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) मंगलेश कुमार मौके पर पहुंचे और पूरी घटना की बारीकी से जांच की। एसडीपीओ मंगलेश कुमार ने बताया कि मृतक का ससुराल इसी प्रखंड के धंतोला पंचायत में है। उन्होंने पुष्टि की कि अब तक तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। पत्नी और ससुराल पक्ष के कुछ सदस्य भी संदेह के दायरे में हैं। एसडीपीओ ने कहा कि जांच पूरी होने के बाद जो भी अपराध में शामिल पाए जाएंगे, उनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कांड के खुलासे में विपिन कुमार सिंह के योगदान की सराहना भी की। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस सनसनीखेज मामले से दिघलबैंक क्षेत्र में दहशत और चर्चा का माहौल बना हुआ है।

रेलवे स्टेशन परिसर में अचानक लगी आग से अफरा-तफरी

सीतामढ़ी/एजेंसियां। बिहार के सीतामढ़ी रेलवे स्टेशन परिसर में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब स्टेशन पर रखी निर्माण सामग्री में अचानक आग लग गई। आग लगने के कारणों का अब तक पता नहीं चल पाया है, जिससे यात्रियों और स्थानीय लोगों में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

स्टेशन के एक कोने में बड़ी मात्रा में पाइप और अन्य निर्माण सामग्री रखी हुई थी, जो रेलवे के निर्माण और मरम्मती कार्यों में उपयोग होती है। अचानक उठी लपटों ने देखते ही देखते पूरे सामान को अपनी चपेट में ले लिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ ही मिनटों में आग इतनी फैल गई कि लोग घबराकर सुरक्षित स्थान की ओर भागने लगे। उठते धुएं और लपटों ने स्टेशन परिसर के एक हिस्से को पूरी तरह ढक लिया। हालांकि राहत की बात यह रही कि आग स्टेशन भवन या प्लेटफॉर्म तक नहीं पहुंची, जिससे किसी बड़े हादसे की आशंका टल गई। घटना के चलते स्टेशन पर कुछ देर के लिए रेल यातायात भी प्रभावित हुआ। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने करीब आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। उनकी तत्परता की वजह से स्टेशन के महत्वपूर्ण हिस्से सुरक्षित रहे और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। अग्निशमन अधिकारियों ने प्राथमिक जांच में शॉर्ट सर्किट या बाहरी कारणों की आशंका जताई है, हालांकि वास्तविक वजह की पुष्टि जांच रिपोर्ट के बाद ही हो पाएगी। घटना के बाद रेलवे प्रशासन और स्थानीय सुरक्षा एजेंसियों ने स्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बताया कि निर्माण कार्य से जुड़े पाइप और अन्य सामग्री के जलने की पुष्टि हुई है। साथ ही, भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की कवायद शुरू कर दी गई है।

भ्रष्टाचार और अपराध पर सरकार की है कड़ी नजर: उपमुख्यमंत्री

पटना/एजेंसियां। जन नमन अभिनंदन यात्रा के दौरान उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा पटना से लखीसराय के लिए निकले। रास्ते में जगह-जगह उनके स्वागत के लिए कार्यकर्ताओं की बड़ी भीड़ जुटी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सरकार भ्रष्टाचार और अपराध पर कड़ी नजर रखे हुए है और अपराधियों तथा भ्रष्टाचारियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। बाढ़ अनुमंडल के हाथीदह में उनका भव्य स्वागत किया गया। इसके बाद विजय कुमार सिन्हा बाइक और कार रैली के जरिए लखीसराय के लिए रवाना हुए। लखीसराय में उनका दो दिवसीय जनता का आभार कार्यक्रम आयोजित है। इस दौरान वह लखीसराय, रामगढ़ और हलसी में रोड शो के माध्यम से जनता का आभार व्यक्त करेंगे और लोगों का आशीर्वाद लेंगे। यह उनके लिए शपथ ग्रहण के बाद अपने क्षेत्र में पहली यात्रा है, इसलिए जनता भी उनका स्वागत करने के लिए पहले से ही उत्साहित और तैयार है।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से 7 वर्षीय आदिल की मौत

सहरसा/एजेंसियां। जिले में गुरुवार शाम सिमराहा बाईपास रोड पर एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार ट्रैक्टर की चपेट में आने से 7 वर्षीय मोहम्मद आदिल की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश फैल गया। लोगों ने ट्रैक्टर और उसके चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। सहरसा नगर निगम के वार्ड नंबर 05 सिमरहा के रहने वाले मोहम्मद अख्तर का 7 वर्षीय बेटा मोहम्मद आदिल गुरुवार देर शाम बाईपास रोड पर हादसे का शिकार हो गया। दुर्घटना के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार, मृतक आदिल अपने परिवार में सबसे छोटा था। उसके पिता मोहम्मद अख्तर देहरादून में मजदूरी करते हैं और करीब तीन महीने पहले ही घर लौटे थे। मृतक के पिता मोहम्मद अख्तर ने बताया कि गुरुवार शाम पड़ोस में शादी थी। आदिल अपनी मां के साथ टहलते हुए वहां जा रहा था। इसी दौरान बाईपास रोड पर तेज गति से आ रहे ट्रैक्टर ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि आदिल गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन तुरंत उसे सहरसा सदर अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों के मुताबिक, अस्प-ताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो चुकी थी। घटना के बाद स्थानीय लोग भड़क उठे। लोगों ने मौके से ही ट्रैक्टर और उसके चालक को पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। सहरसा सदर थाना अध्यक्ष सुबोध कुमार ने बताया कि ट्रैक्टर को जब्त कर लिया गया है और चालक को हिरासत में ले लिया गया है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। ट्रैक्टर चालक की पहचान सहरसा नगर निगम के कोरलाही निवासी अभिमन्यु शर्मा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, चालक आरण से ट्रैक्टर लेकर अपने घर लौट रहा था, तभी यह दर्दनाक हादसा हो गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

कृषि समर्थन मूल्य बढ़ाने के लिए दिनेश गुंडू राव ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर खेती का समर्थन मूल्य बढ़ाने की मांग की है, और मंत्री दिनेश गुंडू राव ने उनकी तरफ से प्रधानमंत्री को पत्र दिया है। यह अर्जी तब दी गई जब नरेंद्र मोदी शुक्रवार को उडुपी में हो रहे एक इवेंट में हिस्सा लेने के लिए मेंगलूरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचे। मुख्यमंत्री का पत्र प्रधानमंत्री मोदी तक पहुंचा दिया गया है। इसमें कहा गया है कि किसानों को अपनी फसलों के लिए समर्थन मूल्य के बिना बहुत मुश्किल हो रही है और केंद्र सरकार से समर्थन मूल्य पर फसल खरीदने का सिस्टम बनाने की इच्छा दिखाने का आग्रह किया गया है। पत्र में किसानों की बुरी हालत के बारे में विस्तार से बताया गया है। कर्नाटक में, मक्का 17.94 लाख हेक्टेयर से ज्यादा और चना 4.16 लाख हेक्टेयर से ज्यादा में उगाया जाता है, और कीमतों में भारी गिरावट के कारण किसानों को बहुत मुश्किल हो रही है। उन्होंने कहा कि यह पत्र किसानों की फसलों को समर्थन मूल्य पर खरीदने का रास्ता बनाने के लिए लिखा गया है। उन्होंने कहा अभी कर्नाटक में बिक्री के लिए लगभग 32 लाख मीट्रिक टन मक्का उपलब्ध है। इसलिए, केंद्र सरकार से तुरंत दखल देने और कीमत तय करने का अनुरोध किया गया है।

कोप्पल किशोरी गर्भावस्था मामला: कर्नाटक बाल अधिकार आयोग ने स्वप्रेरणा से शिकायत दर्ज की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग (केएससीपी-सीआर) ने कोप्पल जिले में एक 16 साल की लड़की के हॉस्टल के वॉशरूम में एक बच्चे को जन्म देने की मीडिया रिपोर्ट्स के आधार पर स्वत संज्ञान लेते हुए शिकायत दर्ज की है। आयोग के चेयरपर्सन शशिधर एस. कोसाम्बे ने इस बारे में कोप्पल जिले के जिला कलक्टर और पुलिस अधीक्षक को लिखा है। केएससीपीसीआर ने अधिकारियों से तीन दिनों के अंदर जिला प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई और संबंधित अधिकारियों को दिए गए निर्देशों के बारे में जरूरी जानकारी देने को कहा है। यह घटना 26 नवंबर को डी. देवराज उर्स प्री-मैट्रिक गर्ल्स हॉस्टल में हुई, जहां लड़की रहती थी। कुकनूर पुलिस ने प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंस (पॉक्सो) एक्ट, 2012 के तहत एक 23 साल के आदमी के खिलाफ केस दर्ज किया है, जो शादी का वादा करके उसके साथ संबंध में था।

हॉस्टल स्टाफ, टीचर और हेल्थ वर्कर समेत छह और लोगों पर भी लापरवाही के आरोप में केस दर्ज किया गया है। आयोग के पत्र में कहा गया कि हॉस्टल स्टाफ की लापरवाही साफ तौर पर थी। इन सभी बातों के आधार पर और हॉस्टल की लड़कियों के फायदे के लिए, आयोग में खुद से शिकायत दर्ज की गई है। घटना के बाद माँ और बच्चे को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। खबर है कि दोनों ठीक हैं।

चिंगारी से भड़की आग, पेड़ की टहनी सड़क पर गिरी

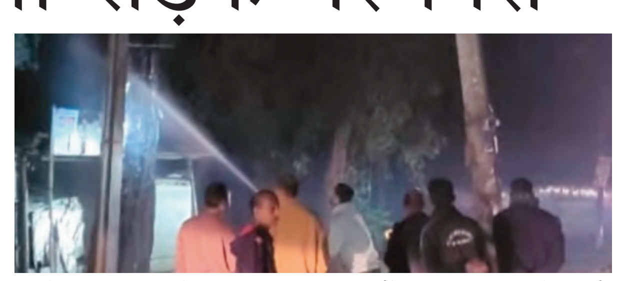

पूर्णिया/एजेंसियां। यहां के थाना चौक से काला भवन रोड स्थित अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र में गुरुवार की शाम बड़ा हादसा होते होते बच गया। बिजली के तारों से निकली चिंगारी ने अचानक एक पेड़ में आग लगा दी। आग लगते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई और पेड़ की जलती टहनी मुख्य सड़क पर गिर गई, जिससे वाहनों की लंबी कतार लग गई। यह घटना गुरुवार रात करीब 7.45 बजे हुई। पेड़ की टहनी गिरने से दो टोटो चालक बाल बाल बच गए, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। स्थानीय लोगों ने इस घटना के लिए बिजली विभाग की ला-परवाही को जिम्मेदार ठहराया है। उनका कहना है कि दिनभर बिजली के पोल से लगातार चिंगारी निकल रही थी, जिसकी सूचना विभाग को दी गई थी, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। लोगों के मुताबिक, इसी चिंगारी के कारण पेड़ में आग लगी और आग के गोले निकलने लगे। बाद में रात 7.45 बजे पेड़ की एक बड़ी टहनी टूटकर सड़क पर गिर गई। घटना की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और तेजी से कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पाया। इस दौरान सड़क पर गिरी टहनी की वजह से यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। बाद में हाट थाना पुलिस ने पहुंचकर पेड़ की टहनी को हटवाया और यातायात बहाल कराया। स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में बिजली विभाग के रखरखाव को लेकर कड़ा रोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह इलाका बेहद संवेदनशील है, जहां जज कॉलोनी, एएसपी आवास और कई थाने मौजूद हैं, फिर भी बिजली विभाग सही तरीके से मेंटेनेंस नहीं करता। लोगों ने चेतावनी दी कि यदि समय पर कार्रवाई नहीं हुई, तो यहां कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com